सत्यमेव जयते

असंशोधित

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

04 मार्च, 2025

बिहार विधान सभा सचिवालय,
पटना ।

सप्तदश विधान सभा मंगलवार, तिथि 04 मार्च, 2025 ई0
चतुर्दश सत्र 13 फाल्गुन, 1946 (शक)

(कार्यवाही प्रारंभ होने का समय–11.00 बजे पूर्वाह्न)
(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है । अब प्रश्नोत्तर काल होगा ।

(व्यवधान)

बैठ जाइये न ।

अब तारांकित प्रश्न लिये जायेंगे ।

श्री सतीश कुमार : अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष : बैठ जाइये ।

प्रश्नोत्तर काल

तारांकित प्रश्न संख्या–60, श्री फते बहादुर सिंह (डेहरी)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : (लिखित उत्तर) आंशिक स्वीकारात्मक ।

वस्तुस्थिति यह है कि रामप्यारी बालिका +2 उच्च विद्यालय दरिहट प्रखंड–डिहरी में कुल बच्चों की संख्या–887 है । स्मार्ट क्लास सहित कुल वर्ग कक्षों की संख्या–06 है, जिसमें बच्चों के पठन–पाठन का कार्य चलता है । वर्तमान में 4 (चार) वर्ग कक्ष निर्माण हेतु स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन (LAEO) कार्य प्रमण्डल–01 सासाराम को कार्य कराने का अनुरोध किया गया है ।

अध्यक्ष : उत्तर संलग्न है, पूरक पूछिये फते बहादुर जी ।

श्री फते बहादुर सिंह : जो LAEO से आग्रह किया गया है वह चार कमरा, कब तक उसमें काम लग जायेगा ?

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बतलाना चाहूंगा कि LAEO से भी बातचीत हुई है और वहां इंजीनियर से भी बात हुई है अगले चार महीनों में यह कार्य निश्चित रूप से पूरा किया जायेगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या–61, श्री अरूण सिंह (काराकाट)

श्री मदन सहनी, मंत्री : (लिखित उत्तर) स्वीकारात्मक ।

आंगनवाड़ी केन्द्रों को सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्र के रूप में उन्नत करने हेतु जिलों से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर भारत सरकार द्वारा कुल 4413 आंगवाड़ी केन्द्रों को स्वीकृत किया गया है, जिसमें रोहतास जिला के बिक्रमगंज परियोजना से 05 आंगनवाड़ी केन्द्रों को चयनित किया गया है ।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के संशोधित पत्रांक–CD-I-11/03/2021-CD-I-Part-III दिनांक–14.08.2024 द्वारा सामुदायिक भवन में भी संचालित केन्द्रों को भी सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्र के रूप में उन्नयन करने का प्रावधान किया गया है । तदालोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 में उक्त आंगनवाड़ी केन्द्र को सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्र के रूप में विकसित करने हेतु भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जायेगा ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये, उत्तर संलग्न है ।

श्री अरूण सिंह : महोदय, सरकार का उत्तर भी सकारात्मक है लेकिन मैं यही कहना चाहता हूं कि वह आंगनवाड़ी केन्द्र सामुदायिक भवन में चलता है, उसका भवन बनाने का भी काम करें ।

अध्यक्ष : सकारात्मक जवाब है तो सरकार को धन्यवाद तो दे दीजिये । दलीय बाध्यता इसमें क्यों है विकास के काम में ।

श्री अरूण सिंह : महोदय, भवनविहीन है वह सामुदायिक भवन ।

तारांकित प्रश्न संख्या–62, श्री मुकेश कुमार रौशन (महुआ)

अध्यक्ष : पूरक पूछिये ।

श्री मुकेश कुमार रौशन : महोदय, जवाब नहीं आया है ।

अध्यक्ष : देखे नहीं हैं कि जवाब आया नहीं है ?

श्री मुकेश कुमार रौशन : जवाब नहीं आया है महोदय ।

अध्यक्ष : कि देखे नहीं हैं ?

श्री सुनील कुमार, मंत्री : महोदय, जवाब तो शिक्षा विभाग का हंड्रेड परसेंट जवाब हमलोगों ने अपलोड कर दिया है ।

अध्यक्ष : जवाब पढ़ दीजिये मंत्री जी ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : महोदय, आंशिक स्वीकारात्मक है ।

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 21/1860 के तहत निबंधित एक स्वतंत्र एवं स्वायत्त निकाय है । बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् का स्मृति पत्र एवं नियमावली परिचालित है । इस नियमावली के तहत परिषद् कार्मिकों के लिये सेवा नियमावली लागू है, जिसे बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् सेवा नियमावली के नाम से जाना जाता है ।

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् के सेवा नियमावली (संशोधित–2010) के चैप्टर–X की कंडिका–48 में अंकित है कि "No employee of the parishad may ordinarily be transferred from one place to another, provided that in

exception and unavoidable circumstance the State Project Director may transfer an employee".

इस प्रकार जिला कार्यालय/प्रखंड में संविदा के आधार पर कार्यरत डाटा इन्ट्री ऑपरेटर/लेखा सहायक का स्थानांतरण परिस्थिति विशेष के आधार कार्मिक विशेष के लिये राज्य परियोजना निदेशक सक्षम प्राधिकार है ।

इस संबंध में माननीय सदस्य को हम बताना चाहेंगे कि हमने वाइस चेयरपर्सन से भी बात की है और जहां–जहां आवश्यकता होगी हमलोग जून के महीने में इसको निश्चित रूप से ट्रांसफर/टेकअप कर लेंगे । हमने दो बैठकें भी वहां पर जाकर स्वयं अपनी अध्यक्षता में की है । ताकि खास करके हायर एजुकेशन का कार्य सुचारू रूप से चले और हमलोग खास करके रिसर्च और समन्वय जो एक–दूसरे से है कॉलेजेज का उसको बनाये रखें ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–63, श्री कुंदन कुमार (बेगूसराय)</u>

श्री सुनील कुमार, मंत्री : (लिखित उत्तर) प्रस्तुत प्रश्न के प्रसंग में कहना है कि राज्य सरकार द्वारा प्रश्नाधीन महाविद्यालय में भवन निर्माण हेतु कुल रु0 6,30,93,000/–(छः करोड़ तीस लाख तिरानवे हजार) की योजना की स्वीकृति की जा चुकी है ।

बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम द्वारा टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है । शीघ्र ही इस योजना के लिये कार्यादेश निर्गत हो जायेगा ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये कुंदन जी ।

श्री कुंदन कुमार : महोदय, जवाब आया है जी0डी0 कॉलेज से संबंधित है लेकिन मैंने जो प्रश्न किया है वही जवाब आया है । मैंने प्रश्न में लिखा ही है कि निर्माण कार्य की स्वीकृति मिल गयी है, टेंडर प्रक्रिया में चला गया है । मैंने सवाल यह किया था कि निर्माण कार्य कब तक शुरू करवा देंगे ? लगभग टेंडर प्रक्रिया में गये हुये छः महीना हो गया है, कब तक शुरू करवा देंगे ?

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, इसकी भी हमने समीक्षा की है बी0एस0आई0डी0सी0 में और इस प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की है । हम समझते हैं कि अगले एक महीने में काम शुरू हो जायेगा और जैसा कि हमें फीडबैक है कि उसके बाद चार महीने लगेंगे उसको हमलोग कम्प्लीट कर लेंगे ।

श्री कुंदन कुमार : धन्यवाद ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–64, श्री वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता (सिकटा)</u>

श्री मोती लाल प्रसाद, मंत्री : (लिखित उत्तर) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

2. उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

3. वस्तुस्थिति यह है कि सांस्कृतिक कला भवन बनवाने से संबंधित कोई योजना वर्तमान में विभाग द्वारा संचालित नहीं है।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये ।

श्री वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता : महोदय, इसमें बांग्लाभाषी जो शरणार्थी हैं वह सिकटा विधान सभा क्षेत्र में 14 गांव में हैं और उनके लिये न कोई पुस्तकालय है बांग्ला भाषा से जुड़ा हुआ और न उसका कोई सांस्कृतिक भवन है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये, पूरक ।

श्री वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता : महोदय, पूरक यही है इसमें दिया गया है कि सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है तो क्या बिहार में जो 14 लाख बंगाली परिवार रहते हैं, उनके लिये कोई सांस्कृतिक भवन की जरूरत नहीं है, क्या उनकी भाषा अलग नहीं है ? हम सरकार से यह जानना चाहते हैं कि अगर ऐसी नीति नहीं है उनके बारे में कि उनके संस्कृति का संरक्षण किया जाना चाहिये, उनकी भाषा का संरक्षण किया जाना चाहिये तो ये कौन से कारण हैं, इसका क्या औचित्य है ? सरकार से हम जानना चाहेंगे ।

श्री मोती लाल प्रसाद, मंत्री : माननीय अध्यक्ष जी, हमने अपने जवाब में कहा है कि वस्तुस्थिति यह है कि सांस्कृतिक कला भवन बनाने से संबंधित कोई योजना वर्तमान में विभाग द्वारा संचालित नहीं है । यह मैंने अपने जवाब में कहा है और हम पुस्तकालय भी नहीं बनाते हैं, हमारा विभाग पुस्तकालय भी नहीं बनाता है । रह गया सांस्कृतिक केन्द्र तो इसके बारे में पदाधिकारियों को भेजकर उसकी तथ्यपरक स्थिति की जानकारी ले ली जाती है, उसके बाद उस पर विचार किया जा सकता है ।

श्री वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता : महोदय...

अध्यक्ष : कह तो रहे हैं कि विचार किया जायेगा । पुस्तकालय यह नहीं बनाते हैं बाकी जो आपने कहा उसका विचार करेंगे । अभी कोई योजना नहीं है ।

श्री वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता : महोदय, कब तक होगा ?

अध्यक्ष : अभी कोई योजना ही नहीं है तो कब तक कैसे होगा । योजना रहेगी तब न होगा ।

श्री वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता : मतलब बंगाली समुदाय यहां बिहार में रहते हैं...

अध्यक्ष : वह कह तो रहे हैं, कह रहे हैं कि पूरे बात की समीक्षा करके विचार करते हैं । बैठिये ।

श्री समीर कुमार महासेठ : महोदय, मैथिली भाषा और बंगाली भाषा के हिसाब से तो सोचना पड़ेगा...

अध्यक्ष : भाई, उन्होंने कहा है न । अभी नहीं है तो विचार करने के लिये उन्होंने कहा न ।

श्री समीर कुमार महासेठ : कब तक करेंगे...

अध्यक्ष : बैठिये ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–65, श्री प्रमोद कुमार सिन्हा (रक्सौल)</u>

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–66, श्री अजय कुमार (बिभूतिपुर)</u>

श्री सुनील कुमार, मंत्री : (लिखित उत्तर) अस्वीकारात्मक ।

वस्तुस्थिति यह है कि बिहार जिला परिषद् माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय सेवा (नियुक्ति, प्रोन्नति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) नियमावली, 2020 तथा बिहार नगर निकाय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय सेवा (नियुक्ति, प्रोन्नति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) नियमावली, 2020 के नियम–18 (2) में निहित प्रावधानों तथा बिहार पंचायत प्रारंभिक विद्यालय सेवा (नियुक्ति, प्रोन्नति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) नियमावली, 2020 एवं बिहार नगर प्रारंभिक विद्यालय सेवा (नियुक्ति, प्रोन्नति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) नियमावली, 2020 के नियम–20 (2) में निहित प्रावधानों के अनुसार आकस्मिक अवकाश एवं विशेष अवकाश को छोड़कर शेष सभी प्रकार के अवकाशों की स्वीकृति संबंधित प्रधान अध्यापक/प्रभारी प्रधानाध्यापक की अनुशंसा पर नियोजन ईकाई के द्वारा किया जाता है । संबंधित जिला के शिक्षा विभाग के कार्यालय के स्तर से नियोजित शिक्षकों का चिकित्सा अवकाश, मातृत्व अवकाश एवं अध्ययन अवकाश की स्वीकृति संबंधी कोई भी मामला लंबित नहीं है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये ।

श्री अजय कुमार : माननीय मंत्री का जवाब मिला है और जवाब के आलोक में मेरा सवाल था कि नियोजन इकाई के पास लंबित है शिक्षकों का जो है चिकित्सा अवकाश और कई तरह के अवकाश का मैंने उठाया था मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश ये सब चीज । जवाब में दिया गया है कि डी0ई0ओ0 के ऑफिस में कोई लंबित नहीं है । लेकिन हायर सेकेंडरी और हाई स्कूल के जो नियोजन इकाई के मुख्य जो होते हैं नियोजनकर्ता वह होते हैं डी0डी0सी0 और डी0डी0सी0 के टेबल पर वहां लंबित है विगत डेढ़ साल से । मैं खुद भी जाकर मिल करके अपील किया था...

अध्यक्ष : पूरक पूछिये ।

श्री अजय कुमार : इसलिये मेरा है कि नियोजन इकाई हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी का जब उसके चीफ डी0डी0सी0 होते हैं तो जवाब जो ये आया है यह सही नहीं है । इसलिये उनके टेबल पर लंबित है, वह कब तक पूरा होगा, इसका निष्पादन होगा ? मेरे पास लिस्ट है जिनका आवेदन है ।

अध्यक्ष : बैठ जाइये । माननीय मंत्री जी ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इस तरह के अन्य जिलों में भी मामले लंबित हैं माननीय सदस्य ने सही कहा है और उनसे हम आग्रह करेंगे कि अपनी सूची हमें दे दें । अन्य कई जिलों का हमने निष्पादन कर दिया है इस तरह के मामले का ।

शिक्षक हमसे मिले थे इस तरह के मामले में उनका निष्पादन हो चुका है । अगर आपके पास सूची होगी तो हमें दे दें अगले 15 दिनों में उसका निष्पादन हम निश्चित रूप से कर देंगे । अन्य जिलों में हमलोगों ने निष्पादन किया है इसका।

अध्यक्ष : श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय ।

श्री अजय कुमार : महोदय...

अध्यक्ष : अब क्या, अब हो गया आपका ।

श्री अजय कुमार : महोदय, मेरा सवाल यह है कि डेढ़ साल से शिक्षकों का पेंडिंग करके अगर डी0डी0सी0 ने रखा है क्या उसके खिलाफ कोई कार्रवाई कर सकती है सरकार कि नहीं ? क्या कारण है ? इसलिये मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जिन्होंने डेढ़ साल से लंबित रखा है उनके खिलाफ कोई अनुशासनिक कार्रवाई करने की इच्छा सरकार रखती है कि नहीं ?

अध्यक्ष : अभी तो आपने लिखा है कि उनके लंबित कार्यों का निष्पादन कब तक करेंगे, उसको तो पूरा होने दीजिये न । 15 दिनों में मंत्री जी ने कहा, बैठ जाइये ।

श्री अजय कुमार : लेकिन एक मेरा...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये, प्रश्नकर्त्ता बोल रहे हैं ।

(व्यवधान)

प्रश्नकर्त्ता बोल रहे हैं, प्रश्नकर्त्ता को बैठा दें ?

श्री अजय कुमार : महोदय, सदन में जब कोई विधायक खड़ा होकर बोलता है तो मैं यह भी कह रहा हूं कि मैं डी0डी0सी0 को जाकर मैंने बोला और दो बार मैंने बोला फिर भी नहीं किया । तो एक विधायक अपनी बात को, अपनी वेदना को कहां रखेगा ?

अध्यक्ष : हो गया ।

श्री अजय कुमार : मैं सदन में रख रहा हूं इसलिये मैं कह रहा हूं – हू इज रिस्पांसिबुल ? रिस्पांसिबिलिटी को तय करके सरकार को कार्रवाई करनी चाहिये, यह हमारा कहना है ।

अध्यक्ष : बैठ जाइये ।

तारांकित प्रश्न संख्या–68, श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय (कुचायकोट)

श्री सुरेन्द्र मेहता, मंत्री : उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक ।

वस्तुस्थिति यह है कि मुख्यमंत्री खेल विकास योजनान्तर्गत वर्तमान में प्रत्येक प्रखंड में एक आउटडोर स्टेडियम निर्माण का लक्ष्य है । गोपालगंज जिलान्तर्गत प्रखंड–कुचायकोट में उच्च विद्यालय, सोनहुला में वर्ष 2019–20 में विभाग द्वारा फुटबॉल स्टेडियम निर्माण कराया जा चुका है, जिसका निर्माण कार्य पूर्ण है ।

टर्न–2 / राहुल / 04.03.2025

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हमारा कुचायकोट जो प्रखंड है वह बिहार का सबसे बड़ा प्रखंड है जिसमें 31 पंचायत आती हैं और वहां एक स्टेडियम जो पहले से सन्हौला में बना है तो बड़ा प्रखंड होने के नाते क्या माननीय मंत्री जी संगवाडीह में स्टेडियम बनवायेंगे ?

अध्यक्ष : हर प्रखंड में एक स्टेडियम बनाने का तय किया है । एक प्रखंड में एक तो आपका बन चुका है ।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, कुचायकोट प्रखंड बिहार का सबसे बड़ा प्रखंड है, उतना बड़ा बिहार में कोई प्रखंड नहीं है और 31 पंचायत उसके अंतर्गत आती हैं तो क्या माननीय मंत्री जी संगवाडीह पंचायत के ग्राम चैलवा में स्टेडियम का निर्माण करायेंगे ?

श्री सुरेन्द्र मेहता, मंत्री : महोदय, अभी एक प्रखंड में एक स्टेडियम ही बनना तय हुआ है इसलिए अगर आने वाले दिनों में सरकार कोई निर्णय लेती है तो इस पर विचार किया जायेगा ।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, हमने अपने विधान सभा अपनी व्यक्तिगत निधि से तीन–तीन स्टेडियम बनवाये हैं तो माननीय मंत्री जी अगर दे देंगे तो हमारे लिए और सहूलियत हो जायेगी । हमारी सरकार का जो मानक है कि आप खेल–कूद करिये आपको सरकार यहां नौकरी देगी । कुचायकोट पिछड़ा इलाका है तो संगवाडीह में मंत्री जी एक स्टेडियम बना दें ।

अध्यक्ष : मंत्री जी ने कहा है कि अभी सरकार की नीति एक प्रखंड में एक स्टेडियम की है वह आपके यहां बन गया है...

(व्यवधान)

बीच में नहीं करिये । गलत बात है । वह भी माननीय सदस्य हैं, आप ही की तरह हैं । उन्होंने कहा है कि एक प्रखंड में एक बनाने का नियम है, एक बन गया है जब दूसरे का विचार करेंगे तो इस पर विचार करेंगे । यह कहा है उन्होंने ।

तारांकित प्रश्न सं0–69 (श्री रामप्रवेश राय, बरौली)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न सं0–70 (श्री नरेन्द्र कुमार नीरज, गोपालपुर)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न सं0–71 (श्री मुरारी मोहन झा, केवटी)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न सं0–72 (श्रीमती मंजु अग्रवाल, शेरघाटी)

श्री जनक राम, मंत्री : (लिखित उत्तर) 1. अस्वीकारात्मक ।

वस्तुस्थिति यह है कि गया जिलांतर्गत प्रखंड–शेरघाटी की ग्राम पंचायत–श्रीरामपुर के ग्राम बी0टी0 बिगहा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा छात्रावास भवन निर्मित एवं संचालित नहीं है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये ।

श्रीमती मंजु अग्रवाल : महोदय, जवाब आया है लेकिन अस्वीकारात्मक है । मेरी मांग थी कि वहां छात्रावास जीर्णशीर्ण अवस्था में है इसलिए वहां के दलित, महादलित के छात्रों को रहने में असुविधा हो रही है । वहां नवीन भवन बना दिया जाय ताकि सुदूरवर्ती इलाके में रहकर पठन–पाठन नहीं करना पड़े तो जवाब में कहा गया है कि संचालित नहीं है । जब जीर्णशीर्ण रहेगा, रहने योग्य नहीं रहेगा तो लोग कैसे रहेंगे तो उसका नवीकरण किया जाय और छात्रों को सुविधा दी जाय ।

अध्यक्ष : यह जो जवाब है, आप अगर जवाब पढ़ेंगी तो यह लिखा है कि वहां तो निर्मित ही नहीं है ।

श्रीमती मंजु अग्रवाल : महोदय, निर्मित है जीर्णशीर्ण हो गया और वहां नया भवन बना देना चाहिए न । यह तो जांच का विषय है, जांच करवा ली जाय तो पता चलेगा वहां छात्रावास जीर्णशीर्ण अवस्था में है जिस कारण लोग नहीं रह पा रहे हैं, इधर–उधर रहकर पठन–पाठन कर रहे हैं तो वहां नवनिर्मित छात्रावास बना दिया जाय ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या इसकी जांच कराने के लिए कह रही हैं तो सरकार जांच करा देगी ।

श्रीमती मंजु अग्रवाल : महोदय, जांच कराकर बना दिया जाय ताकि छात्रों को रहने के लिए सुविधा हो जाय ।

अध्यक्ष : जांच के बाद ही न होगा ।

<u>तारांकित प्रश्न सं0–73 (श्री अवध विहारी चौधरी, सिवान)</u>

श्री हरि सहनी, मंत्री : (लिखित उत्तर) आंशिक रूप से स्वीकारात्मक । सिवान जिले के जसौली, पंचरूखी प्रखंड में जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास का निर्माण किया गया है । उक्त नवनिर्मित छात्रावास संचालन की प्रक्रिया में है । सिवान जिले के कंदवारा, सदर प्रखंड में अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावास निर्मित है जिसमें वर्तमान में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के लिए आवासीय विद्यालय का संचालन किया जा रहा है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये ।

श्री अवध विहारी चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का जवाब सरकार द्वारा उपलब्ध करवा दिया गया है परंतु मैंने जो प्रश्न किया है उस प्रश्न का समुचित तरीके से जो जवाब आया है उसमें नहीं है । मैंने पूछा है कि सिवान जिले में पिछड़ा, अतिपिछड़ा छात्रों के लिए छात्रावास की व्यवस्था नहीं है । छात्रावास की व्यवस्था कराने के लिए मैंने सरकार

के समक्ष प्रश्न किया है परंतु सरकार का जवाब आया है कि जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के नाम से पंचरूखी में छात्रावास बनाया गया है और सिवान प्रखंड के कंदवारा में अन्य छात्रावास तो है लेकिन पिछड़ा वर्ग अति पिछड़ा के लिए छात्रावास का निर्माण कराया गया है । मैं दोनों जवाब से संतुष्ट नहीं हूं । इसलिए नहीं हूं कि पंचरूखी सिवान से कुछ दूर भी है और कार्यरत छात्रावास वहां अभी नहीं है । साथ ही साथ, जो कंदवारा सिवान ब्लॉक में है उस छात्रावास में अनुसूचित जाति, जनजाति के बच्चों की पढ़ाई के लिए उस छात्रावास को कल्याण विभाग ने स्कूल में परिवर्तित कर दिया है । उसमें पिछड़ा अतिपिछड़ा वर्ग के छात्र नहीं रह रहे हैं तो मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या सिवान में पिछड़ा और अतिपिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए एक अच्छे छात्रावास का निर्माण सरकार कराना चाहती है ।

श्री हरि सहनी, मंत्री : वर्तमान समय में 33 जिलों में छात्रावास का निर्माण हो चुका है...

अध्यक्ष : इसके बारे में बोलिये । प्रश्न में जो है उसके बारे में बताइये ।

श्री हरि सहनी, मंत्री : हम आंशिक रूप से इसको स्वीकारात्मक मानते हैं लेकिन हर प्रखंड स्तर पर अभी बनाने का निर्णय नहीं है यह...

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, पंचरूखी प्रखंड के बारे में, जो इन्होंने सिवान के बारे में कहा है उसके बारे में बताइये न ।

श्री हरि सहनी, मंत्री : महोदय, उसमें तो उत्तर हम इनको दिये हैं कि सिवान जिले में जसौली, पंचरूखी प्रखंड में जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास का निर्माण किया गया है । उक्त नवनिर्मित छात्रावास संचालन की प्रक्रिया में है और सिवान जिले के कंदवारा, सदर प्रखंड में अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावास निर्मित है जिसमें वर्तमान में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के लिए आवासीय विद्यालय का संचालन किया जा रहा है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपने जो कहा यह बिल्कुल सच कहा है ।

श्री अवध विहारी चौधरी : माननीय अध्यक्ष महोदय, उन्होंने जो मेरे प्रश्न का उत्तर दिया है, मैंने जो पूरक के माध्यम से वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी चाही, स्वयं मंत्री जी उसी को दोहरा रहे हैं । मैं कहना चाहता हूं कि जो पंचरूखी में छात्रावास है वह कह रहे हैं कि संचालन की स्थिति में है मतलब संचालित नहीं है...

अध्यक्ष : संचालन की प्रक्रिया में है, संचालित नहीं है ।

श्री अवध विहारी चौधरी : प्रक्रिया में है तो वह तो चालू नहीं है । दूसरी बात मैंने कही कि अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण विभाग द्वारा जो कंदवारा में है उसमें आवासीय विद्यालय चल रहा है तो छात्रावास के बारे में मैं पिछड़ा, अतिपिछड़ा से संबंधित मेरा प्रश्न है और मेरे प्रश्न का समाधान माननीय मंत्री, कल्याण विभाग के द्वारा नहीं किया

जा रहा है तो मैं चाहूंगा कि पिछड़ा, अतिपिछड़ा के लिए सिवान में छात्रावास कब तक बनाने के लिए सरकार विचार रखती है ? यही मेरा प्रश्न है।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, मेरी बात सुनिये । आपने जो कहा है कि नवनिर्मित छात्रावास संचालन की प्रक्रिया में है तो कब तक उसको चालू करियेगा ? यह बताइये ।

श्री हरि सहनी, मंत्री : महोदय, यह अभी हर जगह तैयार हो चुका है और...

अध्यक्ष : आप इसके बारे में बताइये न ।

श्री हरि सहनी, मंत्री : बस तुरंत अभी संचालित होने वाला है, जहां–जहां बाकी है ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी यह पर्टिकुलर एक जगह के बारे में है । पंचरूखी वाला छात्रावास कब तक...

श्री हरि सहनी, मंत्री : मेरा है, उसको खाली करवा कर तब उसमें संचालन करेंगे ।

अध्यक्ष : बात सुनिये न ।

श्री अवध विहारी चौधरी : महोदय,...

अध्यक्ष : आपके प्रश्न का जवाब चाहिए न । आपका जो उत्तर है पढ़िये पहले – सिवान जिले के जसौली, पंचरूखी प्रखंड में जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास का निर्माण किया गया है । निर्माण हो गया है संचालन की प्रक्रिया में है । संचालन कब तक करा दीजियेगा इतना ही बताना है ।

श्री हरि सहनी, मंत्री : अभी यथाशीघ्र बना हुआ है उसको खाली करवा के...

अध्यक्ष : कहां उसमें खाली कराना है ।

श्री हरि सहनी, मंत्री : अभी उसमें दूसरा चल रहा है...

अध्यक्ष : इस प्रश्न को हम स्थगित करते हैं...

(व्यवधान)

सुनिये । बैठ जाइये आप । इस प्रश्न को हम स्थगित करते हैं । फिर से एक बार पता करके बतायेंगे ।

श्री अवध विहारी चौधरी : महोदय,...

अध्यक्ष : मैंने आपके प्रश्न को स्थगित किया है । इसकी फिर से समीक्षा करके माननीय मंत्री जी जवाब देंगे ।

श्री अवध विहारी चौधरी : बहुत–बहुत धन्यवाद महोदय ।

टर्न–3 / मुकुल / 04.03.2025

तारांकित प्रश्न संख्या–74 (श्री राम सिंह, बगहा)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–75 (श्री मनोहर प्रसाद सिंह, मनिहारी)

(लिखित उत्तर)

श्री मदन सहनी, मंत्री : जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, कटिहार के पत्रांक–236 दिनांक–28.02.2025 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र के अपने भवन की अनुपलब्धता की स्थिति में वार्ड संख्या–05 में आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या–151 (बुढ़िया टीकर), वार्ड संख्या–06 में आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या–40 (मरगाह) एवं वार्ड संख्या–02 में आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या–150 (साहपुर तिरासी) का संचालन किराये के भवन में किया जा रहा है।

वार्ड संख्या–04 में आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत नहीं है उक्त वार्ड को वार्ड नं0–5 के केन्द्र संख्या–151 से टैग करके पोषक क्षेत्र के लाभुकों को लाभ दिया जा रहा है ।

बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा वार्ड संख्या– 05 एवं 02 में भूमि चिन्हित करते हुए अंचल अधिकारी, मनिहारी से आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण हेतु अनापत्ति प्रमाण–पत्र प्राप्त करने हेतु अनुरोध किया गया है ।

वार्ड संख्या–06 मे आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण हेतु भूमि चिन्हित की जा रही है ।

नाबार्ड के त्प्क्थ्.ग्ग के निधि से राज्य के 2500 आंगनबाड़ी केन्द्रों का भवन निर्माण की स्वीकृति मंत्री परिषद से प्राप्त है, जिसमें कटिहार जिला के 75 आंगनबाड़ी केन्द्रों का भवन निर्माण कराया जाना है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अपना पूरक प्रश्न पूछिए ।

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : महोदय, जवाब में बताया गया है कि वार्ड संख्या–4 में आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत नहीं है । क्या सरकार इसे स्वीकृत करने का विचार रखती है ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, समाज कल्याण विभाग ।

श्री मदन सहनी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, पूरे बिहार में अभी 1 लाख 15 हजार आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित है, जिसमें 18 हजार रिक्त हैं । उसके लिए हमलोगों ने भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से कई बार आग्रह किया है, उसकी स्वीकृति मिल जाने के बाद रिक्त बचे हुए जो केन्द्र हैं उनका हमलोग सुचारू रूप से संचालन करेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या–76 (श्री शमीम अहमद, नरकटिया)

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : वस्तुस्थिति यह है राज्य में संचालित अराजकीय प्रस्वीकृत अनुदानित मदरसों में विधिवत रूप से नियुक्त शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को मात्र वेतनानुदान का भुगतान शिक्षा विभाग द्वारा किया जाता है ।

मदरसा के भवन एवं उसके रख–रखाव करने की जिम्मेवारी मदरसा के प्रबंध समिति की होती है ।

मदरसा के भवन एवं उसके रख–रखाव करने से संबंधित कोई भी मामला शिक्षा विभाग के अंतर्गत विचाराधीन नहीं है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अपना पूरक प्रश्न पूछिए ।

श्री शमीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो प्रश्न किया है उसी को जवाब में प्रविष्ट कर दिया गया है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप क्या चाहते हैं कि आपके प्रश्न के खिलाफ में जवाब आये?

श्री शमीम अहमद : नहीं–नहीं, अध्यक्ष महोदय प्रश्न को ही जवाब बना दिया गया है ।

अध्यक्ष : ठीक है, आप अपनी बात बोलिए ।

श्री शमीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, इसमें मेरा प्रश्न यही है कि सरकार जब मदरसे के स्टाफ को पेमेंट करती है, शिक्षक को पेमेंट करती है तो भवन को देख–रेख करने के लिए पैसा नहीं देती है । मेरा यही मांग है कि पैसा भी क्यों नहीं देती है, मदरसे का भवन जीर्ण–शीर्ण अवस्था में हैं, सरकारी मदरसे हैं तो उसको देख–रेख करने के लिए हम माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि इस पर विचार करके, माननीय मुख्यमंत्री जी भी यहां पर बैठे हुए हैं इस पर विचार करके मदरसे की भी देख–रेख की जाय ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने ठीक ही कहा है । जहां तक वेतन इत्यादि का प्रश्न है, वर्ष 2024–25 में हमलोगों ने 495 करोड़ रुपये की स्वीकृति या विमुक्ति भी दे दी है, वेतन मिल भी गया है । जहां तक अभी तक प्रावधान नहीं है कि इस तरीके से जीर्णोद्धार का जैसे अन्य स्कूलों का था तो इस पर कई बार, कई माननीय सदस्यों से इस तरह की अनुशंसाएं प्राप्त हुई हैं । इस बार इस वित्तीय वर्ष में हम उस पर विचार करेंगे कि इस मामले का कैसे निष्पादन हो, तत्काल इसका प्रावधान नहीं है । माननीय सदस्य का जो विचार है उसपर हमलोग निश्चित रूप से गंभीरतापूर्वक विचार करेंगे ।

श्री शमीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, पेमेंट हो रहा है, बच्चों को बैठने के लिए क्लास रूम नहीं है तो वहां पर चिन्हित करके इसको बनाने की जरूरत है ताकि बच्चे पढ़ सकें ।

अध्यक्ष : ठीक है माननीय सदस्य । सरकार ने बता ही दिया है ।

श्री शमीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, हम जब पेमेंट कर रहे हैं और बैठने के लिए जगह नहीं है । सरकार इसको कब तक कराने का विचार रखती है ?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, सरकार तो जवाब दे ही रही है ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हमने तो जवाब दिया ही है कि इस पर गंभीरतापूर्वक इस वित्तीय वर्ष में हमलोग प्रावधान करने के संबंध में, चूंकि प्रावधान नहीं है इसलिए इस पर विचार करेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या–77 (श्री आलोक रंजन, सहरसा)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–78 (श्री अचमित ऋषिदेव, रानीगंज, अररिया)

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : वस्तुस्थिति यह है कि अररिया जिलान्तर्गत रानीगंज प्रखंड के ग्राम पंचायत–नंदनपुर ग्राम–गोपालपुर, वार्ड नं0–13 के दक्षिण–पूर्व दिशा में 1.5 किलोमीटर की दूरी पर वार्ड नं0–14 में उत्क्रमित मध्य विद्यालय देवस्थल संचालित है, जिसमें गोपालपुर गाँव के लगभग 100 बच्चे नामांकित हैं एवं पठन–पाठन का कार्य कर रहे हैं । पश्चिम दिशा में 1.5 किलोमीटर पर वार्ड नं०–11 एवं 12 में उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुम्हरा, उत्तर दिशा में 1.5 किलोमीटर पर प्राथमिक विद्यालय, गोढ़ी टोला नंदनपुर एवं पूरब में 01 किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक विद्यालय, मुसहरी टोला मिर्जापुर अवस्थित है ।

अंकनीय है कि बच्चों का मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम–2009 एवं तदालोक में निर्गत नियमावली 2011 में यह प्रावधानित है कि प्रत्येक बसावट क्षेत्र के 01 किलोमीटर की परिधि में एक प्राथमिक विद्यालय का प्रावधान है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अपना पूरक प्रश्न पूछिए ।

श्री अचमित ऋषिदेव : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि गोपालपुर में वार्ड–13 में 300 आबादी महादलित परिवार का डेढ़ किलोमीटर तक पठन–पाठन के लिए विद्यालय नहीं है, यह बहुत बड़ी परेशानी है । इसी को लेकर मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि वहां पर विद्यालय बनाया जाय ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, मानक के अनुसार तो वहां पर विद्यालय अवस्थित है लेकिन फिर भी माननीय सदस्य अगर चाहते हैं तो उनके प्रस्ताव पर हमलोग विचार करेंगे, भूमि की उपलब्धता पर और बसावट में कितने बच्चे हैं उसके आधार पर हमलोग निर्णय लेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या–79 (श्रीमती रश्मि वर्मा, नरकटियागंज)

(माननीय सदस्या अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–80 (श्री प्रमोद कुमार, मोतिहारी)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, खेल विभाग ।

श्री सुरेन्द्र मेहता, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जिला पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) के पत्रांक–28, दिनांक–03.03.2025 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि मोतिहारी स्थित नेहरू स्टेडियम का पूर्व से निर्मित आउटडोर स्टेडियम है । जिसमें 112ग115 मी० फुटबॉल मैदान अवस्थित है एवं दर्शकों के बैठने के लिए पवेलियन निर्मित है । इसके अतिरिक्त स्टेडियम के मुख्य भवन में वर्तमान में केन्द्रीय विद्यालय का कार्यालय स्थित है । खेलो इंडिया के तहत कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं है ।

वर्तमान में पीपराकोठी खेल मैदान में मनरेगा योजना के तहत खेल मैदान का निर्माण कार्य प्रस्तावित है, जिस पर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, निर्माण कार्य अभी प्रारम्भ नहीं हुआ है ।

श्री प्रमोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, हमने इसमें लिखा था कि मुंशी सिंह महाविद्यालय खेल मैदान और नेहरू स्टेडियम भी लिखा था तो वह मुंशी सिंह महाविद्यालय वाला प्रश्न में से हट गया है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, प्रश्न में यह कहां लिखा हुआ है ?

श्री प्रमोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न बनाने में ही कटिंग कर दिया गया है ।

अध्यक्ष : ठीक है । आप माननीय मंत्री जी से अलग से बात कर लीजिएगा वे आपको जवाब दे देंगे ।

श्री प्रमोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा हूं । मैं मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि मुंशी सिंह महाविद्यालय जो इस प्रश्न में से कटिंग हो गया है....

अध्यक्ष : प्रमोद जी, आप मंत्री रहे हैं, जब वह विषय ही प्रश्न में शामिल नहीं हुआ तो मंत्री जी जवाब कैसे लेकर आयेंगे । इसलिए आप अलग से उनसे बात कर लीजिएगा, वे आपको अलग से जवाब दे देंगे । अब आप बैठ जाइये ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–82 (श्री राम नारायण मंडल, बांका)</u>

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–83 (श्री विनय कुमार, गुरूआ)</u>

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप अपना पूरक प्रश्न पूछिए, उत्तर संलग्न है ।

श्री विनय कुमार : अध्यक्ष महोदय, हमलोग ऑनलाइन उत्तर देख रहे हैं, कहीं पर ऑनलाइन उत्तर आया ही नहीं है । इसलिए हम माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि वे जवाब पढ़कर सुना दें ।

अध्यक्ष : मंत्री, शिक्षा विभाग । विनय जी के प्रश्न का उत्तर पढ़ दीजिए ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : प्रस्तुत प्रश्न के प्रसंग में कहना है कि गुरुआ विधान सभा के क्षेत्रान्तर्गत गया जिले के गुरूआ, गुरारू एवं परैया प्रखंड आते हैं ।

गुरुआ प्रखंड शेरघाटी अनुमंडल के अंतर्गत है तथा शेरघाटी अनुमंडल में एस०एम०एस०जी० कॉलेज, शेरघाटी एक अंगीभूत महाविद्यालय के रूप में पूर्व से संचालित है । इसी प्रकार गुरारू एवं परैया प्रखंड टेकारी अनुमंडल के अंतर्गत हैं तथा टेकारी अनुमंडल में एस०एन०एस० कॉलेज, टेकारी अंगीभूत महाविद्यालय के रूप में पूर्व से संचालित हो रहा है ।

स्पष्टतः गुरुआ विधान सभा क्षेत्र में पड़ने वाले तीनों प्रखंडों के अनुमंडल मुख्यालय में पूर्व से डिग्री कॉलेज संचालित हो रहे हैं तथा उस विधान सभा क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को संबंधित अनुमंडल मुख्यालयों में उच्चतर शिक्षा का लाभ प्राप्त हो रहा है ।

श्री विनय कुमार : अध्यक्ष महोदय, हमने कहा था कि मेरे गुरूआ विधान सभा में एक भी सरकारी डिग्री कॉलेज नहीं है । इन्होंने बोला है कि वह शेरघाटी में है, वह अनुमंडल में है शेरघाटी, मेरा गुरूआ विधान क्षेत्र दो अनुमंडल में आता है एक टेकारी और एक शेरघाटी तो महोदय, दो अनुमंडलों में है लेकिन मेरे विधान सभा में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है तो मेरे विधान सभा के लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर जाना पड़ता है तो मेरे यहां होगा या नहीं होगा हम यह जानना चाहते हैं । महोदय, कल ही घोषणा हुई है, सरकार ने कल ही घोषणा की है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कल घोषणा हुई और आज वह हो जायेगा ।

श्री विनय कुमार : महोदय, माननीय मंत्री जी तो बता ही सकते हैं, कल जब सरकार घोषणा की थी तो ये आज तो बता ही सकते हैं ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, कल माननीय वित्त मंत्री जी ने वार्षिक बजट में जो घोषणा की थी....

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, रूक जाइये ।

माननीय सदस्यगण, कल माननीय वित्त मंत्री जी ने अपने बजट भाषण में घोषणा की है, अभी तक आपने बजट पास किया है ? जब बजट पास होगा तब न काम होगा ।

श्री विनय कुमार : अध्यक्ष महोदय, हम यह नहीं कह रहे हैं, माननीय मंत्री जी यह कह सकते हैं कि बजट में हुआ है और इसको एक महीना या दो महीना में हम करवायेंगे ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, जब तक बजट पास नहीं होगा तब तक कैसे होगा, यह आप हमको बताइये ।

श्री विनय कुमार : अध्यक्ष महोदय, यह उत्तर सही है, हमने अपने विधान सभा के लिए मांग की है कि हमारे विधान सभा में डिग्री कॉलेज कब बनेगा तो मंत्री जी बता रहे हैं, उस अनुमंडल में है, इस अनुमंडल में है, टेकारी और शेरघाटी अनुमंडल में है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप मंत्री जी की पूरी बात सुन लीजिए, उन्होंने कहा है कि सरकार का पहले नियम था कि हर अनुमंडल में एक डिग्री कॉलेज का, उसके बारे में भी उन्होंने आपको बता दिया दोनों अनुमंडल के बारे में । लेकिन आपने प्रखंड का सवाल किया है तो कल जब घोषणा हुई थी तो जब बजट पास करेंगे उसके बाद ही न वह बता पायेंगे, ऐसे कैसे बता पायेंगे मंत्री जी ।

श्री विनय कुमार : अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा में 37 पंचायत है और एक भी डिग्री कॉलेज नहीं है । इसलिए माननीय मंत्री जी आश्वासन दें कि इसको प्राथमिकता में लिया जायेगा ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, हो गया ।

श्री विनय कुमार : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी इसको कम से कम प्राथमिकता में रखें।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, जो कल बजट प्रस्तुत हुआ उसमें ये बातें रखी गयी हैं और माननीय अध्यक्ष महोदय ने भी ठीक ही कहा कि सदन में पहले बजट पास हो जाने दीजिए उसके बाद हमलोग निश्चित रूप से इसको देखेंगे।

टर्न–4 / यानपति / 04.03.2025

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : इन्हीं की मांग के अनुरूप सरकार ने नीति की घोषणा की है वित्त मंत्री जी ने । अब इस बजट के समर्थन में वोट देंगे तब न होगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या–84 (श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह, नबीनगर)

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : वस्तुस्थिति यह है कि मध्याह्न भोजन योजना एक केन्द्र प्रायोजित योजना है । मध्याह्न भोजन योजना में भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रबंधन अनुश्रवण एवं मूल्यांकन मद के राशि से मध्याह्न भोजन योजना में संविदा पर कार्यरत पदाधिकारियों/कर्मियों का मानदेय दिया जाता है । भारत सरकार द्वारा उक्त मद की राशि बढ़ोत्तरी के पश्चात् ही बिहार राज्य मध्याह्न भोजन योजना में संविदा पर कार्यरत पदाधिकारियों/कर्मियों के मानदेय पुनरीक्षण/बढ़ोत्तरी हेतु बिहार राज्य मध्याह्न भोजन योजना की कार्यकारिणी समिति द्वारा लिये गये निर्णयोपरांत मानदेय पुनरीक्षण/बढ़ोत्तरी किया जाता है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : विजय जी को प्रश्न करने दीजिए । बैठ जाइये । विजय जी पूरक पूछिए ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्य, कृपया शांत हो जाइये । माननीय सदस्य, प्रश्नोत्तर काल हो रहा है, कृपया शांत रहिए ।

श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह : अध्यक्ष महोदय, प्रखंड साधन सेवी और जिला साधन सेवी, मैंने इनका जवाब पढ़ लिया है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिए ।

श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह : मेरा एक ही पूरक है कि संविदा कर्मियों की सेवा 60 साल करने और अन्य संविदाकर्मी द्वारा सेवा लेने का विचार रखती है क्या ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, जवाब तो दिया है पूरा ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इस तरह का तत्काल कोई विचार नहीं है सरकार के अधीन, कृपया सभी माननीय सदस्य इस बात को समझेंगे कि काफी बड़ा बजट होने के बावजूद काफी संख्या है शिक्षकों की, छात्रों की और जो हमलोग मिड–डे मील प्रोवाइड करते हैं उन सभी को हमलोगों को देखना है । ऐसे जो आपने प्रस्ताव रखा है उसपर हमलोग विचार करेंगे । तत्काल इसपर कोई विचार नहीं है ।

अध्यक्ष : श्री कुमार शैलेन्द्र ।

श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह : अध्यक्ष महोदय......

अध्यक्ष : आपने ही तो कहा था कि एक ही प्रश्न है मेरा ।

श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह : एक सूचना है जो हम आपको अभी देंगे ।

अध्यक्ष : ठीक है, सूचना दीजिए ।

श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह : मेरे विधान सभा अंतर्गत कल प्रमोद साव......

अध्यक्ष : यह नहीं, प्रश्नोत्तर के बाद बताइये, हम मौका देंगे आपको ।

अध्यक्ष : श्री कुमार शैलेन्द्र ।

तारांकित प्रश्न संख्या–85 (श्री कुमार शैलेन्द्र, बिहपुर)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या–86 (श्री छत्रपति यादव, खगड़िया)

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : महोदय, प्रस्तुत प्रश्न के प्रसंग में कहना है कि वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा महाविद्यालयों में किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य की अनुशंसा हेतु जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है । प्रश्नाधीन महाविद्यालय में छात्रावास निर्माण हेतु जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति से कोई भी प्रस्ताव अनुशंसित होकर प्राप्त नहीं है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिए ।

श्री छत्रपति यादव : इसमें प्रश्न क्या था, हमने महिला कॉलेज के लिए छात्रावास की मांग की थी, आपको जानकारी होगी कि लगातार 20 वर्षों से मांग हो रही है लेकिन आजतक महिला छात्रावास पर विचार नहीं किया गया है, जवाब यह आया है कि जिलाधिकारी द्वारा प्रस्ताव आने पर इसपर विचार किया जायेगा । कबतक प्रस्ताव मंगाना चाहते हैं जिलाधिकारी, खगड़िया से ताकि महिला छात्रावास बन सके ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, फिलहाल कोई प्रस्ताव हमें प्राप्त नहीं है लेकिन जब माननीय सदस्य ने इस प्रश्न को उठाया है तो निश्चित रूप से हमलोग कोशिश करेंगे कि इस वित्तीय वर्ष में उसको टेकअप करने की, निधि की उपलब्धता को देखते हुए हमलोग करने की कोशिश करेंगे । धन्यवाद ।

श्री छत्रपति यादव : माननीय मंत्री जी, जल्द से जल्द डी0एम0 के द्वारा मंगवाया जाय ।

अध्यक्ष : हो तो गया ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–87 (श्री अशोक कुमार चौधरी, सकरा)</u>

श्री अशोक कुमार चौधरी : यू0टी0आई0 के तहत मुजफ्फरपुर जिला और पटना जिला का पैसा कब तक भुगतान हो जायेगा, इसके संबंध में ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, इनका उत्तर पढ़ दीजिए ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, खंड–1 का उत्तर स्वीकारात्मक है ।

खंड–2, वस्तुस्थिति यह है कि विभागीय स्वीकृत्यादेश संख्या–191, दिनांक–06.03.2023 द्वारा यू0टी0आई0 पेंशन फंड अंतर्गत रिटायरमेंट बेनेफिट हेतु सरकार के अंशदान मद में 77 करोड़ 43 लाख 97 हजार की स्वीकृति प्रदान की गई थी । सी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से इस राशि की निकासी तकनीकी कारणों से कोषागार से नहीं की जा सकी । सी0एफ0एम0एस0–2 का अपग्रेडेड वर्जन बन रहा है ।

खंड–3 वस्तुस्थिति यह है कि यू0टी0आई0 रिटायरमेंट बेनेफिट पेंशन फंड से दिनांक–31.08.2020 तक शिक्षकों को आच्छादित किए जाने का प्रावधान है इसके पश्चात् सभी शिक्षकों को प्रोविडेंट फंड से आच्छादित किया गया है ।

अध्यक्ष : अशोक बाबू, ठीक है ।

श्री अशोक कुमार चौधरी : ठीक है महोदय ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–88 (श्री मोहम्मद अनजार नईमी, बहादुरगंज)</u>

श्री मोहम्मद अनजार नईमी : महोदय, पूछता हूं, उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है ।

अध्यक्ष : नहीं पढ़े हैं । माननीय मंत्री, शिक्षा विभाग, इनका जवाब पढ़ दीजिए ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि राज्य में संचालित अराजकीय प्रस्वीकृत अनुदानित मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति पर कोई रोक नहीं लगाई गई है । बिहार राज्य गैर सरकारी मान्यता प्राप्त अनुदानित मदरसा (मौलवी स्तर तक) शिक्षण और गैर शिक्षण कर्मचारी (नियुक्ति एवं सेवा शर्त) नियमावली, 2022 के कंडिका 8 (ख) के

अनुसार शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति वेबपोर्टल के माध्यम से किया जाना है, जिसके अंतर्गत पोर्टल का निर्माण कर लाइव किया जा चुका है । तदालोक में मदरसों में नियुक्ति की कार्रवाई प्रारंभ करने के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई करने के लिए बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड, पटना को निदेशित किया जा चुका है ।

श्री मोहम्मद अनजार नईमी : पूरक पूछता हूं महोदय, चूंकि बोर्ड में चेयरमैन हैं नहीं, बहुत सारे मदरसे ऐसे हो गए हैं कि उसमें ताला लग गया है, जो शिक्षक था वह भी रिटायर कर गया तो ऐसी स्थिति में क्या सरकार बहाल करने की कोई प्रक्रिया लाना चाहती है या नहीं या कब तक ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, अभी जो भी प्रस्ताव अगर आएंगे तो मदरसा बोर्ड के चेयरमैन, अभी हमलोगों ने वहां पर पदाधिकारी के चार्ज में दे रखा है और नियमतः यदि कोई प्रस्ताव आते हैं तो उसको हमलोग अनुमोदित करेंगे, धन्यवाद ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : प्रश्नकर्ता पीछे खड़े हैं, प्रश्नकर्ता को ही चुप करा दें ? बैठिए । पहले प्रश्नकर्ता को बोलने दीजिए ।

श्री मोहम्मद अनजार नईमी : महोदय, जब तक चेयरमैन नहीं आयेगा तब तक सिस्टम बहाली का नहीं आयेगा । मैं मानता हूं कि कमेटी है लेकिन बहाली की प्रक्रिया बंद है, मदरसा बंद हो रहा है या सरकार यह इरादा रखती है कि मदरसे बंद हो जायं ।

श्री अखतरूल ईमान : माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि पोर्टल तैयार हो रहा है यह बातें विगत दो साल से सुनी जा रही हैं ।

अध्यक्ष : पोर्टल की मांग कर लाइव कर दिया गया है यह है ।

श्री अखतरूल ईमान : लाइव कर दिया गया है लेकिन यह बता दें माननीय मंत्री कि बहाली की प्रक्रिया कब से शुरू हो जायेगी सिर्फ यह बात बता दें ।

अध्यक्ष : आप बोलना चाहते थे, बोलिए ।

श्री वीरेन्द्र प्रसाद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, जिन मदरसों की जांच हो गई है, सेम सवाल से जुड़ा हुआ है उसका तो कम से कम कर दिया जाय । वह मदरसा बोर्ड के चेयरमैन के पास पड़ा हुआ है, उसका कब तक करेंगे यह बता दें जिसका जांच पूरा हो गया है ।

अध्यक्ष : ठीक है, बैठ जाइये । माननीय मंत्री जी ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : हमलोग अगले एक महीने में उस पर विचार करके, बजट सेशन खत्म होता है चूंकि यहां व्यस्तता रहती है उसके बाद हमलोग उसको टेकअप कर लेंगे । धन्यवाद ।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या–89 (श्री अजय यादव, अतरी)</u>

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि गया जिला अंतर्गत प्रखंड खिजरसराय के ग्राम पंचायत बिहटा के ग्राम–कोहवारा से 900 मीटर की दूरी पर मध्य विद्यालय महकार अवस्थित है । उक्त विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक के बच्चे पढ़ाई करते हैं ।

शिक्षा का अधिकार नियमावली 2011 के भाग–3 की कंडिका 4 (1) (क) में वर्णित प्रावधानानुसार प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना किसी बसाव क्षेत्र के 01 कि0मी0 सीमा के अंतर्गत की जाएगी । पूर्व से ही निर्धारित दूरी के अंतर्गत विद्यालय अवस्थित रहने के कारण नया प्राथमिक विद्यालय के सृजन की आवश्यकता नहीं है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिए अजय जी ।

श्री अजय यादव : अध्यक्ष महोदय, जवाब मिला है, जवाब में है कि 900 मीटर की दूरी है जबकि पोहवारा से महकार की दूरी करीब 2 कि0मी0 के ऊपर है और इसमें दूरी कम दिखाया गया है 900 मीटर । 100 घर की बसावट है, वहां के बच्चे लोग सरकार कटिबद्ध है तो कब तक ये स्कूल पास करवा सकते हैं ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, एक बार फिर से दिखवा लीजिए, किलोमीटर का अंतर बता रहे हैं ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, उसकी पुनः हम समीक्षा करवा लेंगे । आपका कहना सही है तो हमलोग जमीन मिलने के आधार पर कार्रवाई करेंगे ।

अध्यक्ष : ठीक है, दिखवा लेंगे । आपका तो यही सवाल था ।

तारांकित प्रश्न संख्या–90 (श्री राजेश कुमार सिंह, मोहिउद्दीन नगर)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, खेल विभाग, राजेश जी का जवाब पढ़िए ।

श्री सुरन्द्र मेहता, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, उत्तर अस्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि समस्तीपुर जिला के प्रखंड मोहिउद्दीन नगर में आर0बी0एस0 कॉलेज में वर्ष–2013–14 में विभाग द्वारा फुटबॉल स्टेडियम निर्माण करवाया जा चुका है जिसका कार्य पूर्ण है ।

श्री राजेश कुमार सिंह : मोहिउद्दीन नगर जो है एक 17–18 पंचायत का है, बहुत पहले स्टेडियम बनाया गया था सिंबोलिक रूप से बनता था, अब सरकार बड़े लेवल पर बना रही है उसको कब तक बनवा दीजिएगा यह बता दीजिए और विधायक होने के नाते बताइये कि कब तक बनवाइयेगा उसको ।

श्री सुरेन्द्र मेहता, मंत्री : आपके स्टेडियम का कार्य पूर्ण हो चुका है और पुनः आप जिस चीज को रख रहे हैं उस पर पुनः विचार करते हुए इसको ।

अध्यक्ष : आर0बी0एस0 कॉलेज में तो पहले से बना हुआ है न 2013–14 का ।

श्री राजेश कुमार सिंह : वर्ष–2013 में ऐसे ही स्टेज वगैरह बना दिया जाता था, उस टाइप का बना हुआ है । स्टेडियम नहीं है वह । सरकार अच्छा काम करे उसपर ।

अध्यक्ष : मंत्री जी, दिखवा लीजिए ।

श्री अजय कुमार : महोदय, इसमें मेरा एक सप्लिमेंट्री है कि माननीय सदस्य ने यह पूछा है कि वर्षों पहले जो नॉर्मल तरीके से चहारदीवारी करके बनाया जाता था और उसी को आप बार–बार कह रहे हैं कि स्टेडियम बन गया तो जो स्टेडियम की परिभाषा है, क्या वह स्टेडियम वहां बना हुआ है । अगर नहीं बना हुआ है तो वह कब तक बन पायेगा ?

टर्न–5 / अंजली / 04.03.2025

अध्यक्ष : माननीय अजय बाबू, प्रश्न पढ़िये, प्रश्न क्या है ? मोहिउद्दीन नगर में कोई स्टेडियम नहीं है खेल का, यह पहला प्रश्न है । दूसरा, आर0बी0एस0 महाविद्यालय में स्टेडियम निर्माण कराने का विचार रखती है या नहीं ? यही दो प्रश्न हैं । मंत्री जी ने साफ कहा कि स्टेडियम है, अस्वीकारात्मक कहा है । दूसरा उन्होंने कहा है कि आर0बी0एस0 कॉलेज में बना हुआ है । इतना ही कहा है, तो इसमें उन्होंने कोई गलत जवाब नहीं दिया, लेकिन एक बार फिर से दिखवा लीजिए । माननीय सदस्य जिन कमियों की बात कर रहे हैं उसको एक बार चेक करा लीजिए ।

श्री सुरेन्द्र मेहता, मंत्री : ठीक है ।

श्री सत्यदेव राम : नहीं महोदय...

अध्यक्ष : नहीं महोदय क्या ? आप वहां कहां चले गए ? स्टेडियम की बात नहीं कीजिए ।

(व्यवधान)

बैठिये–बैठिये । 2013–14 का जो मानक होगा उसमें बना होगा, लिखा तो है 2013–14 । उन्होंने कहा 2013–14 में बना है ।

(व्यवधान)

कहां आप स्टेडियम में चले गये । बैठिये न ।

तारांकित प्रश्न सं0–91 (श्री नारायण प्रसाद, नौतन)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न सं0–92 (श्री सूर्यकांत पासवान, बखरी)

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : विभागीय पत्रांक–2048, दिनांक–22.11.2024 द्वारा मार्गनिर्देश निर्गत कर दिनांक–01.12.2024 से 15.12.2024 तक किसी विशेष समस्या के कारण अपने स्थानांतरण हेतु इच्छुक शिक्षकों से ई–शिक्षांकोष–पोर्टल पर आवेदन आमंत्रित किया गया है । निर्धारित अवधि में लगभग 1,90,000 शिक्षकों के अभ्यावेदन विशेष परिस्थिति

में स्थानान्तरण हेतु प्राप्त हुए हैं। विभागीय आदेश ज्ञापांक–392, दिनांक–07.02.2025 के आलोक में इन अभ्यावेदनों के स्क्रूटनी की जा रही है । स्क्रूटनी के पश्चात चरणबद्ध तरीके से इच्छुक शिक्षकों के स्थानान्तरण नियम अनुसार कार्रवाई की जा रही है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये, सूर्यकांत जी ।

श्री सूर्यकांत पासवान : महोदय, मेरा पूरक है कि सरकार 1 लाख 90 हजार शिक्षकों को विशेष परिस्थिति में शिक्षक लोग आवेदन दिये थे । जवाब मिला है कि सरकार के द्वारा कार्रवाई की जा रही है, यह विशेष परिस्थिति में शिक्षकों का आवेदन है जो उनके गृह से 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थानांतरण किया गया है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये ।

श्री सूर्यकांत पासवान : महोदय, मेरा पूरक यही है कि सरकार कब तक 1 लाख 90 हजार शिक्षकों को अपने गृह जिला में स्थानांतरण करने का विचार रखती है ?

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन को बताना चाहेंगे कि सबसे पहले हमलोगों ने जो शिक्षक–शिक्षिका स्वयं बीमार थे, गंभीर रोगों से ग्रस्त थे, कैंसर की बीमारी थी, वैसे 40 से ऊपर शिक्षक–शिक्षिकाओं को उन्होंने जहां भी चाहा वहां हमलोगों ने उनकी पोस्टिंग कर दी । इसके अतिरिक्त जो 1 लाख 90 हजार की बात है उससे कुछ ज्यादा एप्लीकेशंस आये हैं तो अगले दो महीने में इसकी स्क्रूटनी करके निश्चित रूप से जो जिस जिला में जाने को इच्छुक हैं उसको हमलोग कर देंगे । नीति–निर्धारण हमलोगों ने कर लिया है तो जो जहां जाना चाहेंगे, लेकिन उसमें एक चीज है कि कितनी वैकेंसी है, वेकेंसी पर भी निर्भर करेगा, इसलिए हमलोगों ने 10 च्वॉइस उनसे मांगा है कि आप अपने पोस्टिंग का दस जगह बता दें, जिला बता दें ताकि उसी के अनुरूप हमलोग पोस्टिंग कर दें और इसका सॉफ्टवेयर करीब–करीब तैयार हो गया है और वह मुख्यालय से ही हमलोग जो पोर्टल है उस पर जो एप्लीकेशंस आये हैं उसके आधार पर हमलोग कर लेंगे । धन्यवाद ।

श्री सूर्यकांत पासवान : महोदय, हमारा प्रश्न है पोस्टिंग का, विद्यालय हम मांगे हैं, आप कह रहे हैं अनुमंडल । महोदय, विद्यालय के लिए हमलोगों ने आवेदन किया है कि हमको विद्यालय में आप पोस्टिंग करें चूंकि विशेष परिस्थिति में हमने आवेदन किया है, हम बीमार हैं, साफ–साफ जानकारी मिलनी चाहिए । अध्यक्ष महोदय, जो विद्यालय हमने दिया है आप उसमें कब तक स्थानांतरण करने की बात करते हैं ?

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने कहा कि जो नीति–निर्धारण हमलोगों ने किया है । उसमें सबसे पहले स्वयं जो शिक्षक–शिक्षिका बीमार थे उनका कर दिया है, उसी तरह से जो पति–पत्नी भी शिक्षक हैं तो उनकी इच्छानुसार साथ पोस्टिंग करेंगे और इसके अतिरिक्त हमने कहा है कि जो जिला जिन्होंने मांगा है उसकी

पोस्टिंग हम उसी जिले में करेंगे लेकिन यह भी निर्भर करता है कि किस स्कूल में उनलोगों ने अपनी–अपनी इच्छा व्यक्त की है, अपने ऑप्शंस दिये हैं लेकिन वहां पर कितनी वेकेंसी है एक ही स्कूल में अगर 10 वेकेंसी है और वहां 20 लोगों ने दिया है तो उसके सेकेंड च्वॉइस या थर्ड च्वॉइस में जाएगा, इसका सॉफ्टवेयर हमलोगों ने तैयार कर लिया है, उसी के अनुसार हमलोग अगले दो महीने में इसको पूरा कर लेंगे और अगर फिर भी कोई...

(व्यवधान)

बोलने दीजिए । अगर फिर भी कोई असंतुष्ट है अपनी पोस्टिंग से तो हमलोगों ने डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई है और उसी तरह से कमिश्नर जो डिवीजन में हैं उनकी अध्यक्षता में और अंततोगत्वा हमलोगों ने सेक्रेटरी के स्तर पर एक कमेटी मुख्यालय में बनाई है, ये सारी प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद भी अगर किसी शिक्षक–शिक्षिका को फिर भी शिकायत रह गई है तो अपना वे पिटीशन दे सकते हैं तो देंगे ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : हो गया, पूरी बात आ गई ।

श्री सूर्यकांत पासवान : महोदय,..

अध्यक्ष : अब कितना डिबेट होगा । अब इतना स्पष्ट जवाब है उसके बाद अब क्या डिबेट होगा ।

श्री सूर्यकांत पासवान : महोदय, माननीय मंत्री जी जो जवाब दे रहे हैं, जो देरी हो रही है इसमें भ्रष्टाचार की बू आ रही है ।

अध्यक्ष : ऑनलाईन में क्या भ्रष्टाचार होगा ?

श्री सूर्यकांत पासवान : यह हो रहा है महोदय । हम तो पहले स्थानांतरण...

अध्यक्ष : बैठिये । बिना प्रमाण के आरोप नहीं लगाना है । बिना प्रमाण के आरोप नहीं लगाइए ।

श्री सूर्यकांत पासवान : इसमें है महोदय...

अध्यक्ष : आप बैठ जाइए ।

श्री संदीप सौरभ : महोदय...

अध्यक्ष : आप बोलिये ।

श्री संदीप सौरभ : महोदय, 2020 में सरकार ने सेवा शर्त नियमावली लाकर ऐच्छिक स्थानांतरण की बात कही । 2021 में इसी सदन के अंदर सरकार ने लिखित में जवाब दिया कि छठे चरण की बहाली हो जाएगी तो हम स्थानांतरण करेंगे । 5 साल गुजर गये, तीन बार नोटिफिकेशन आ चुका है, आवेदन लिया जा चुका है और अब सरकार कह रही है कि हम 40 लोगों का स्थानांतरण किये हैं, 5 साल में 40 लोगों का स्थानांतरण । महोदय, 300–300 किलोमीटर दूर टीचर...

अध्यक्ष : भाषण नहीं पूरक पूछिये ।

श्री संदीप सौरभ : हमारा सरकार से यही सवाल है कि जो आवेदन लिया गया है उसमें महिलाओं और दिव्यांगों को प्राथमिकता देकर सरकार तत्काल उनका स्थानांतरण कब करने का विचार रखती है ? यह मेरा सवाल है ।

अध्यक्ष : बैठ जाइए ।

श्री अजय कुमार : महोदय, हमारा माननीय मंत्री जी से जानना है कि आपने ऑप्शन में मांगा है दस अनुमंडल, तो दस अनुमंडल मांगा है और वह जिला में जाना चाहता है तो क्या यह व्यवहारिक है कि उस जिला में जाने के लिए दूसरे जिला के अनुमंडल का दें ? क्या इसमें संशोधन करके सरकार उसी जिला के विभिन्न स्कूलों का नाम वह मांगने का विचार रखती है कि नहीं ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, एक बार में सब बता दीजिए ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हमलोगों ने यथासंभव जो नीति बनाई है, उदार नीति है और आपका जो सुझाव है, अगर सॉफ्टवेयर में कोई कमी होगी तो हमलोग उसको जरूर देख लेंगे, लेकिन हमलोगों की इच्छा है, सरकार की इच्छा है कि यथासंभव जो शिक्षक–शिक्षिका अपने जिले में जाना चाहते हैं वह वहां जाएंगे । अगर इसमें कोई कमी रह गई है तो उसको हमलोग सुधार भी करने के लिए तैयार हैं लेकिन...

श्री अजय कुमार : अनुमंडल की जगह पर आप विद्यालय को कर दीजिए ।

अध्यक्ष : अब नहीं, अजय जी । बोलने दीजिए न ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : ठीक है हम उसको देख लेंगे ।

अध्यक्ष : श्री प्रेम शंकर प्रसाद ।

<u>तारांकित प्रश्न सं0–93 (श्री प्रेम शंकर प्रसाद, बैकुंठपुर)</u>

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : वस्तुस्थिति यह है कि जिला गोपालगंज अंतर्गत बैकुण्ठपुर विधान सभा क्षेत्र के बखरी पंचायत के मुंजा में 10+2 विद्यालय का भवन में अधिष्ठापित पानी की टंकी, नल, वाटर पाईप, बिजली की वायरिंग, स्वीच बोर्ड, बादरवाजा, खिड़की का शीशा एवं भूतल का फर्श भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है ।

मरम्मति हेतु यथाशीघ्र प्राक्कलन तैयार कर लिया जायेगा एवं मरम्मति का कार्य 01 अप्रैल, 2025 से प्रारम्भ होने वाले नये वित्तीय वर्ष में प्राथमिकता के आधार पर उक्त भवन में पठन–पाठन का कार्य प्रारम्भ करा दिया जायेगा ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये । प्रेम जी पूरक पूछिये ।

श्री प्रेम शंकर प्रसाद : महोदय, माननीय मंत्री जी से मेरा पूरक है कि 3 वर्ष पहले बिल्डिंग बन चुकी है फिर भी इसमें उत्तर आया है कि टंकी, नल, वाटर पाईप, बिजली की वायरिंग

आदि जब कि कई करोड़ का प्रोजेक्ट था, क्या यह प्रोजेक्ट में शामिल नहीं था कि इसको फिर से बाहर से ही काम कराया जा रहा है तीन साल बाद ।

अध्यक्ष : पूरक क्या है आपका ?

श्री प्रेम शंकर प्रसाद : पूरक यही है कि जो न्यू बिल्डिंग बनी शिक्षा विभाग के माध्यम से तो क्या आधा–अधूरा काम हुआ कि फिर से इसमें नया टंकी का और बिजली का कमा होगा ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : महोदय, हमलोगों ने इस संबंध में वहां के इंजीनियर से बात की है और नया प्राक्कलन बनाकर इसी वित्तीय वर्ष में इसको प्राथमिकता के तौर पर ले लेंगे निश्चित रूप से इसी वित्तीय वर्ष में आपका काम पूरा हो जाएगा जल्द से जल्द । हम समझते हैं कि अप्रैल या मई महीने में काम शुरू हो जाएगा ।

श्री प्रेम शंकर प्रसाद : ठीक है ।

अध्यक्ष : नये वित्तीय वर्ष में हो जाएगा । ठीक है हो गया । श्री शकील अहमद खाँ ।

<u>तारांकित प्रश्न सं0–94 (श्री शकील अहमद खाँ, कदवा)</u>
(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

<u>तारांकित प्रश्न सं0–95 (श्री सैयद रूकनुद्दीन अहमद, बैसी)</u>
(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

<u>तारांकित प्रश्न सं0–96 (श्री राम विशुन सिंह, जगदीशपुर)</u>
(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : वस्तुस्थिति यह है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (C) के तहत प्रस्वीकृति प्राप्त निजी विद्यालयों में 25% अलाभकारी समूह (DG) और कमजोर वर्ग (EWS) श्रेणी के छात्रों के नामांकन में पारदर्शिता को सुनिश्चित करने हेतु शैक्षणिक सत्र 2024–25 से राज्य स्तर पर ज्ञानदीप पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन नामांकन की प्रक्रिया अपनायी गयी । इस हेतु सर्वप्रथम विज्ञापन प्रकाशित किया गया। मार्ग निर्देशिका जारी करते हुए बच्चों के नामांकन हेतु आवश्यक सभी दस्तावेज सहित ऑनलाईन आवेदन मांगे गये । पोर्टल पर अपने प्रखंड अंतर्गत 5 विद्यालयों का विकल्प देने की सुविधा दी गयी । प्राप्त आवेदन को तीन बार जिला द्वारा रैंडमाईज कर नामांकन हेतु स्कूल आवंटित किया गया । जिसका अनुश्रवण मुख्यालय स्तर से ज्ञानदीप पोर्टल के माध्यम से किया गया । आवंटित छात्रों का सत्यापन प्रखंड स्तर के पदाधिकारी के द्वारा कराते हुए विद्यालय में नामांकन की कार्रवाई की गयी।

शैक्षणिक सत्र 2024–25 में प्रस्वीकृति प्राप्त निजी विद्यालयों में प्राप्त आवेदन के आलाक में कुल 28355 बच्चों के द्वारा संबंधित विद्यालय में नामांकन लिया गया ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिये ।

श्री राम विशुन सिंह : महोदय, मेरा पूरक यही है कि मंत्री जी के विभाग से जवाब मिला है कि शैक्षणिक सत्र 2024–25 में 28355 बच्चों का एडमिशन करा लिया गया है लेकिन इन्होंने जिला की सूची नहीं बताई कि भोजपुर जिला में कितने प्राइवेट स्कूल हैं और कितने का एडमिशन लेना है और इसके बारे में भी नहीं बताया गया कि कौन–कौन स्कूल में कितने एडमिशन हुए हैं, कितने एस0सी0/एस0टी0/ओ0बी0सी0...

अध्यक्ष : क्या पूछना चाहते हैं ? पूरक पूछिये न ।

श्री राम विशुन सिंह : महोदय, हम यही पूछना चाहते हैं कि 28355 बच्चों का जो नामांकन हुआ है किन–किन विद्यालयों में हुआ है और किस–किस कैटेगिरी के कितने बच्चे हैं ?

श्री सुनील कुमार, मंत्री : महोदय, इस संबंध में इस तरह की सूचना नहीं मांगी गई थी लेकिन हमारे विभाग में सूचना उपलब्ध है । आपको आज ही इसको हमलोग उपलब्ध करा देंगे । धन्यवाद ।

अध्यक्ष : आज ही आपको पहुंचा देंगे ।

श्री अजय कुमार सिंह ।

<u>तारांकित प्रश्न सं0–97 (श्री अजय कुमार सिंह, जमालपुर, मुंगेर)</u>

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : 1. स्वीकारात्मक है । नामांकन के समय शुल्क नहीं देना होता है ।

2. सरकार द्वारा फीस की भरपाई हेतु दिशा–निर्देश जारी किया गया है, जिसके अनुसार भरपाई की जायेगी ।

3. कंडिका–(2) में सन्निहित है ।

श्री अजय कुमार सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, सरकार की ओर से जवाब आया है कि विश्वविद्यालय से गणना करके रिपोर्ट मांगी गई है आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि मुंगेर विश्वविद्यालय से 6–8 महीना पहिले सी0ए0 ने रिपोर्ट बनाकर के आपके यहां भेज दिया है । (क्रमशः)

टर्न–6/आजाद/04.03.2025

श्री अजय कुमार सिंह : (क्रमशः) जब विश्वविद्यालय ने भेज ही दिया है तो भ्रामक उत्तर देने का क्या मतलब है ? जब आपके यहां गणना होकर के आ गई है तो उसको पैसा

दीजिए वित्तरहित कॉलेजों को, आप अपने फाईल को देखिए कि आपके यहां आया है कि नहीं आया है ?

अध्यक्ष : पूरक पूछिए अजय बाबू ।

श्री अजय कुमार सिंह : पूछ तो दिया सर । इनके यहां गणना होकर के आ गई है रिपोर्ट विश्वविद्यालय से 6 माह पहले आ गई है .....

अध्यक्ष : पूछिए न कि कब तक भेजेंगे ? आप केवल बोलते रहियेगा तो कैसे होगा, आप पूरक पूछिए ।

श्री अजय कुमार सिंह : माननीय मंत्राी जी बतायें कि गणना होकर के आ गई है तो कब तक भेज रहे हैं ?

श्री सुनील कुमार, मंत्री : इस बजट सेशन के बाद खाली विश्वविद्यालय में नहीं, अन्य विश्वविद्यालयों में भी कुछ दिनों से लंबित है, सभी को मेरे हिसाब से हमलोगों ने राशि का जो आकलन किया है, वह 300 करोड़ से ज्यादा का होगा, लेकिन अन्य विश्वविद्यालयों में भी यह भरपाई हमलोग कर देंगे अगले दो महीनों में । जब एक बार यहां से पास हो जायेगा बजट, उसके बाद जैसे राशि प्राप्त होगी तो हमलोग जहां का आपने जिक्र किया, उसके अतिरिक्त भी हमने जहां–जहां लंबित है, उसकी सूची बनायी है, उसको अगले दो–तीन महीने में हमलोग पूरी कर देंगे।

श्री अजय कुमार सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय, विश्वविद्यालय से मांग की गई तो क्या पिछले बजट में इसका प्रावधान नहीं था तो मांग किसलिए की गई थी ?

अध्यक्ष : अब यह प्रश्न कहां आ रहा है, आप कह रहे हैं तो ये कह रहे हैं कि बजट के पास होने के बाद हम इसको करेंगे, आपका पहले कर देंगे, यह भी कह रहे हैं।

श्री अजय कुमार सिंह : चूँकि माननीय मंत्री जी ने कहा कि बजट पास होने के बाद तो आपने मांग किसके आलोक में कर दिया था पिछले वित्तीय वर्ष में ?

श्री सुनील कुमार, मंत्राी : अध्यक्ष महोदय, जो वर्तमान व्यवस्था है विश्वविद्यालयों की, उसमें कई जगहों से जो सूचना प्राप्त हुई थी, जब उसको हमलोगों ने क्रौस चेक किया तो उसमें कुछ त्रुटियां थी तो अगर त्रुटियां रहेंगी और जिस फॉर्मेट में हमलोगों ने मांगा था, उस फॉर्मेट में नहीं था । इस वजह से जो पैसे खर्च हो गये हैं तो अगले वित्तीय वर्ष में इसका प्रावधान है, तभी तो दे पायेंगे । पिछले वर्ष का तो हमलोग यूज नहीं कर पाये ।

<u>तारांकित प्रश्न सं0–98(श्री मो0 नेहालउद्दीन,रफीगंज)</u>

अध्यक्ष : पूरक पूछिए नेहाल साहेब ।

श्री मो0 नेहालउद्दीन : जवाब नहीं मिला है सर । 10 बजे तक देखा है, उस समय तक जवाब नहीं आया था । इसलिए माननीय मंत्री जी इसको पढ़ दीजिए ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, खेल विभाग, जवाब पढ़ दीजिए ।

श्री सुरेन्द्र मेहता, मंत्री : महोदय, उत्तर स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत रफीगंज प्रखंड के 24 ग्राम पंचायतों में एवं मदनपुर प्रखंड के 19 ग्राम पंचायतों में खेल मैदान के निर्माण हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया । विभागीय पत्रांक 378 दिनांक 24.01.2025 द्वारा उक्त दोनों प्रखंडों यथा रफीगंज एवं मदनपुर में खेल मैदान के निर्माण हेतु पत्र आयुक्त, मनरेगा, ग्रामीण विकास विभाग को भेजी गई है ।

अध्यक्ष : यह तो हो गया ।

श्री मो0 नेहालउद्दीन : कुछ तो पूछा जाय सर । माननीय मंत्री जी, यह बताईए कि दोनों प्रखंडों को शामिल कर लिया गया है, आपने कहा कि कर लिया गया है । आप यह बताईए कि कब तक आप दोनों प्रखंडों में स्टेडियम निर्माण या खेल मैदान, कब तक ?

अध्यक्ष : ये तो आयुक्त, मनरेगा को खेल मैदान बनाने के लिए चिट्ठी भेज दिये हैं ।

श्री मो0 नेहालउद्दीन : कब तक ?

श्री सुरेन्द्र मेहता, मंत्री : जल्द से जल्द इसका निर्माण कराया जायेगा ।

अध्यक्ष : नेहाल साहेब का पूरा ख्याल है उनको ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को आपके माध्यम से अवगत कराना चाहता हूॅ कि राज्य में बिहार के मुख्यमंत्री जी द्वारा 6659 ग्रामीण क्षेत्रों में शिलान्यास किया गया है । जिन माननीय सदस्यों को लगता है कि मेरे क्षेत्र में खेल मैदान निर्माण नहीं हो रहे हैं, अगर वहां पर जमीन उपलब्ध है, अगर माननीय सदस्य लिखकर दे देंगे तो वहां भी खेल मैदान ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए किया जायेगा ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, बैठ जाईए । अगर सब लोग खड़ा होकर बोलियेगा तो क्या होगा । बैठ जाईए पहले । पूरी बात सुनते नहीं है, बैठ जाईए ।

श्री मो0 नेहालउद्दीन : माननीय मंत्री जी ने कहा कि जमीन उपलब्ध करा दीजियेगा, सरकार की जिम्मेदारी है कि स्कूल की जमीन को या स्टेडियम की जमीन को उपलब्ध कराने का, यह काम जनप्रतिनिधि का नहीं है । आप उपलब्ध करायेंगे कि नहीं ?

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, 6659 जगह जमीन उपलब्ध हुआ है तभी वहां पर शिलान्यास किया गया है और काम भी शुरू किया गया है । मैंने अनुरोध किया है माननीय सदस्यों से कि अगर आपको लगता है कि मेरे क्षेत्र में कोई ऐसा खेल मैदान छूटा हुआ है तो उसको भी हम प्राथमिकता देकर के उसमें शामिल करेंगे।

श्री मो0 नेहालउद्दीन : उसमें हमारे यहां का कितना है ?

अध्यक्ष : बैठिए, अब हो गया । अगर आपको लग रहा है कि कुछ बचा हुआ है तो आप लिखकर दे दीजिए, उसको करायेंगे, कह तो रहे हैं माननीय मंत्री जी ।

तारांकित प्रश्न सं0–99 (श्री श्यामबाबू प्रसाद यादव,पिपरा)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न सं0–100(श्री गुंजेश्वर साह, महिषी)

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : उत्तर कंडिका–(क),(ख), (ग) ।

वस्तुस्थिति यह है कि महिषी विधान सभा क्षेत्रा का सत्तर कटैया एवं नवहट्टा प्रखंड सहरसा जिले के सहरसा सदर अनुमंडल के क्षेत्रान्तर्गत है । सहरसा सदर अनुमंडल के क्षेत्रान्तर्गत है । सहरसा अनुमंडल में पूर्व से एम0एल0टी0 कॉलेज, सहरसा, आर0झा0 महिला कॉलेज, सहरसा, आर0एम0 कॉलेज, सहरसा, एस0एन0एस0आर0के0एस0 कॉलेज, सहरसा अंगीभूत महाविद्यालय के रूप में संचालित हो रहे हैं ।

अतः सत्तर कटैया एवं नवहट्टा में डिग्री कॉलेज स्थापित करने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है ।

अध्यक्ष : पूरक पूछिए ।

(व्यवधान)

श्री गुंजेश्वर साह : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्राप्त है । लेकिन एक समस्या है कि हमारा जिला, अनुमंडल, कमीश्नरी एक ही है और उसमें कई विधान सभा है । हमारा जो क्षेत्र है महोदय, वह कोसी पीड़ित क्षेत्र है । तटबंध के अन्दर और बाहर, दरभंगा तक के लोग नौहट्टा प्रखंड ....

अध्यक्ष : पूरक पूछिए ।

श्री गुंजेश्वर साह : महोदय, मेरा आपसे निवेदन है, मेरा आग्रह होगा कि अब जो नया नियम बना है कि हरेक प्रखंड में कॉलेज बनेगा तो मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करते हैं कि इस कोसी पीड़ित एरिया को प्राथमिकता में रखा जाय।

तारांकित प्रश्न सं0–101(श्री मनोज यादव, बेलहर)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न सं0–102 (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, आरा)

(लिखित उत्तर)

श्री सुनील कुमार, मंत्री : वस्तुस्थिति यह है कि बिहार पंचायत/नगर प्रारंभिक शिक्षक (नियोजन एवं सेवा शर्त्त) नियमावली, 2006 एवं बिहार पंचायत/नगर प्रारंभिक शिक्षक (नियोजन एवं सेवा शर्त्त) संशोध्न नियमावली, 2008 के आलोक में शिक्षकों की एक ही कोटि थी, जिन्हें वर्ग 01 से 05 एवं वर्ग 06 से 08 तक पढ़ाने हेतु नियोजित किए गए थे तथा मूल कोटि का ही पद सृजित किये गये थे । इन नियमावलियों के तहत ही स्थानीय निकायों द्वारा वैसे मध्य विद्यालय, जहां केवल 6 से 8 तक ही कक्षा संचालित होता है, में मूल कोटि के शिक्षक ही नियोजित किये गये थे । तत्पश्चात् पंचायत/नगर प्रारंभिक शिक्षक (नियोजन एवं सेवा शर्त्त) नियमावली, 2012 में स्नातक ग्रेड में पद सृजन किया गया और नवसृजित पद पर नियोजन की कार्रवाई सर्वप्रथम उक्त अधिसूचित नियमावली के आलोक में की गयी तथा पूर्व से नियोजित सभी शिक्षक को बेसिक ग्रेड (मूल कोटि) के शिक्षक के रूप में मान्यता दी गयी । यह भी अंकनीय है कि बेसिक ग्रेड के शिक्षक एवं स्नातक ग्रेड के शिक्षक का अर्हत्ता एवं वेतनमान अलग–अलग है ।

उल्लेखनीय है कि वैसे मध्य विद्यालय जहां केवल 6 से 8 तक ही कक्षा संचालित होता है, में कार्यरत बेसिक ग्रेड के स्थानीय निकाय शिक्षकों द्वारा सक्षमता परीक्षा हेतु वर्ग 6 से 8 के शिक्षक के रूप में आवेदन किया गया, जबकि उन्हें बेसिक ग्रेड (1–5) के शिक्षक के रूप में आवेदन कर कक्षा 1–5 के लिए आयोजित सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण करना चाहिए था । इसी पृष्ठभूमि में विभागीय पत्रांक 07/विविध181/2024–2452 दिनांक 31.12.2024 के माध्यम से इन शिक्षकों का योगदान तत्काल स्थगित रखा गया है ।

चूँकि इन शिक्षकों ने सक्षमता परीक्षा पास कर लिया है, ऐसे में इन्हें बेसिक ग्रेड (1–5) के शिक्षक के सापेक्ष विशिष्ट शिक्षक (1–5) के पद पर योगदान कराने हेतु विभाग द्वारा विचार किया जा रहा है ।

अध्यक्ष : माननीय अमरेन्द्र बाबू, आप पूरक पूछिए ।

श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह : महोदय, उत्तर प्राप्त है । परन्तु यह अपने आप में वही प्रश्न बन गया है ।

अध्यक्ष : अमरेन्द्र बाबू, आपका प्रश्न भी पढ़ा है और उत्तर भी पढ़ा है । पूरक पूछिए ।

श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह : पूरक ही पूछ रहे हैं । इसमें पूछना है कि क्या माननीय मंत्री शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मध्य विद्यालय

उदवंतनगर, जिला–भोजपुर जहां केवल वर्ग–6 से 8 तक की कक्षायें संचालित होती है ?

अध्यक्ष : माईक पर बोलिए अमरेन्द्र बाबू ।

श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह : महोदय, मध्य विद्यालय ही है, वर्ग 6 से 8 तक ही पढ़ाई होती है, विभाग ने इसकी सूचना माननीय मंत्री महोदय को नहीं दी है । मूल कोटि 01 से 8 तक वर्ष 2012 से पूर्व प्रभावती सिंह समेत चार शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी, जिसमें से एक शारीरिक शिक्षक है महोदय, मैं माननीय मंत्री को प्रश्न के साथ–साथ यह भी सूचना दे रहा हूँ कि चारों शिक्षकों को वर्ग–6 से 8 हेतु आयोजित सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण होने के उपरान्त नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा चुका है । महोदय, ...

अध्यक्ष : पूरक पूछिए अमरेन्द्र बाबू ।

श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह : प्रश्न के उत्तर में आपके द्वारा जो उत्तर दिया गया है, उपरोक्त सभी शिक्षकों को विशेष शिक्षक पद पर योगदान कराने हेतु विचार किया जा रहा है तो केवल एक शारीरिक शिक्षक उन चार में से सिर्फ एक शारीरिक शिक्षक को योगदान हेतु .....

अध्यक्ष : पूरक क्या है, आप क्या पूरक पूछना चाहते हैं ?

श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह : महोदय, प्रश्न है योगदान कराने का, सिर्फ बोलने से नहीं न होगा, न उनको वेतन मिल रहा है, न उनको योगदान करा रहे हैं, केवल यह कह देने से कि कराया जा रहा है, महोदय, वर्षों से यह मामला लंबित है, योगदान क्यों नहीं कराया जा रहा है, केवल एक का किये हैं, चार का स्पेशीफिक सवाल है ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी को बोलने दीजिए ।

श्री सुनील कुमार, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, वरीय सदस्य ने जो अपनी चिन्ता जाहिर की है, वैसे तो हमलोगों ने जेनरल निर्देश दे रखा है लेकिन उस स्कूल में अगर इस तरह की दिक्कत है तो इसको हम आज ही एसेम्बली के बाद इसकी समीक्षा कर लेंगे और जो कमी रहेगी, उसको हमलोग पूरा करेंगे ।

अध्यक्ष : ठीक है ।

श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह : महोदय, हम इसका कमीटमेंट चाहते हैं, उनका सब हो गया है, उनका चयन हो गया है ....

श्री सुनील कुमार, मंत्री : हमने कहा है कि आज एसेम्बली के बाद इनकी जो चिन्ता है, उसको लेकर के आज ही उसपर ध्यान देंगे । आज इसकी समीक्षा कर लेंगे, उसके बाद तत्काल हम आदेश देंगे ।

टर्न–7 / पुलकित / 04.03.2024

अध्यक्ष : अब प्रश्नोत्तर काल समाप्त हुआ । जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों, उन्हें सदन पटल रख दिया जाए ।

अब कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचना ली जायेगी ।

माननीय सदस्यगण, आज दिनांक 04 मार्च, 2025 के लिए निम्न माननीय सदस्यों से कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचनायें प्राप्त हुई हैं :–

(1) श्री रणविजय साहू, स0वि0स0, श्री अख्तरूल इस्लाम शाहीन, स0वि0स0, श्री सउद आलम, स0वि0स0, श्री रामबली सिंह यादव, स0वि0स0, श्री भूदेव चौधरी, स0वि0स0, श्री मुकेश कुमार यादव, स0वि0स0, श्री अजय कुमार, स0वि0स0, श्री मुहम्मद इजहार असफी, स0वि0स0, श्रीमती मंजु अग्रवाल, स0वि0स0, श्री सत्यदेव राम, स0वि0स0, श्री कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव, स0वि0स0, श्री विजय कुमार, स0वि0स0, श्री समीर कुमार महासेठ, स0वि0स0 एवं श्री अजीत कुमार सिंह, स0वि0स0 ।

(2) श्री अजीत शर्मा, स0वि0स0 ।

आज दिनांक 04.03.2025 को सदन में माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद–विवाद एवं सरकार का उत्तर का कार्यक्रम निर्धारित है ।

अतएव, बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य–संचालन नियमावली के नियम–6(3) एवं 47(2) के तहत नियमानुकूल नहीं रहने के कारण कार्यस्थगन प्रस्ताव की सभी सूचनाओं को अमान्य किया जाता है ।

(व्यवधान)

अब शून्यकाल लिये जायेंगे ।

श्री अख्तरूल इस्लाम शाहीन : अध्यक्ष महोदय, बिहार विधान सभा में आरक्षण बिल पास हुआ था. ....

श्री समीर कुमार महासेठ : अध्यक्ष महोदय, आपका संरक्षण चाहिए...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप बैठ जाइये । शोरगुल कीजिएगा तो कुछ नहीं सुना जाएगा । अवध विहारी बाबू कुछ कह रहे हैं । आपलोग बैठ जाइये, इनको बोलने दीजिए।

श्री अवध विहारी चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि जो कार्यस्थगन हैं, आप केवल कार्यस्थगन प्रस्ताव की सूचना को पढ़वा दीजिए ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : ठीक है । एक साथ शोर कीजिएगा तो कैसे होगा ? श्री रणविजय साहू अपना कार्यस्थगन पढ़िये ।

श्री रणविजय साहू : महोदय, बिहार में महागठबंधन की सरकार द्वारा जातीय आधारित गणना का कार्य कराया गया था । जातीय आधारित गणना की रिपोर्ट के आलोक में विभिन्न जातियों की जनसंख्या एवं उसकी सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति के आधार पर वर्ष 2023 में विधेयक पारित कर आरक्षण की सीमा 65 प्रतिशत की गयी थी । इसमें आर्थिक रूप से कमजोर स्वर्णों को दिये गये 10 प्रतिशत आरक्षण के फलस्वरूप बिहार में सरकारी नौकरी एवं संस्थानों में नामांकन के लिए कुल 75 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था । महागठबंधन की सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय का लाभ समाज के पिछड़े, अति पिछड़े, दलित एवं दबे–कुचले कमजोर वर्गों के साथ–साथ आर्थिक रूप से कमजोर स्वर्णों को भी मिल रहा था ।

महागठबंधन की सरकार द्वारा बिहार विधान सभा में 09 नवम्बर, 2023 को इसके लिए विधेयक लाया गया था तथा दोनों सदनों से पारित कराकर इसे कानून का रूप दे दिया गया था । लेकिन इस कानून को भारतीय संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं किये जाने के कारण रद्द कर दिया गया है जबकि तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण पिछले 35 सालों से लोगों को मिल रहा है । तमिलनाडु की सरकार द्वारा विधान सभा से पारित प्रस्ताव के आलोक में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री पी0वी0 नरसिम्हा राव के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल दिया था, जिसके कारण वहां आज भी बढ़ा हुआ आरक्षण का लाभ लोगों को मिल रहा है। बिहार में पुनः नये आरक्षण विधेयक पारित कराकर कम से कम कुल 85 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान कर संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना राज्यहित में आवश्यक है ।

अतः दिनांक– 04.03.2025 के सारे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को स्थगित कर बिहार में इस आरक्षण कानून को पारित करा के नौवीं अनुसूची में शामिल करने जैसे अति लोक महत्व के विषय पर विमर्श हो ।

श्री अजीत शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने लिखा था कि आज के लिए सूचीबद्ध सभी कार्यों को स्थगित कर राज्य में ध्वस्त हो चुकी विधि व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा हो।

उल्लेखनीय है कि राज्य में प्रत्येक दिन दर्जनों हत्या, लूट, बलात्कार, छिनतई, डकैती आदि घटनाएं घट रही हैं । पुलिस प्रशासन शराब और बालू से वसूली में व्यस्त है । इस तरह की प्रशासनिक शिथिलता के कारण घट रही घटनाओं की वजह से बिहार के लोगों के मन में भय समा गया है और वे अपने को घरों में भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं । राज्य का अमन–चैन समाप्त हो गया है ।

इसलिए आपसे आग्रह है कि आज के लिये सूचीबद्ध सभी कार्यों को स्थगित कर राज्य में ध्वस्त हो चुकी विधि व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करायी जाए ।

अध्यक्ष : अब शून्यकाल लिये जायेंगे ।

(व्यवधान)

अब इसपर महोदय मत कहिये । माननीय सदस्य श्री मुकेश कुमार यादव ।

(व्यवधान)

श्री सत्येदव रामः महोदय, आरक्षण का मुद्दा है, बिहार के गरीबों के साथ अन्याय हुआ है।

शून्यकाल

अध्यक्ष : मुकेश जी शून्यकाल नहीं पढ़ना है क्या ? मुकेश जी अपना शून्यकाल पढ़िये अगर नहीं पढ़ियेगा तो मैं आगे बढ़ जाऊंगा ।

(व्यवधान)

(माननीय सदस्य श्री मुकेश कुमार यादव द्वारा शून्यकाल की सूचना नहीं पढ़ी गयी ।)

अध्यक्ष : मुहम्मद इजहार असफी । असफी जी बोलिये ।

मुहम्मद इजहार असफी : महोदय, बिहार में डोमिसाईल नीति लागू नहीं होने के कारण शिक्षक भर्ती में बिहार से बाहर के अभ्यर्थियों का चयन बड़े पैमाने पर हुआ । जिससे बिहार के अभ्यार्थियों में काफी आक्रोश है ।

अतः मैं सरकार से डोमिसाईल नीति लागू करने की मांग करता हूँ ताकि बिहार के अभ्यार्थियों को न्याय मिल सके ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अवध विहारी बाबू, आपने कहा कि कार्यस्थगन पढ़वा दीजिए तो हमने कार्यस्थगन पढ़वा दिया । अब उसके बाद फिर ऐसा दृश्य उत्पन्न कीजिएगा तो आगे से हम पढ़वाने का क्या विचार करेंगे, अब आप ही बता दीजिए ।

माननीय सदस्य श्री इजहारूल हुसैन ।

(व्यवधान)

अपने–अपने स्थान पर बैठिये । माननीय सदस्य श्री इजहारूल हुसैन ।

श्री अवध विहारी चौधरी : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने हमारी बात को स्वीकार किया इसके लिए आपको बहुत–बहुत धन्यवाद ।

श्री इजहारूल हुसैन : माननीय अध्यक्ष महोदय, किशनगंज अंतर्गत मेडिकल कॉलेज नहीं रहने के कारण....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : इजहारूल हुसैन साहब आप बैठ जाइये । माननीय मंत्री जी कुछ कह रहे हैं ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अभी भाई वीरेन्द्र जी ने मेरे बारे में कहा कि वे मुस्कुरा रहे हैं । हम मुस्कुरा तो जरूर रहे थे, मुस्कुरा रहे थे इस बात पर कि सरकार को आज एक नुस्खा मिल गया है । नुस्खा यह मिला है कि आसन जब कोई बात नहीं मानता है या आसन को कोई बात उचित नहीं लगती है और जब हमारे पूर्व अध्यक्ष, अवध

विहारी बाबू आसन से निवेदन कर देते हैं तो आसन इसे स्वीकार कर लेता है और स्वीकार करता है इस हद तक कि जो सदस्य अपना प्रस्ताव नहीं भी पढ़ना चाहते हैं उनको स्मारित करके उनसे प्रस्ताव पढ़वाया जाता है तो सरकार ने संज्ञान लिया है आगे से सरकार को भी आसन से कोई अपेक्षा होगी तो हमलोग अवध विहारी बाबू की सेवा जरूर उपयोग करेंगे ।

श्री अवध विहारी चौधरी : माननीय मंत्री जी, यह सभा जो हैं इसके कर्ता–धर्ता, इसके रक्षक आसन हैं इसलिए मैंने आसन से कहा और मामले जनहित के थे इसलिए आसन ने मेरी बात को स्वीकार किया और पढ़वाया तो मैंने आसन को धन्यवाद दिया ।

अध्यक्ष : ठीक है, ये तीनों वही लोग हैं । एक बैठे हुए हैं और दो पूर्व हैं तीनों वही हैं ।

(व्यवधान)

आप बैठ जाइये । अब नहीं, आपको मौका जब यहां बैठने का मिल जाएगा तब बोलियेगा ।

माननीय सदस्य श्री इजहारूल हुसैन । बोलिये ।

श्री इजहारूल हुसैन : अध्यक्ष महोदय, किशनगंज अंतर्गत मेडिकल कॉलेज नहीं रहने के कारण किशनगंज जिले के छात्र–छात्राओं को साईंस की शिक्षा लेने दरभंगा या पटना जिला में जाना पड़ता है, जिसके कारण समय एवं आर्थिक हानि होती है।

अतः किशनगंज जिले में मेडिकल कॉलेज खोलवाने की मांग सरकार से करता हूँ ।

टर्न–8 / अभिनीत / 04.03.2025

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अख्तरूल ईमान ।

श्री अख्तरूल ईमान : माननीय अध्यक्ष महोदय, पूर्णिया जिलांतर्गत अमौर प्रखंड के ग्राम ढरिया में गत वर्ष गुणवत्तापूर्वक एवं मानक के अनुसार संवेदक द्वारा पर्कोपाईन का कार्य नहीं कराया गया है ।

अतः मैं कार्य की गुणवत्ता में जांच एवं संवेदक के विरूद्ध कार्रवाई की मांग करता हूं ।

श्री मो0 अंजार नईमी : अध्यक्ष महोदय, किशनगंज जिलांतर्गत प्रखंड टेढ़ागाछ पूर्व से ही शैक्षणिक स्तर से काफी पिछड़ा है । जहां न ही कोई डिग्री कॉलेज है, न ही महिला कॉलेज, ऐसे में ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम आवासीय विद्यालय का भी नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है ।

मैं सरकार से टेढ़ागाछ में ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम विद्यालय खोलने की मांग करता हूं ।

श्री सउद आलम : अध्यक्ष महोदय, किशनगंज जिलांतर्गत सुखानी से दल्लेगांव जाने वाली सड़क मेंची नदी पर निर्माणाधीन पुल के निकट नदी की धारा बदलने से पुल का दो अतिरिक्त स्पेन बढ़ाने की आवश्यकता है ।

इसे स्वीकृति देने एवं निर्माण कार्य पूरा करने की मैं सरकार से मांग करता हूं ।

श्रीमती मंजू अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, गया जिलांतर्गत प्रखंड आमस, शेरघाटी एवं डोभी में आवास सर्वे के नाम पर आवास सहायकों द्वारा ग्रामीणों से अवैध पैसों की मांग की जा रही है । पैसा नहीं देने पर नाम हटाने की धमकी दी जा रही है ।

अतः ऐसे आवास सहायकों पर विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग करती हूं ।

श्री अजय कुमार : अध्यक्ष महोदय, बिहार में रसोइयों का मानदेय मात्र 1650 रुपये है, जबकि केरल में 12000, हरियाणा–7000, मध्यप्रदेश में 4000 हजार रुपये मानदेय मिलता है । वर्ष 2020 के बाद मानदेय में कोई वृद्धि नहीं की गई है ।

मैं केरल के तर्ज पर बिहार में भी रसोइयों का मानदेय 12000 रुपये करने की मांग करता हूं ।

श्री महानंद सिंह : महोदय, अरवल प्रखंड के गोपाल बिगहा एवं कलेर प्रखंड के जनसंहार पीड़ित गांव शंकर बिगहा के सामने रूप सागर बिगहा गांव के पास ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा प्रस्तावित पटना मुख्य सोन नहर पर पुल निर्माण कराने की मांग करता हूं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री पवन कुमार जायसवाल

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

माननीय सदस्य श्री गोपाल रविदास ।

श्री गोपाल रविदास : महोदय, बिहार में 65 परसेंट आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में दर्ज कराने और बिहार सरकार इसके लिए संसद से कानून पारित कराने का प्रस्ताव सदन के माध्यम से केन्द्र को भेजने की मांग करता हूं ।

श्री अजीत कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, बिहार के सभी वृद्ध जनों, दिव्यांगों और विधवा महिलाओं को 3000 रुपये प्रति माह पेंशन देने की मांग सरकार से करता हूं ।

श्री रामबली सिंह यादव : महोदय, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत स्वच्छता कर्मी एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक को नियमित करते हुए सेवा अवधि 60 वर्ष तथा मानदेय क्रमशः 15000 तथा 20000 करने के साथ ही अन्य सभी संस्थाओं में कार्यरत सफाई कर्मियों का मानदेय 20000 रुपये करने की मांग करता हूं ।

श्री विजय कुमार : अध्यक्ष महोदय, शेखपुरा जिलांतर्गत अरियरी प्रखंड के हजरतपुर मड़रो पंचायत के ग्राम मड़रो, वृंदावन, लक्ष्मीपुर, चाँदी, रंका, लालू विगहा, उसरी, समुरन टोला, पथरैटा, रौंदी में नल–जल फेल रहने के कारण पानी की समस्या से त्राहिमाम है ।

अतः वर्णित गांव में यथाशीघ्र नल–जल ठीक कराने हेतु राज्य सरकार से मांग करता हूं ।

श्री सत्यदेव राम : महोदय, बिहार में ढ़ाई लाख गरीब महिलाएं स्कूल रसोइया हैं । मात्र 1650 रुपये मासिक वेतन पर काम करने को मजबूर हैं । सरकार ने खाना आपूर्ति एन0जी0ओ0 को सौंप दी जिससे नौकरी असुरक्षित हो गई ।

विद्यालय रसोइया को न्यूनतम मजदूरी कानून लागू करने एवं एन0जी0ओ0 को बाहर करने की मांग करता हूं ।

श्री वीरेन्द्र प्रसाद गुप्ता : महोदय, बिहार के ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिये माइक्रोफाइनेन्स कंपनियों का समूह कर्ज मौत का फंदा बनते जा रहा है । परिवार के साथ सामूहिक आत्महत्या करने, गांव छोड़ने जैसी घटनायें घट रही हैं । समूह लोन माफ करने, महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह देने की मांग करता हूं ।

श्री सूर्यकान्त पासवान : महोदय, बेगूसराय जिला के बखरी विधानसभा अंतर्गत महिला महाविद्यालय नहीं है जिससे छात्राओं को नामांकन हेतु दूर–दराज जाना पड़ता है ।

अतः महिला महाविद्यालय बनाने की मांग सरकार से करता हूं ।

श्री अमरजीत कुशवाहा : महोदय, बिहार में जीविका परियोजना ने महिला सशक्तिकरण का अलख जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । समूह के जीविका कैडर एवं जीविका दीदी को पहचान पत्र मानदेय कन्ट्रिब्यूशन सिस्टम पर रोक लगाने, नियुक्ति पत्र, मानदेय 25 हजार रुपये तथा नियमित करने की मांग करता हूं ।

श्री ललित नारायण मंडल : महोदय, भागलपुर जिले के सुल्तानगंज प्रखंड के गनगनियां पंचायत के बेलहरनी नदी में एक यातायात पुल निर्माण कराने की मांग सदन के माध्यम से सरकार से करता हूं ।

श्रीमती प्रतिमा कुमारी : महोदय, वैशाली के सहदेई बुजुर्ग प्रखंड के बाजितपुर चकस्तुरी पंचायत के वार्ड–06 के रिहायशी क्षेत्र में बिजली दुर्घटनाओं से बचाव हेतु मो0 खुर्शीद मंसूरी और सहाना खातून के घर के सटे लगे ट्रांसफॉर्मर को हटाकर अन्यत्र स्थल पर लगाने की मांग सरकार से करती हूं ।

श्री रणविजय साहू : महोदय, समस्तीपुर जिला के पटोरी प्रखंड अंतर्गत दरबा पंचायत में अवस्थित बाबाकेवल महाराज आई0टी0आई0 कॉलेज पटोरी, समस्तीपुर, बिहार के नाम से दरबा नहीं रहने से छात्र भटक कर 15 कि0मी0 दूर पटोरी बाजार पहुंच जाते हैं ।

अतः छात्र हित में कॉलेज के नाम में दरबा जोड़ने की मांग करता हूं ।

श्री कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव : महोदय, जहानाबाद नगर परिषद क्षेत्र के बीचोंबीच दरधा नदी गुजरती है । एक बहुत बड़ी आबादी अल्संख्यकों की है । बरसात के दिनों में चिकित्सा या बाजार में आने के लिए काफी दूर घुम कर आना पड़ता है । सरकार से फूट ओवर ब्रिज बनाने की मांग करता हूं ।

श्री मिश्री लाल यादव : महोदय, दिनांक–03.03.2025 को दरभंगा जिला के अलीनगर प्रखंड के ग्राम अन्दौली मुसहर टोल में भीषण आग लगने से मल्लाह समाज के 30 घर जल कर राख हो गये ।

अतः सभी अग्निपीड़ित परिवारों को पक्का मकान एवं मुआवजा देने की मांग सरकार से करता हूं ।

श्री शमीम अहमद : महोदय, 1978 में पूर्वी चंपारण जिले के मधुबन से लेकर पश्चिम चंपारण के चनपटिया तक सिकरहना पदी के दायें तट पर बांध बनने का कार्य शुरू कर दिया गया है जिससे लाखों लोगों की जान–माल की क्षति होगी । तत्काल कार्य को रोकते हुए फिर से सर्वे करायी जाय ।

टर्न–9 / हेमन्त / 04.03.2025

श्री भूदेव चौधरी : माननीय अध्यक्ष महोदय, बांका जिलान्तर्गत धोरैया प्रखंड के ग्राम हसाय से ललसइया तक लगभग तीन किलोमीटर सड़क कच्ची है । इस सड़क से दर्जनों गांव का आवागमन है । बरसात के दिनों में आमजनों को काफी दिक्कत होती है ।

अतः जनहित में उक्त सड़क को अविलंब कालीकरण कराने की मांग सरकार से करता हूं ।

श्री समीर कुमार महासेठ : अध्यक्ष महोदय, मधुबनी जिलान्तर्गत मधुबनी शहर में मेट्रो रेल चलाये जाने की व्यवस्था हेतु भारत सरकार से पहल किये जाने की मांग करता हूं ।

अध्यक्ष : श्रीमती रश्मि वर्मा ।

(माननीय सदस्या अनुपस्थित)

आप क्या सूचना दे रहे थे विजय जी ।

(व्यवधान)

वह नहीं होगा, वह परंपरा नहीं शुरू कीजिए । मुकेश जी, यह परंपरा नहीं शुरू कर सकते हैं । कहने के बाद भी नहीं पढ़िये और उसके बाद कहें कि मुझे पढ़ाइये, यह नहीं हो सकता है । यह संभव नहीं है, प्लीज ।

(व्यवधान)

यह नहीं होगा, यह परंपरा ठीक नहीं है । सुनिये ललित बाबू, यहां कोई बैठे, लोग बदलते रहते हैं, यह परंपरा ठीक नहीं है । यह नियम के खिलाफ है । आप नहीं बोलिये और फिर दोबारा आपको बोलने दिया जाय, यह उचित नहीं है ।

(व्यवधान)

सुनिये न, मुकेश जी का तो हम विशेष ध्यान रखते हैं, आपको पता नहीं है । दो दिन इनका लगातार ध्यानाकर्षण आया, एक बार भी आये मेरे चेंबर में कहने के लिए ? नहीं आये कहने के लिए, तब भी इनका लिया, क्यों ? विशेष हैं । लेकिन नियम के खिलाफ हम नहीं काम करेंगे । प्लीज ।

(व्यवधान)

आज तो होगा ही नहीं । आज किसी भी कीमत नहीं होगा, आज तो होगा ही नहीं । आप बैठ जाइये, आपको नहीं बोलने देंगे । आपने मेरे आदेश का उल्लंघन किया । बोलिये विजय जी ।

श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सूचना के लिए खड़ा हुआ हूं । नवीनगर थाना के अंदर प्रमोद साह नाम के व्यक्ति को पुलिस के द्वारा पुलिस थाने के अंदर में इस हद तक टॉर्चर किया गया कि उसकी मृत्यु थाना परिसर के अंदर में, हाजत के अंदर में हो गयी ।

अध्यक्ष : आपने जो सूचना दी है वह पढ़िये, भाषण नहीं ।

श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह : महोदय, भाषण नहीं है । यही सूचना है ।

अध्यक्ष : बैठ जाइये ।

अब ध्यानाकर्षण सूचनाएं ली जायेंगी ।

ध्यानाकर्षण सूचनाएं तथा उस पर सरकारी वक्तव्य

सर्वश्री मुकेश कुमार यादव, समीर कुमार महासेठ एवं अन्य तीन सभासदों से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उस पर सरकार (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग) की ओर से वक्तव्य

अध्यक्ष : श्री मुकेश कुमार यादव अपनी सूचना को पढ़ें ।

श्री मुकेश कुमार यादव : अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में घोड़परास (नीलगाय) की संख्या तीन लाख से ऊपर हो चुकी है और राज्य में 34 जिलों में घोड़परासों द्वारा आतंक का कहर बरपाया जा रहा है । जिससे किसान त्राहिमाम कर रहे हैं, मधेपुरा, बांका, किशनगंज एवं कटिहार जिला को छोड़कर अन्य सभी जिलों में इनकी पहुंच हो चुकी है । बेगूसराय, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, गया, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, बक्सर, गोपालगंज, मधुबनी, पटना, हाजीपुर, समस्तीपुर, सारण आदि जिलों में इनकी संख्या 15 हजार से 30 हजार के बीच हो चुकी है । किसानों की फसल नुकसान के साथ–साथ जान माल का भी नुकसान किया जा रहा है ।

अतः इन घोड़परासों से सुरक्षा हेतु हम सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हैं ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : महोदय, समय चाहिए ।

श्री अरूण शंकर प्रसाद, श्री हरीभूषण ठाकुर ''बचोल'' एवं श्री सुधांशु शेखर, स0वि0स0 से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उस पर सरकार (स्वास्थ्य विभाग) की ओर से वक्तव्य।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अरूण शंकर प्रसाद अपनी सूचना को पढ़े ।

श्री अरूण शंकर प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, होमी भाभा कैंसर अस्पताल व अनुसंधान केंद्र के द्वारा मुजफ्फरपुर के विभिन्न इलाकों में डॉक्टर एवं कर्मचारियों के माध्यम से वर्ष 2019–21 में जनसंख्या आधारित कैंसर निबंधन सर्वे कराया गया था । इसकी रिपोर्ट चौंकाने वाली आयी है । सर्वे के मुताबिक गृहिणियों में 45 फीसदी, किसान 12.7 फीसदी, सरकारी कर्मचारियों में 9.7 फीसदी, निजी क्षेत्र में काम करने वाले 4.4 फीसदी लोग इस कैंसर बीमारी के शिकार हैं । कैंसर बीमारी की चपेट में आने वालों में 3.6 फीसदी छात्र, दुकान चलाने वाली महिला–पुरूष मिलाकर 6.1 फीसदी कैंसर बीमारी से ग्रसित हैं । सर्वे निबंधन में शामिल 30 फीसदी ऐसे लोग कैंसर के शिकार मिले जो निरक्षर हैं । इसके अलावे कॉलेज जाने वाले 19.7 फीसदी, छात्र–छात्राएं भी इस बीमारी के शिकार हैं । जानकारी के अभाव में कई लोग कैंसर का इलाज नहीं करा रहे हैं ।

अतः इस बीमारी की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाने तथा इस रोग को नियंत्रित करने हेतु हम सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हैं ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : महोदय, समय चाहिए ।

सभा मेज पर कागजात का रखा जाना

अध्यक्ष : प्रभारी मंत्री, वाणिज्य–कर विभाग ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 394 के तहत जी0एस0टी0एन0 की वित्तीय वर्ष 2023–24 के वार्षिक प्रतिवेदन की प्रति को सभा पटल पर रखता हूं ।

अध्यक्ष : प्रभारी मंत्री, जल संसाधन विभाग ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 की धारा–45 के आलोक में बिहार की निर्दिष्ट बांधों की सुरक्षा स्थिति का वित्तीय वर्ष 2023–24 के वार्षिक प्रतिवेदन की हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रति को सभा पटल पर रखता हूं ।

अध्यक्ष : प्रभारी मंत्री, समाज कल्याण विभाग ।

श्री मदन सहनी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग, पटना का वित्तीय वर्ष 2022–2023 एवं 2023–2024 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति को सदन पटल पर रखता हूं ।

अध्यक्ष : प्रभारी मंत्री, पथ निर्माण विभाग ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, मैं बिहार पथ निर्माण विभाग अमीन संवर्ग (क्षेत्रीय स्थापना) (भर्ती एवं सेवाशर्त) नियमावली, 2017 एवं पथ निर्माण विभाग अमीन संवर्ग (क्षेत्रीय स्थापना) (भर्ती एवं सेवाशर्त) (संशोधन) नियमावली, 2020 की एक–एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं ।

अध्यक्ष : प्रभारी मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबन्धन संवर्ग नियमावली, 2021 की एक प्रति को सभा पटल पर रखता हूं ।

अध्यक्ष : प्रभारी मंत्री, परिवहन विभाग ।

श्रीमती शीला कुमारी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं मोटर वाहन करारोपण अधिनियम, 1994 की धारा–31(3) के तहत अधिसूचना सं0–9185, दिनांक–20.07.2024 की एक प्रति सभा पटल पर रखती हूं ।

अध्यक्ष : मोटर वाहन करारोपण अधिनियम, 1994 की धारा–31(3) के तहत अधिसूचना सं0–9185, दिनांक–20.07.2024 की प्रति चौदह दिनों तक सभा पटल पर रखी रहेगी ।

अध्यक्ष : प्रभारी मंत्री, परिवहन विभाग ।

श्रीमती शीला कुमारी, मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, परिवहन विभाग के प्रभारी मंत्री के रूप में मैं मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा–212(3) के तहत अधिसूचना सं0–1744, दिनांक–04.03.2021; अधिसूचना सं0–2673, दिनांक–22.04.2021; अधिसूचना सं0–5996, दिनांक–21.09.2021; अधिसूचना सं0–6336, दिनांक–05.10.2021; अधिसूचना सं0–658, दिनांक–01.02.2022; अधिसूचना सं0–7997, दिनांक–20.10.2023; अधिसूचना सं0–9965, दिनांक–27.08.2024 एवं अधिसूचना सं0–12371, दिनांक– 26.09.2024 की एक–एक प्रति सभा मेज पर रखती हूं ।

अध्यक्ष : सभापति, प्रत्यायुक्त विधान समिति ।

श्री अजीत शर्मा (सभापति, प्रत्यायुक्त विधान समिति) : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम–211 के तहत सप्तदश बिहार विधान

सभा के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित विशेष प्रतिवेदन सं0–8 की प्रति सदन पटल पर रखता हूं ।

अध्यक्ष : अब सभा की कार्यवाही 02.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न–10 / धिरेन्द्र / 04.03.2025

(अंतराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सदन की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है । अब माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर दिनांक 03 मार्च, 2025 से जारी वाद–विवाद प्रारंभ होगा।

माननीय नेता विरोधी दल अपना पक्ष रखें । आपका समय 76 मिनट है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर मुझे बोलने का अवसर देने के लिए आपको धन्यवाद करता हूँ ।

हमको लगा कि सब सदस्य जो होंगे भाजपा, जदयू के और मुख्यमंत्री जी यहाँ बैठे होंगे ।

(व्यवधान)

अच्छा है, आ जाएं तो ज्यादा बेहतर होगा हम सब लोगों के लिए क्योंकि आज वर्ष 2005 से पहले कुछ था कहाँ, संसार की उत्पत्ति तो वर्ष 2005 के बाद हुई है । वर्ष 2005 के पहले की भी बात हम थोड़ा डिटेल और इतिहास उनको भी फिर से रिमाइंड कर दें, बहुत जरूरी था कि यहाँ सब सदस्य रहते और भाजपा के तो सदस्य दिख ही नहीं रहे हैं, दोनों उप मुख्यमंत्री भी नहीं दिख रहे हैं हालांकि उनको नहीं लगता है कि ये बजट सेशन जो है महत्वपूर्ण है या तो उनको लगता होगा कि आज बड़ी खिंचाई होने वाली है ।

महोदय, यही लोकतंत्र का मंदिर है, लोकतंत्र का मंदिर है विधान सभा । बहुत कम सत्र होता है, बजट सत्र तो सबसे लंबा सत्र, महत्वपूर्ण सत्र होता है और लोकतंत्र में लगातार ये मौजूदा सरकार संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने में लगी हुई है । ये बात जो है सच्चाई है, किसी से छिपी नहीं है । हमको तो लग रहा है कि पहली बार ऐसा होगा कि मुख्यमंत्री नहीं हैं, दोनों उप मुख्यमंत्री भी नहीं हैं जब नेता विरोधी दल बोल रहा हो । खैर कलेजा होना चाहिए सच सुनने का, तथ्य सुनने का तो उम्मीद है कि लोग कलेजा दिखायेंगे और यहाँ उपस्थित रहेंगे । हालांकि लोग दिख नहीं रहे हैं, इस पर ज्यादा हमको टीका–टिप्पणी करना नहीं है । वे लोग भी जानते हैं कि आज इन लोगों का भंडाफोड़ होने वाला है ।

अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब को तो जो स्पीच सरकार के अधिकारी द्वारा दिया जाता है, वही लिखा पढ़ते हैं और वर्ष 2024 का तो जब बजट पेश हुआ था तो हमारे वित्त मंत्री उस समय थे यहाँ उपस्थित हैं, इन्हीं को हर बार आगे कर दिया जाता है और इनको तो बखूबी याददाश्त, मेमोरी इनकी बहुत दुरूस्त रहती है और हम कामना भी करेंगे कि इनकी याददाश्त हमेशा दुरूस्त रहे ।

हमारे पास जो नये गवर्नर साहब बने हैं आरिफ मोहम्मद खां जी, उनका हम बिहार की सरजमीं पर स्वागत करते हैं । नये–नये बने हैं, कुछ लोग दे दिया होगा, पढ़ लिये होंगे । शायद उन्होंने पिछला बजट नहीं पढ़ा होगा कि पिछला बजट क्या था ? महोदय, ये बजट बहुत ही, अभिभाषण जो था राज्यपाल महोदय का, ये बड़ा कंफ्यूज्ड अभिभाषण जो है राज्यपाल का रहा । अब वर्ष 2015 से 2025, यानी 10 साल में अगर देखा जाय तो पाँच–पाँच गवर्नर बिहार को मिले हैं और वर्ष 2020 से 2025 में तीन बार सरकार बदली है । महोदय, तीन बार सरकार बनी है यानी एवरेज अगर निकाला जाय तो दो साल भी किसी सरकार का नहीं हो पाता है । अब आरिफ मोहम्मद खां जी का बजट है 28 फरवरी, 2025 और साथ में हम वही आपका, जो हमलोगों की सरकार थी उस समय राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर जी का जो अभिभाषण रहा 12 फरवरी को, उसका भी अभिभाषण हम यहाँ ले कर आये हैं या इससे पहले भी जितने राज्यपाल रहे होंगे सब का भाषण जो है एक जैसा ही पुराना घिसा–पिटा रहा । अब वे बता दें कि वर्ष 2005 का पढ़ रहे थे कि 2010 का पढ़ रहे थे या जब मांझी जी को बनाये उसका पढ़ रहे थे कि मांझी जी को हटा कर फिर बने उसका पढ़ रहे थे, कि 2015 वाला हमलोगों का पढ़ रहे थे जो उपलब्धियां थी, 2017 वाला पढ़ रहे थे, कि वर्ष 2021–22 वाला पढ़ रहे थे या 2024 वाला पढ़ रहे थे, लोग जो हैं कंफ्यूज्ड हैं । एक उदाहरण के तौर पर हम बता दें तो आप सब लोग, हमलोग तो उस समय कितना पद सृजन कराये सिपाही वाला में, शिक्षक वाला में, उसी में पुलिस वाला 2023 में जो सृजन हुआ था लगभग 02 लाख 27 हजार 873 पदों का सृजन किया गया है । ये मेरा भाषण नहीं है, ये आर्लेकर जी का भाषण है जब हमलोगों की सरकार थी । महोदय, हमारी उपलब्धि, हमलोगों की उपलब्धि को भी इस भाषण में जोड़ दिया गया है । नियोजित शिक्षकों को, ऐसे 15 योजनाओं से भी ज्यादा योजनाएं हैं जो हमलोगों का 2015 या तीन साल की जो सरकार रही उसकी उपलब्धियों को गिनाया गया तो ये पता ही नहीं चल रहा है महोदय कि ये बजट जो है, जो पेश किया गया है वह अलग है लेकिन अभिभाषण जो गवर्नर साहब का रहा इतना कंफ्यूज्ड रहा कि कोई, आप भी असमंजस में हैं, हम भी असमंजस में हैं, सब असमंजस में है । महोदय, ये बड़ा कंफ्यूज्ड अभिभाषण जो राज्यपाल महोदय का रहा । इस पर एक शायरी भी हम सुना देते हैं–

पुराने कागजों में उलझे तुम्हारे दिन और रात,
घड़ी देख कर भी भूल जाते हो हर मुलाकात ।

मैं सरकार से, माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ कि महामहिम को श्मशान के मंजर में विवाह का गीत न गवाया जाय । जो बिहार की स्थिति है, आप लोगों ने भी नीति आयोग का और अलग–अलग सर्वे, अलग–अलग एजेंसियों का रिपोर्ट आप लोगों के पास भी आता है । आज बिहार की स्थिति क्या है ? 20 सालों में आप लोगों ने बिहार के लिए क्या किया ? बहुत लोग बड़ी–बड़ी बातें करते हैं, पहले कुछ था, वर्ष 2005 के पहले कुछ था, क्या था, कुछ था क्या ? लेकिन हम एक–एक चीज का जवाब देने आये हैं आज यहां, आज यहां हम फालतू बात नहीं करने आये हैं, तथ्यों पर विथ डेटा हम बिहार की चर्चा करेंगे । वर्ष 2005 का लालू जी जब मुख्यमंत्री रहें उससे पहले का बिहार कैसा था, उनको सरकार किस हालत में मिली, लालू जी ने क्या किया और लालू जी के बाद जो आप लोगों का 20 साल का शासनकाल था उसकी सच्चाई जो है हम रखना चाहते हैं । अध्यक्ष महोदय, अब सम्राट चौधरी जी आ गए हैं, अभी कुछ दिन पहले हमने एक वीडियो देखा था जिसमें सम्राट चौधरी जी ने कहा था कि तेजस्वी पर मत बोलो लालू जी पर अटैक करो । ये तो हम ही लोग की पार्टी में थे, पहली बार हमारे पिता लालू जी ने ही इनको मंत्री बनाया था, बवाल मचा था, उसके बाद कितना ये पार्टी बदल लिये कोई ठीक नहीं, ये तो पाँच साल पुराना भाजपईया हैं असली आर॰एस॰एस॰ भाजपईया तो हैं नहीं । कल गले लगें मुख्यमंत्री जी बड़ा अच्छा लगा लेकिन हमको लगा कि एक और उप मुख्यमंत्री नहीं हैं श्री विजय सिन्हा जी, उनका खून जलाने के लिए ये लोग गले लग रहे थे । व्याकुल मत होइये, जब वे स्पीकर थे तब बोलते थे और मुख्यमंत्री जी थे तब स्पीकर पद पर श्री विजय सिन्हा जी थे तो क्या नोक–झोंक होती थी, वह हम सब लोगों ने देखा है तो महोदय,

कत्ल तो नहीं बदला, कत्ल की अदा बदली,
तीर की जगह कातिल शाज उठाये बैठा है ।

अध्यक्ष महोदय, हम यह बताना चाहते हैं कि श्री विजय सिन्हा जी यहां नहीं हैं, उनसे भी हम कुछ पूछना चाहते थे, जानना चाहते थे । उन्होंने अटल जी के जन्मदिन पर एक वक्तव्य बोला कि अटल जी....

(व्यवधान)

आ ही गए । अब विजय सिन्हा जी पीछे–पीछे कैसे रहेंगे, वे पहुँच गए तो ये भी पहुँच गए । पीछे रहने वाले थोड़े ही हैं, ये तो मजबूत आदमी हैं और मजबूती थोड़ा दिखाइये । अटल जी के जन्मदिन पर आपने बोला था न कि अटल जी का सपना तभी साकार होगी जब बिहार में बी॰जे॰पी॰ का मुख्यमंत्री होगा और सम्राट चौधरी जी

बोल दिये कि 15 साल और नीतीश जी काम करेंगे । एक डिप्टी सी॰एम॰ बोल रहे हैं कुछ और दूसरा डिप्टी सी॰एम॰ बोल रहे हैं कुछ तो थोड़ा तालमेल बनाकर चलिये और आपको तो वापस लेना पड़ा प्रेस कांफ्रेंस कर तीन घंटा के अंदर.....

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, एक मिनट नेता प्रतिपक्ष । ये शायद पूरी चीज को देखे–समझे हैं । वे श्रद्धेय अटल जी बोले थे कि जंगलराज अराजकता हटाना है तो कमल खिलाना है, सुशासन लाना है, एन॰डी॰ए॰ की सरकार बनानी है और नीतीश कुमार को सुशासन के लिए लाया गया ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : यहां आपने नहीं बोला था कि भाजपा का सी॰एम॰ होगा तभी सपना साकार होगा ? वीडियो है हमारे पास, सब लोग.....

(व्यवधान)

सदन में असत्य बोलते हैं । सदन में क्यों असत्य बोलते हैं ? लोकतंत्र का मंदिर है । आप टीका लगाये हैं, सनातनी आदमी हैं, असत्य बोलते हैं.....

(व्यवधान)

टर्न–11 / संगीता / 04.03.2025

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष जी...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : सनातनी असत्य नहीं बोलता है...

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : असत्य बोलने की जिम्मेदारी आपकी है...

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष...

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : विजय सिन्हा अपने पार्टी के पक्ष में पार्टी के घर के अंदर बात करता है, बाहर नीतीश कुमार सुशासन स्थापित करने के लिए आए और एन0डी0ए0 की सरकार बनी...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आप अपने समय पर बोलिएगा...

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : और टीका से इतना नफरत है तो टोपी पहन लीजिए। आपको टीका से बहुत नफरत है तो टोपी पहनिए ।

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता प्रतिपक्ष...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, हम...

अध्यक्ष : सुन लीजिए न...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : हम कोई अपशब्द नहीं बोल रहे हैं...

अध्यक्ष : सुन लीजिए न, यहां कोई झूठ नहीं बोलता है असत्य बोलता है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : चलिए, असत्य उसको कर दीजिएगा...

अध्यक्ष : बोलिए, अब आप अपनी बात आगे बढ़ाइए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : वापस ले लेते हैं असत्य जोड़ दिया जाय । अध्यक्ष महोदय, अब भाजपा के लोग कब तक पिछलग्गू बनकर रहेंगे विश्व के बड़ी पार्टी का, कभी तो अपना, कौन चेहरा है भाई, चेहरा है ही नहीं, कब बनाइएगा अपना मुख्यमंत्री। अटल जी का सपना साकार करना है न...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए, बोलने दीजिए ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आप थोड़ा सा से चूक गए, मंत्री बनते–बनते रह गए । एक आप और एक पीछे वाले हमारे जो बंडी पहने, गमछा लिए हैं, जो आज अभद्र भाषा बोले हैं बाहर...

(व्यवधान)

श्री जनक सिंह : आप बन गए...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप भी मंत्री बनते–बनते रह गए...

श्री जनक सिंह : नेता प्रतिपक्ष बन गए, बड़े भाई को बनाना चाहिए था...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : ठीक, ठीक, बैठ जाइए, बैठ जाइए...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए, बैठ जाइए ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए जनक जी, बैठ जाइए । बोलने दीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी अभी पहुंचे नहीं हैं लेकिन हमें पूरा उम्मीद है कि अपने टेलीविजन पर चैंबर में बैठे हुए होंगे । होंगे तो शायद देख रहे होंगे तो आज हम यहां फालतू बात नहीं करेंगे, अब ज्यादा आपलोगों का भंडाफोड़ नहीं करेंगे । यहीं तक हम सीमित रखते हैं लेकिन हम आज आए हैं एकेडमिक डिस्कशन करने । एकेडमिक यानी टेक्निकल बात करने, बिहार की सच्चाई, बिहार पर हम चर्चा करने आए हैं कि क्या बिहार था, क्या आज की स्थिति में हैं, इस पर हम चर्चा करने आए हैं और हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री जी आज जितने सवाल और सच्चाई तथ्यों के साथ जो सवाल हम पूछ रहे हैं, बात को उठा रहे हैं हम उम्मीद करेंगे कि अपने भाषण में वे जरूर हमको जवाब देने का काम करें लेकिन मुझे इस पर भी भरोसा है कि मुख्यमंत्री जी जब बोलते हैं तो 10 साल से वही एक टेपरिकॉर्डर बजता रहता है, पहले कुछ था, पहले कुछ पहनती थी महिला,

पहले कुछ था, सब तो हो ही गया, सब तो हम कर ही दिए, अब कुछ बचा है, 10 साल से यही सुन रहे हैं अध्यक्ष महोदय, आपको भी रटा गया होगा । अगला लाइन मुख्यमंत्री जी...

अध्यक्ष : अपनी बात जारी रखिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : क्या बोलेंगे, प्रेस मीडिया के लोग भी अब समझ गए होंगे कि अब देखो–देखो–देखो ये बोलेंगे, अब आने वाला है तो हमको पूरा भरोसा है हम उनको चुनौती भी देते हैं अगर सच और तथ्य पर अगर बात करें, आंकड़ों पर बात करें, हम चुनौती देते हैं कि इसका जवाब मुख्यमंत्री जी के पास नहीं होगा और वे सच और तथ्य में बोलेंगे ही नहीं, वे तो अपना पुराना बात जो बोलेंगे वही बोलते रहेंगे । खैर, 2005 से पहले महोदय क्या था, 2005 से पहले आदरणीय नीतीश कुमार जी 55 साल के थे, उससे पहले वे रेलमंत्री और मुख्यमंत्री भी बन चुके थे और इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी पटना यूनिवर्सिटी में कर चुके थे । बताइए, 2005 से पहले वे इंजीनियर बन गए थे, कहां बने थे, यहीं पटना में न यानी कि यूनिवर्सिटी था, कॉलेज था, है कि नहीं । इंजीनियरिंग कॉलेज था, सब था, इंजीनियर बन चुके थे । आज जिस भवन में हमलोग बैठे हैं विधान सभा का, जिसमें चर्चा हो रहा है, वह 2005 से पहले 83 साल पहले की है । 83 साल पहले की है 2005 से पहले, 83 साल की महोदय और बगल में 500 करोड़ का विधान सभा का एनेक्सी बनाए हैं, आज स्थिति देख लीजिए क्या है । यह है 2005 से पहले कि और ऐसी स्थिति है कि मुख्यमंत्री वहां नहीं बैठते हैं, बैठते हैं तो यहीं बैठते हैं, ये है 2005 के पहले की सच्चाई महोदय । जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की बदौलत आप नीतीश जी मुख्यमंत्री बने बैठे हैं, 2000 पहले का है अन्यथा आपके 2005 के बाद तो 2025 में आप एक मुख्यमंत्री को पलटूराम कहने पर किसी की सदस्यता नहीं ली जाती थी, कभी हुआ था, यह होने लगा 2005 के बाद । बाकी बात इस सदन में क्या नियम चल रहा है इस पर हम चर्चा नहीं करना चाहते हैं, हम अब एकेडमिक डिस्कशन शुरूआत करते हैं, थोड़ा ज्ञानवर्द्धन कर लीजिए, इतिहास को जान लीजिए जिनको नहीं पता है । कई हमारे मीडिया के साथियों को भी नहीं पता होगा । महोदय, बहुत रिसर्च करके हम आए हैं । महोदय, कई किताबें हमने पढ़ी हैं, कई सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट पढ़ी है, गूगल से लेकर कई यूट्यूब का 1998 से लेकर 2004 तक का हमने घंटो–घंटो का विडियो देखा है जहां बिहार की चर्चा हुई है महोदय । पार्लियामेंट का हो या विधान सभा का हो, एक किताब है महोदय, 'इंडिया इशूज एंड डेवलपमेंट', इसमें 3 चैप्टर है, विजय चौधरी जी हम आपको यह उपहार के तौर पर हम भिजवा देंगे, हम देना चाहते हैं ताकि बगल में आप ही से न मुख्यमंत्री जी पूछते रहते हैं कौन है, क्या है तो बताते रहिएगा सच्चाई, पहले क्या था 2005 के पहले ।

इसमें बिहार का 3 चैप्टर है और कम्पेरिजन किया गया है बिहार का अन्य राज्यों से तुलना में और यह मोहन गुरूस्वामी जी का है । विद्वान आदमी जो रहे, जो प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी के जो रहे, यह गुरू मोहन गुरूस्वामी जी का लिखा हुआ किताब है, महान विद्वान व्यक्ति हैं, हम आपको दिलवा देंगे । इसमें 3 चैप्टर है बिहार का, इसमें पढ़िएगा यह न मेरा है न किसी का है पूरा फैक्ट्स और फीगर के साथ बिहार के साथ कैसा सौतेला व्यवहार होता था, क्या–क्या होता था इसमें हर चीज दिया हुआ है । एक किताब है– 'बिहार मिथ एंड रिएलिटी', जो सांसद रहे हैं मधेपुरा के आप ही की पार्टी में शायद चले गए, रवि जी, यह उनका लिखा हुआ किताब है और कई जगह हमने एन0सी0आर0बी0 से लेकर महोदय, नीति आयोग की रिपोर्ट को लेकर हमने पूरी तरीके से हमने सारी चीजों को रिसर्च करके डिटेल रिपोर्ट हमने पढ़ी है । अब आइए, बिहार की जनसंख्या महोदय 14 करोड़ है, बिहार में भारत की कुल आबादी लगभग 10 परसेंट है यानी हर 10वां आदमी इस देश में बिहारी है महोदय, हर 10वां आदमी बिहारी है । बिहार की यह सच्चाई अभिभाषण में गवर्नर साहब ने नहीं पढ़ी, रिटायर्ड अधिकारी को रखिएगा तो यही सब होगा । वही पुराना बात लिखता रहेगा, देता रहेगा कोई पढ़ता तो है नहीं । हमलोग देख लेते हैं, नजर चला जाता है । अब आप देखिए, बिहार की औसत प्रति व्यक्ति आय लगभग 1100 डॉलर है, बिहारियों की औसत प्रति व्यक्ति आय लगभग 1100 डॉलर है । दुनिया के सबसे गरीब समझे जाते हिस्से, सब–सहारा अफ्रीका, मतलब दुनिया का जो सबसे गरीब हिस्सा हमलोग जो जानते हैं अफ्रीका का, सब–सहारा का इलाका है, वहां का प्रति व्यक्ति जी0डी0पी0 1710 डॉलर है, यानी महोदय, बिहार का उससे भी कम है, यह सच्चाई है । If Bihar is not devloped then country would lag behind on many parameters महोदय...

(व्यवधान)

सुन लीजिए, सुन लीजिए । यह हाल बिहार का है, सच्चाई है । बहुत लोगों को लालू जी खटकते हैं, हम तो उनके लिए यही चाहेंगे कि खुदा सलामत रखे उन आँखों को जिनमें लालू जी खटकते और चुभते रहते हैं । अध्यक्ष महोदय, मनोवैज्ञानिक कहते हैं हमारे देश और संस्कृति में दोहे हैं, प्रेरक प्रसंग हैं कि आदमी को प्रगति के लिए आगे की तरफ देखना चाहिए, पीछे की बातों में उलझे रहोगे तो अपनी प्रगति भी रोकेगे और वेबजह तनाव भी पैदा करोगे...

(क्रमशः)

टर्न–12 / सुरज / 04.03.2025

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : (क्रमशः) अब आप क्या कर रहे हैं, इनकी सरकार क्या कर रही है, मुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं ? 20 साल शासन करने के बाद भी पीछे की तरफ देख रहे हैं । समस्या आज की है और पीछे की तरफ देख रहे हैं । 20 साल शासन करने के बाद भी नीतीश कुमार जी पीछे की तरफ देख रहे हैं । समस्या आज की, दोष 20 साल पहले की सरकार को दे रहे हैं । हत्या आज हो रही है और दोष 20 साल की पुरानी सरकार को दे रहे हैं, ये सच्चाई है महोदय । सरकार की यह सकारात्मक सोच नहीं है, इससे बिहार का भला नहीं होने वाला । हम बिहारवासियों को कहना चाहते हैं कि जिस दिन सत्ता संभालेंगे उस दिन से आगे की ओर देखना शुरू करेंगे और किसी को दोष नहीं देंगे, किसी पर जिम्मेदारी नहीं डालेंगे । 5 साल के अंदर बिहार को अग्रणी राज्यों में लेकर के जाने का काम करेंगे ।

नीतीश कुमार जी का देखते हैं हर चीज 2005 से शुरू होता है । आप देखिये लालू जी राज में रहें, लालू जी ने कभी भी पुरानी सरकारों को कोसा, कभी भी पुरानी सरकारों का बहाना बनाया ? कभी भी नहीं । लालू जी ने किसी पर भी दोष नहीं थोपा । लालू जी कहते थे कि देखो हमारी पिछली सरकार ने क्या किया, इतने साल वाला क्या किया । आपको 20 साल मौका दे दिया है आप अपना हिसाब दीजिये कि आप क्या किये बिहार को ले जाने के लिये लेकिन इस पर चर्चा नहीं करते हैं । इसकी बात ही नहीं करते हैं । आप कल्पना कर लीजिये

अध्यक्ष महोदय अगर यह सरकार 40 साल भी रह जाएगी तब भी दोषारोपण पुरानी सरकार को और 2005 के पहले की सरकार को ही दोषारोपण देती रहेगी । कल्पना कीजिये 40 साल और भी रह जाए तो यह स्थिति है महोदय । यानी 10 साल और ये शासन किये तो दोष देंगे कि आजादी से पहले बुरा हाल था । अंग्रेजों ने सब तबाह कर दिया इसलिये अभी तक हम विकास नहीं कर पाये और 10 साल रह लेंगे, 10 साल दीजिये तो कहेंगे 18वीं सदी में बिहार में व्यापार और कृषि क्षेत्र को मजबूत नहीं कर पाये इसलिये हम विकास नहीं कर पाये और 10 साल दे दीजियेगा तो कहेंगे कि 16वीं सदी से 18वीं शताब्दी तक शासकों ने भारी कर वसूला इसलिये हम अभी तक विकसित बिहार को नहीं बना पाये ।

अध्यक्ष महोदय, अपनी नाकामी को इस तरह इतिहास पर थोपेंगे तो सिलसिला अंतहीन है । साफ–साफ बात यह है कि पूरे 20 साल आपको बिहार की जनता से मिला । बिहार विकसित क्यों नहीं हो पाया ? आज भी नीति आयोग की सूचकांक में साक्षरता के मामले में फिसड्डी है सबसे ज्यादा बिहार । प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश में सबसे फिसड्डी है बिहार । किसानों की आय में सबसे

फिसड्डी है बिहार । अव्वल बेरोजगारी में है, अव्वल आपका पलायन में है, सबसे अव्वल गरीबी में है । अब तक यह हाल बना हुआ है अध्यक्ष महोदय ।

नीतीश कुमार जी यहां नहीं हैं उनके लिये चार लाईन असलियत में हम बताते हैं :

सरकार खटारा,
सिस्टम नकारा,
मुख्यमंत्री थका–हारा
आम आदमी फिर रहा है मारा–मारा ।

यही असलियत है महोदय । इस सरकार की 20 साल की असलियत यही है । हम बताते हैं 2005 से पहले का बिहार क्या था । 2005 के पहले एक पावरफुल सरकार थी, जिसका नेता पावरफुल था जो बिहार के लिये दिल्ली से लड़कर बिहार का हक ले आता था ।

अध्यक्ष महोदय, 1961 से लेकर 1990 तक...

(व्यवधान)

सुन लो यार, इतिहास जान लो, पढ़ते–लिखते तो हो नहीं । टिका–टिप्पणी करते रहते हैं । आंकड़ा जान लीजिये ।

(व्यवधान)

पढ़ ही न रहे हैं, बकवास बात । हम कुछ बोले हैं, कुछ कहे हैं आपको । दोबारा आपकी सरकार आने वाली है ?

अध्यक्ष महोदय, 2005 से पहले का बिहार क्या था, हम आप सबलोगों को बताना चाहते हैं । 1961 से लेकर 1990 तक 22 बार मुख्यमंत्री बदले और 5 बार राष्ट्रपति शासन बिहार में लगा । यानी 29 साल में 27 बार सरकार की उथल–पुथल रही । जब प्रदेश में राजनीतिक स्थिरता नहीं थी, वंचित समूहों को उनका हक नहीं मिलता था तो कहां से विकास होगा महोदय । जो आज...

(व्यवधान)

आपलोग मंत्री हैं मंत्री की तरह रहिये न भाई ।

(व्यवधान)

जयंत जी आप तो अभी–अभी बने हैं । आपको तो इतना मानते हैं हम । क्यों बोल रहे हैं आपका समय आयेगा तो बोलियेगा न । फिर हम भी छेड़ने लगेंगे ।

अध्यक्ष महोदय, यानी 29 साल में 27 बार मुख्यमंत्री रहे, 5 बार राष्ट्रपति शासन लागू रहा । जब प्रदेश में राजनीतिक स्थिरता नहीं थी, वंचित समूहों को उनका हक नहीं मिलता था तो कहां से विकास होगा । जो आज 1990 से 2005 के

दौर को जंगल राज बोल रहे हैं और उनके पूर्वज 1990 के दौर में मलाई चाप रहे थे, वही लोग भाजपा, जदयू में बैठकर आज भी मलाई चाप रहा है ।

आदरणीय लालू जी ने 150 साल...

(व्यवधान)

सुन लीजिये न भाई । अध्यक्ष महोदय, आप थोड़ा को–ऑपरेट कीजिये ।

अध्यक्ष : आप अपनी बात जारी रखिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : थोड़ा इनलोगों को समझाइये, सत्ता में बैठे हैं । आदरणीय लालू जी ने ढ़ेर साल के जुल्म, अत्याचार, गैर बराबरी, शोषण के दौर को अपनी सामाजिक क्रांति और बदलाव में महज चंद सालों में खत्म कर दिया । यह लालू जी के दलितों, पिछड़ों, मुसलमान को दिया उपहार है ।

1990 के बाद मुसलमान दंगों में नहीं मरे । उन्होंने दंगे नहीं होने दिये, दंगा फैलाने वाले को उन्होंने यही बिहार की सरजमीं से गिरफ्तार करने का काम किया । ऐसे वंचित शोषित समाज जिनका रेप्रेजेंटेशन राजनीति में नहीं था । ऐसी जातियां जिनको कोई नहीं पूछता था, कमजोर तबके के थे । लालू जी ने वैसे तबके के हर जाति को, दलितों को, पिछड़ों को, अतिपिछड़ों को मंत्री बनाया, एम0पी0 बनाया, एम0एल0ए0 बनाया, एम0एल0सी0 बनाया, चेयरमैन बनाया, आयोग का सदस्य बनाया । उनको ताकत दिलाने का काम लालू जी ने करने का काम किया । यह लोगों को पता होना चहिये, सब लोगों को पता है । आज कोई न कोई यहां बैठा है आप भी लालू जी के समय में महोदय संघर्ष किये छात्र आंदोलन में । आपलोगों ने सारा कार्यकाल देखा है । चौधरी जी तो खुद ही कांग्रेस में थे, सबकुछ जानते हैं और सम्राट जी तो हमारे, असली तो विजय सिन्हा जी हैं भाजपाई । आप असली नहीं हैं, पांच साल पुराना भाजपाई ।

अध्यक्ष महोदय...

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : जो नकली समाजवादी हो उसको नकली ही सबकुछ झलकता है । ये सब नकली हैं, ये लोग नकली हैं । इनको लगता है...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आप आर0एस0एस0 कब ज्वाइन किये...

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : आपने...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आप आर0एस0एस0 ऑफिस गये हैं....

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : मेरा परिवार ही....

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : नागपुर गये हैं क्या ....

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : इनको गलतफहमी निकाल देना चाहिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : नागपुर गये हैं । आप कब ज्वाइन किये हैं भाजपा ? पहले तो भाजपा को गाली देते थे....

(व्यवधान)

एक मिनट, एक मिनट...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये, बैठ जाइये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, मेरा समय आप देखियेगा । हम ऐसा कुछ अपशब्द नहीं बोले हैं....

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हमलोग तो आप ही को सुन रहे थे । एक बार भी आपसे नजर इधर–उधर नहीं डाल रहे थे और

(क्रमशः)

टर्न–13/राहुल/04.03.2025

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : (क्रमशः) अध्यक्ष महोदय, हम तो सिर्फ इसलिए खड़े हुए कि उन्होंने कहा कि हम तो कांग्रेसी रहे हैं । उन्होंने सही कहा हम कांग्रेसी रहे हैं और आज उनके भाषण की दिशा भी हम देख रहे थे जब वर्ष 1960 से 1990 की कमियां और उस समय की स्थिति गिना रहे थे तो हम तो यह कह रहे थे कि आज उनके निशाने पर सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : जारी रखिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : कुछ बोलना है, समझने वाला समझता है...

(व्यवधान)

आपके बारे में भी हम बोलें । पहले 1990 में वहां मलाई चाट रहे थे अब 2005 में यहां भाजपा में आकर मलाई चाट रहे हैं । यही तो बोल रहे हैं, आपके बारे में भी बोलते थे...

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : इतना तो आपको पता है...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : बैठ जाइये, बैठ जाइये । मलाई मत चाटिये ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : इतना तो आपको पता है कि हम जहां भी रहते हैं...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : मलाइयां चाटते रहते हैं ।

(व्यवधान)

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : आपके साथ भी काम किये हैं कि हम जहां रहते हैं काम करते हैं मलाई चाटने का काम कुछ और लोगों का होता है...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : बिहार की जनता जानती है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बोलने दीजिये न । अब आप लोग भी बोलियेगा तो कैसे होगा, बताइये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, सम्राट चौधरी जी यहां बैठे हैं। हम इनके पिता का नाम इस सदन में नहीं लेना चाहते । इनके पिता का भाषण गांधी मैदान में भाजपा की रैलियों में मुख्यमंत्री जी के प्रति क्या था । देश का अगर सबसे...

(व्यवधान)

मुख्यमंत्री हैं तो नीतीश कुमार हैं । हमने तो नहीं बोला । नीतीश जी के पुत्र के बारे में आपके पिता ने क्या कहा था यह भी जान लीजिये आप भी मौजूद थे राष्ट्रीय जनता दल की बैठक में...

(व्यवधान)

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : किसी गलतफहमी में मत रहिये । विरोधी दल के नेता के तौर पर लोग क्या भाषण देते रहे हैं वह दीजिये...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अरे छोड़िये न । क्या आपके पिता ने मुख्यमंत्री के लिए अपशब्द नहीं बोला...

(व्यवधान)

खड़े होकर बोलिये नहीं बोला । खड़ा होकर बोलिये नहीं बोला...

(व्यवधान)

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : आपके पिताजी ने क्या–क्या बोला । बिहार को लूट लिया, आपके पिताजी ने बिहार को लूट लिया...

(व्यवधान)

गरीबों और वंचितों को लूट लिया, पूरा बिहार लूटने वाला आपका परिवार हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति बनाये रखिये । आप जारी रखिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : उसी समय आप मंत्री बनाये गये थे जो हल्ला हुआ था, बैठिये...

(व्यवधान)

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : मैं तो जेल में होकर आया हूं । लालू प्रसाद जी ने हमको जेल भी भेजा है वह दिन भी याद रखता हूं, समझ गये और नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में ही...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आखिरी बार चुनाव किस पार्टी से जीते...

(व्यवधान)

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : कौन पार्टी से क्या हो रहा है अगर आप अविजित रहेंगे इस गलतफहमी में मत रहिये...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आखिरी बार हमारे ही दल से जीते, उसके बाद हारना ही तय है...

(व्यवधान)

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : आप कोई राजा हैं क्या ? पहले तो यह समझ लीजिये कि यह लोकतंत्र है...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आप उप मुख्यमंत्री हैं बैठ जाइये...

(व्यवधान)

श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री : राजशाही नहीं है...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : हमने कोई अपशब्द नहीं बोला महोदय...

(व्यवधान)

श्री नितिन नवीन, मंत्री : इनका संस्कार यही है...

अध्यक्ष : मुझे लगता है व्यक्तिगत आक्षेप नहीं करियेगा तो बेहतर होगा, अपनी बात रखिये...

(व्यवधान)

श्री तेज प्रताप यादव, नेता विरोधी दल : हमारे संस्कार पर क्या अंगुली उठा रहे हैं आप...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये । बैठिये, बैठिये । बैठ जाइये ।

(व्यवधान)

अपना आसन ग्रहण कीजिये । सब बैठिये । बैठिये ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, यह मंत्रियों की स्थिति है आप देख लीजिये...

अध्यक्ष : एक मिनट । मेरा सभी लोगों से आग्रह है...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : समय आप देखियेगा महोदय ।

अध्यक्ष : मेरा सभी लोगों से आग्रह है कि कृपया व्यक्तिगत आक्षेप नहीं करेंगे तो बेहतर होगा, अपनी बात पुरजोर ढंग से रखिये कोई आपत्ति नहीं । माननीय नेता प्रतिपक्ष, बोलिये ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : यहां सब तो अपने लोग हैं, सब बिहार के लोग हैं । हम बिहार की बात कर रहे हैं आप लोग बिहार की बात नहीं सुनना चाहते हैं । जो इतिहास है, सच्चाई है, तथ्य है । बताओ अगर गड़बड़ करें तो उस पर प्वाइंट आउट कीजिये, अगर कोई डेटा गलत दे रहे हैं तो । हर बात पर क्या पॉलिटिकल, पॉलिटिकल । कभी तो बिहार के विकास के बारे में सोचो, तरक्की के बारे में सोचो ।

अध्यक्ष महोदय, अब आते हैं पर–कैपिटा इनकम और पर–कैपिटा इंवेस्टमेंट में 1960–61 में बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश में नीचे से दूसरे नंबर पर थी । केवल मणिपुर बिहार से पिछड़ा था । वर्ष 1982–83 में भारत की प्रतिव्यति आय बिहार की प्रति व्यक्ति आय से 84 प्रतिशत अधिक थी जो 1983–84 में 93 तक पहुंच गयी थी । बिहार के लिए 10वीं पंचवर्षीय योजना का प्रति व्यक्ति आकार मात्र 2533.80 रुपये था । जब गुजरात का 9279.10 रुपये था, कर्नाटक का 8260 रुपये और पंजाब का 7681.20 रुपये था । अब आइये अटल बिहारी जी, एन0डी0ए0 के टाईम पर, उस समय दर्जन भर मंत्री बिहार के थे, मुख्यमंत्री भी रेल मंत्री थे, आपको भी पता होगा । उस दौरान बिहार को अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता के रूप में मात्र 306 करोड़ रुपये मिले जबकि आंध्रप्रदेश को 3560 करोड़ रुपये मिले थे । यह सौतेला व्यवहार...

(व्यवधान)

पढ़ लीजियेगा, हम बता रहे हैं । सुन लीजिये न । रेकॉर्ड में जा रहा है आप देख लीजियेगा असत्य बोलगें तो बताइयेगा । बिहार को केन्द्र सरकार से वर्ष 2000–2002 में सिर्फ 4047 करोड़ रुपये मिले साल भर में जबकि आंध्रप्रदेश को 9790 करोड़ रुपये मिले और गुजरात को 6912 करोड़ रुपये अनुदान मिला। बिहार को वर्ष 1998–2001 में वित्तीय संस्थाओं से प्रति व्यक्ति मात्र 551.60 रुपये प्राप्त हुए जबकि राष्ट्रीय औसत 4828.80 रुपये था । यानी राष्ट्रीय औसत से 4277.20 रुपये बिहार को प्रति व्यक्ति कम मिले । वर्ष 2000–2002 बिहार को प्रति व्यक्ति केन्द्रीय सहायता में सिर्फ 119 रुपये प्राप्त हुए जबकि इसी अवधि के दौरान आंध्रप्रदेश को 625.60 रुपये प्रति व्यक्ति प्राप्त हुए जबकि उस वक्त उन्होंने बिहार का बंटवारा भी कर दिया था । लगभग कई गुना अधिक ये सारी चीजें हुई । वास्तव में बिहार को केन्द्रीय करों में

हिस्सेदारी केन्द्र सरकार द्वारा पूंजी निवेश तथा किसी भी प्रकार की विशेष सहायता यहां अनुदान के रूप में उसका उचित हक नहीं दिया गया । यह उस समय सौतेला व्यवहार लगातार होता रहा। बिहार की दयनीय स्थिति का प्रमुख कारण केन्द्र निधि तथा निवेश के आवंटन में असमानता रही । केन्द्र में गलत निर्णयों के कारण राज्य अपने प्राकृतिक संसाधनों का पूरा लाभ नहीं उठा पाया । उस समय बड़े–बड़े केन्द्रीय मंत्री इसी के थे । अब आइये लालूजी ने क्या किया जब मुख्यमंत्री बने । हम भूमिहीनों के बारे में बताते हैं प्रथम बार किसी...

(व्यवधान)

महोदय, अब थोड़ा, हम कुछ बोल ही नहीं रहे ।

अध्यक्ष : आप जारी रखिये । शांत रहिये । शांति बनाये रखिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : प्रथम बार किसी मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास, कृषि की तरफ ध्यान देना शुरू किया, भूमि सुधार की तरफ ध्यान दिया लेकिन साधुवादी, जातिवादी, अफसरशाही और न्यायपालिका ने इसे पेंचीदा बना दिया था । लालू प्रसाद जी ने दशकों से लंबित पड़े लगभग 38,997 मुकदमों का निपटारा, लगभग 47,462 एकड़ भूमि लगभग 39,56,500 भूमिहीन परिवारों जिसमें अधिकांश अनुसूचित जातियों के थे और 91,503 एकड़ भूमि अनुसूचित जातियों को बांटने का काम किया, जो भूमिहीन थे उन्होंने जून, 1990 में ऐसे 35 बड़े जमींदारों की पहचान करवायी जिनके पास हजारों एकड़ भूमि थी । निर्धारित सीलिंग सीमा से अधिक भूमि रखने पर उनके विरूद्ध कार्रवाई की गयी । इससे पहले की कोई ठोस हल निकलता न्यायालय ने हस्तक्षेप कर दिया था । मछुआरों के लिए पानीदारी, वाटर टैक्स माफ किया, आप भी जानते हैं, पारसी समाज के लिए ताड़ी टैक्स लालू जी ने फ्री करने का काम किया । लालू जी वर्ष 1991–92 तक सिंचाई में क्या किये । उनके प्रयास से 3 लाख एकड़ भूमि की चकबंदी हो पायी ।

टर्न–14 / मुकुल / 04.03.2025

क्रमशः

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, उस समय लिमिटेड सोर्स था, बजट पर भी बोलेंगे, बजट का क्या आकार था उस पर भी हम बोलेंगे ।

(व्यवधान)

श्री प्रमोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, एक मिनट ।

अध्यक्ष : इनको बोलने दीजिए न । नेता प्रतिपक्ष आप बोलिए ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, सिंचाई क्षेत्र में 3 लाख एकड़ भूमि की चकबंदी लालू जी ने 1991–92 में कराने का काम किया । सिंचाई सुविधाओं में अप्रत्याशित वृद्धि की गयी । 1993–94 तक 10 लाख 6 हजार हेक्टेयर भूमि को नहरों में, 16 लाख 25 हजार हेक्टेयर भूमि को ट्यूबवेलों में, 1 लाख 59 हजार हेक्टेयर भूमि को टैंकों और 42 लाख 12 हजार हेक्टेयर भूमि की कुओं के द्वारा सिंचाई हुई । महोदय, 16 बड़ी और मध्यम सिंचाई परियोजना हाथ में ली गयी, कृषि उद्योगों के लिए गांवों को अधिक बिजली दी गयी । बिहार ने 1993–94 में अनाज की रिकॉर्ड तोड़ 175 लाख टन पैदावार की । महोदय, 2001–02 में बिहार में प्रति हेक्टेयर उपज 1,669 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी जो उस वक्त कर्नाटक 1224 और महाराष्ट्र 874 से भी कहीं अधिक थी । महोदय, सोचिए उस जमाने में महाराष्ट्रा, कर्नाटका से भी ज्यादा उपज बिहार में हुई, सभी चीज ऑन रिकॉर्ड है, थोड़ा पढ़िएगा तो देख लीजिएगा । महोदय, नौकरी, रोजगार और मजदूरी के लिए लालू जी ने क्या किया ।

(व्यवधान)

बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए लालू प्रसाद जी ने गंभीर कदम उठायें, यहां भी उन्होंने गांव और बेरोजगार ग्रामीणों के लिए कई हजार नये पदों का सृजन किया, नये एवं पुराने रिक्त पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाएं, इसके परिणामस्वरूप 1993–़94 तक 21 हजार डॉक्टर, 12 हजार प्राथमिक स्कूल शिक्षक, 36 हजार होम गार्ड और लगभग 48 हजार तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की नियुक्ति की गयी, यह महत्वपूर्ण बात है । यानी तीन–चार साल में उन्होंने उस दौर में सीमित संसाधनों के बावजूद 1 लाख 17 हजार से अधिक स्थायी नौकरियां देने का काम लालू जी ने करने का काम किया । उन्हीं की नियुक्ति से आज डॉक्टर, अध्यापक, अभियंताएं, पुलिसकर्मी ने कालान्तर में प्रशासन, विधि, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को संभालने का काम किया है महोदय, यह सच्चाई है, यह छुपा नहीं है । प्रतिवर्ष......

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप बैठ जाइये । नेता प्रतिपक्ष, आप बोलिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, प्रतिवर्ष उन्होंने....

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मजाक बना रखा है । मुख्यमंत्री जी को बोलने देगा कोई, आप चाहते हैं सदन के नेता बोले ।

अध्यक्ष : आप यह सब मत बोलिए । माननीय नेता प्रतिपक्ष, आप अपनी बात रखिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, प्रतिवर्ष....

अध्यक्ष : नेता प्रतिपक्ष, आप पहले अपने लोगों को कहिये कि ये शोर न करें, ये आपको ज्यादा डिस्टर्ब कर रहे हैं ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, एक्शन होगा तो रिएक्शन भी होगा ।

अध्यक्ष : नेता प्रतिपक्ष, इससे आपको डिस्टर्बेंश हो रहा है न, मुझे क्या हो रहा है, मुझे कोई दिक्कत नहीं है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, ये आपके लोग भी हैं, हमारे नहीं हैं, ये सब लोग आपके हैं ।

अध्यक्ष : इसलिए मैं कह रहा हूं कि इनको कहिये ये नहीं बोले, आपको डिस्टर्ब नहीं करें।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, आप भी कस्टोडियन हैं हाउस के ।

अध्यक्ष : नेता प्रतिपक्ष, मैं भी जब वहां पर बैठता था और मेरे ही लोग डिस्टर्ब करते थे तो मैं भी उन्हें रोकता था । इसलिए मैं कह रहा हूं आप अपने लोगों को रोकिए तब आप बहुत बढ़िया से बोल पायेंगे ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, चाहे अपने लोग हों या उनके लोग हों हम तो आप ही को बोल रहे हैं महोदय ।

अध्यक्ष : जारी रखिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, प्रतिवर्ष उन्होंने उन नियुक्तियों को जारी रखा, बेरोजगारी भत्ते को भी 50 रुपये से बढ़ाकर 100 रुपये प्रतिमाह किया । अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को सख्ती से लागू किया गया । नौकरी, रोजगार की तरह मजदूर सुरक्षा के क्षेत्र में भी लालू प्रसाद ने असाधारण प्रगति की, उन्होंने राज्य में कृषि मजदूरों और गैर कृषि मजदूरों के प्रतिदिन की मजदूरी 23 और 28 रुपये प्रतिव्यक्ति करने का आदेश दिया । यह औसत, राष्ट्रीय औसत से भी अधिक थी महोदय । वहां कृषि मजदूरों और गैर कृषि मजदूरों की प्रतिदिन की मजदूरी 26 रुपये थी पर उसी राज्यों की तुलना में बिहार का औसत सबसे अधिक बैठता था । एक वर्ष में एक व्यक्ति इतने दिन काम करता था, उसका औसत भी बिहार से अधिक रहा । शिक्षा के क्षेत्र में लालू जी ने क्या किया, उस दौर में देशभर में बिहार साक्षरता दर सबसे कम थी, इसलिए मुख्यमंत्री बनते ही लालू जी ने शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़े/अतिपिछड़े और अल्पसंख्यक सबसे अधिक अशिक्षित थे, उन्होंने इन वर्गों को शिक्षित करने पर बल दिया, इसलिए प्रथम बार बिहार के बजट में एक प्रमुख भाग शिक्षा पर खर्च करना शुरू किया गया, क्योंकि लालू प्रसाद जी का मानना था और वे कैसे भी चाहते थे कि अशिक्षित, निम्न और वंचित वर्गों के लोग स्कूल अवश्य जायें और शिक्षा ग्रहण करें । उस समय 22.12

परसेंट खर्च बजट का शिक्षा में किया करते थे, यानी प्रति व्यक्ति शिक्षा पर व्यय 484. 10 रुपये था जो कमोबेश आंध्र–प्रदेश के बराबर और राष्ट्रीय औसत के लिहाज से काफी बेहतर था, यह था लालू जी का काम । 6–6 यूनिवर्सिटी लालू जी ने दिया, बी0एन0मंडल यूनिवर्सिटी (मधेपुरा), वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी (आरा), जे0पी0 यूनिवर्सिटी (छपरा), मौलाना मजहरूल हक यूनिवर्सिटी, अरबी–फारसी यूनिवर्सिटी, सिद्धो–कानो–मुर्मू यूनिवर्सिटी (दुमका), बिनोवा भावे यूनिवर्सिटी (हजारीबाग) ये 6–6 यूनिवर्सिटी लालू जी ने देने का काम किया और आज भी हम नहीं चाहते हैं कि जो नये यूनिवर्सिटी बने हैं उनका तो अभी कैम्पस ही नहीं है । अभी भी बिहार के छात्र–छात्राएं अगर यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे हैं तो वह 2005 के पहले वाले में पढ़ रहे हैं, यह सच्चाई है । बता दीजिए नया यूनिवर्सिटी कहां है, कौन पढ़ रहे हैं, कितने लोग पढ़ रहे हैं और 2005 वाले यूनिवर्सिटी में कौन–कौन पास आउट हुआ, यहां पर बैठे हुए बहुत सारे लोग उसी से पास आउट हुए होंगे और महोदय, ये बोलते हैं कि 2005 से पहले क्या हुआ । 2005 के पहले न चांद था, न तारा था, न सूरज था, चांद तो 2005 के ही बाद आया । उस दौर में अनुसूचित जातियों के लिए 260 से अधिक लालू जी ने विशेष स्कूल खोला । एस0सी0/एस0टी0 वर्गों के विद्यार्थियों को 100 रुपये प्रतिमाह वजीफा दिया जाने लगा । गरीब विद्यार्थियों को प्रतिदिन एक रुपये भोजन भत्ता मिलता था, इसका परिणाम यह हुआ कि 14 वर्ष से कम आयु के 41.5 लाख विद्यार्थियों ने स्कूलों में दाखिला लिया । ऐसा तब हुआ जब समाज के कुछ प्रभावशाली वर्ग दलितों को स्कूल भेजना या शिक्षित नहीं होने देना चाहते थे तब भी उन्होंने 41.5 लाख लोगों को स्कूल में भर्ती कराया । लालू प्रसाद जिनके सकारात्मक प्रयास में जनता ने गजब दिलचस्पी दिखाई और शिक्षा के प्रचार–प्रसार में महती भूमिका निभाई और जानकर हैरानी होगी कि जब लालू प्रसाद जी को बिहार मिला था उस वक्त 1986–89 तक 6 से 14 वर्ष आयु के स्कूली बच्चों में पढ़ाई छोड़ने की दर 11.4 परसेंट थी जो 1994 में घटकर यह 3.2 हो गया । महोदय, इतनी बड़ी उपलब्धि थी, लिमिटेड सोर्स में लेकिन आज 2024 में नीति आयोग की अपनी सरकार की रिपोर्ट पढ़िए, वह ड्रॉप आउट की जो रिपोर्ट है आज 41.9 परसेंट है ।

क्रमशः

टर्न–15/यानपति/04.03.2025

(क्रमशः)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, आज की स्थिति आज बच्चे 41.9 प्रतिशत यानी लगभग 42 परसेंट लोग ड्रॉपआउट हो रहे हैं । लालू जी को जब मिला था तो

11 प्रतिशत, उसको घटाकर उन्होंने 3 परसेंट कर दिया, यह सच्चाई है । बिजेन्द्र जी यहां हैं, इनको भी किताब दे देंगे सारा, सारा आंकड़ा है, इनको भी, पुराने समय में भी मंत्री रहे हैं फिर से पुरानी चीज ताजा हो जायेगी । 89 तक उस दौर में बिहार को देश में यह सम्मान और गौरव प्राप्त हुआ कि स्कूल छोड़नेवालों की सबसे कम संख्या बिहार की थी पूरे देश में । लालू प्रसाद जी ने बाल मजदूरी जैसे गंभीर अभिशाप और बुराई के खिलाफ कई योजनाओं की शुरुआत करने का उन्होंने काम किया । अब आइये स्वास्थ्य में लालू जी ने क्या किया । 1990 से पहले बिहार में स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक नहीं थी । इसे सुधारने के लिए लालू प्रसाद जी ने भरसक प्रयास किए । इसके लिए उस वक्त उनके समय में बिहार की कुल खर्च के प्रतिशत के रूप में स्वास्थ्य पर प्रति व्यक्ति खर्च सर्वाधिक रहा । यह राष्ट्रीय औसत 9.4 के मुकाबले 10.2 परसेंट था । इसके फलस्वरूप स्थिति में सुधार हुआ । शिशु मृत्यु दर एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतक है पहले यह दर बहुत ऊंची थी । लालू प्रसाद जी के कार्यक्रमों की बदौलत स्थिति में इस हद तक सुधार हुआ कि 94–95 में बिहार शिशु दर 23 भाग में सबसे न्यूनतम हो गई । राष्ट्रीय औसत से भी बिहार की शिशु मृत्यु दर बहुत कम थी लेकिन ईर्ष्यालु लोग इन ऐतिहासिक उपलब्धियों का जिक्र नहीं करेंगे । 2005 से पहले 6 मेडिकल कॉलेज थे, सुनिये एक बात, 90 फीसदी जनता उन्हीं मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में आज भी इलाज करवा रही है। वही मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में आज भी वहीं इलाज करवा रहे हैं 90 फीसदी लोग । मधेपुरा में इन्होंने खोला था मेडिकल कॉलेज । सब लोग मधेपुरा के लोग यहां होंगे वह जानते होंगे मधेपुरा मेडिकल कॉलेज का हाल क्या है । मधेपुरा में कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में चलिए, हम जब स्वास्थ्य मंत्री थे । महोदय, कोई डॉक्टर नहीं बैठता था, हम जब हाथ में लिए तो फिजीशियन भेजे, गायनी भेजे, ई0एन0टी0 के लोग को भेजे, आंख के डॉक्टर को मैंने वहां भेजा और आज चले जाइये, आज की स्थिति कितना डॉक्टर जा रहा है, नहीं जा रहा है, मेडिकल कॉलेज में इलाज हो रहा है या नहीं हो रहा है, क्या स्थिति वहां बनी हुई है । एन0एम0सी0एच0 पूर्णिया, यह महत्वपूर्ण बात है, एन0एम0सी0एच0 पूर्णिया, भागलपुर और बेतिया के मेडिकल कॉलेज में तो प्रतिवर्ष मान्यता रद्द करने के लिए आता है । वह तो हर साल जब मान्यता को बचाना होता है तो डॉक्टर का ट्रांसफर किया जाता है यह स्थिति है, कौन इलाज करा रहा है इनके बनाए हुए मेडिकल कॉलेज में । सब तो 2005 के पहले वाले मेडिकल कॉलेज में ही इलाज करा रहे हैं, बताइये सच्चाई है या नहीं है । यह सच्चाई है महोदय, इस पर हम क्या बोलें और इसी के लिए कि इनका मेडिकल कॉलेज केवल ढांचा न बन जाय, इसलिए हम पब्लिक हेल्थ कैडर लाए थे जो कैबिनेट में लाने नहीं दिया गया, पूछिए विजय चौधरी जी हैं, डेढ़ लाख

लोगों की जिसमें बहाली होनी थी । कई बार हम आपको बोले, आपके हाथ में भी फाइल गया होगा, वित्त विभाग में था, गया कि नहीं गया ।

अध्यक्ष : इधर देखकर बोलिए । आप बार–बार उधर क्यों देखते हैं ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : डेढ़ लाख लोगों की बहाली, बोलने दीजिए, समय नहीं है, आप अपने वक्त में बोलिएगा ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अगर उस समय की बात पूछना शुरू करेंगे तब तो बहुत बात बोलनी पड़ेगी ।

अध्यक्ष : नहीं बोलिए । आप बोलिए, इधर देखकर बोलिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, डेढ़ लाख लोगों को इसलिए कि ढांचा केवल ढांचा न रह जाय, इलाज भी हो इसलिए हम पब्लिक हेल्थ कैडर ला रहे थे और पता नहीं अब कब आएगा, नहीं आएगा, हम तो उम्मीद करते हैं कि जल्द ही लेकर आ जाया जाय ।

(व्यवधान)

एक मिनट । 95–96 में गरीबों के लिए लगभग 2.3 लाख मकान बनाए गए । शहरों में लाखों रैन बसेरे बनाए गए, आप भी जानते हैं, प्रमुख–प्रमुख स्थलों पर । कई फुटपाथ के लिए वेंडर चीफ बनाया गया, मछली मार्केट बनाया गया, आप इनकम टैक्स गोलंबर चले जाइये फूड मार्केट बनाया गया । आज वहीं से फल खरीदते हैं न, वहीं से मछली खरीदते हैं न । यह है लालू जी का बिहार 2005 से पहले का । यह स्थिति है । वृद्धों की पेंशन 30 रुपये थी उस समय लालू जी ने बढ़ाकर उस समय 100 रुपये प्रतिमाह कर दिया था । कुल मिलाकर के उस समय में साक्षरता, प्रारंभिक शिक्षा स्वास्थ्य और लंबी आयु रोजगार मजदूर की संरचना सार्वजनिक कार्यक्रमों तक पहुंच, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय जैसे मानवीय विकास के सूचकांकों के अर्थों में राज्य का प्रदर्शन बहुत अच्छा था । आप समझ जाइये और बहुत लोगों को यह भी पता होगा कि उस समय 90 से पहले चुल्हई तेलीकांड हुआ था छपरा जिला में जहां कुछ सामंतवादियों ने एक तेली समाज के, वह सामाजिक न्याय के लड़ाई करनेवाले लोग थे अपने घर सब लोगों को निमंत्रण देकर के भोज उन्होंने रखा था, भोज रखने के अगले दिन कुछ सामंती चले गए और कान उनका काट लिया था कि कैसे तुमने भोज रख दिया, कैसे हमको अपने जैसा समझ लिया कि तुम भोज रखवाएगा इसलिए कान काट लिया ।

(व्यवधान)

एक मिनट बैठिए न । उस समय प्रशासन ने नहीं सुना, कोई न्याय नहीं मिला । तो आप देखिए 90 के बाद आज किसी माई के लाल में दम नहीं, किसी सामंतियों में दम नहीं कि इस तरह की हरकत कर सके । यह लालू जी ने गरीबों

को ताकत दी, बोली दी, खटिया पर बैठाया, सामाजिक न्याय किया और आज किसी की हिम्मत है तो महोदय यह लालू जी की देन थी और आपको बता दें कि कोई अगर लालू जी की तुलना करेगा तो बेकार की बात है । लालू जी मुख्यमंत्री रहे तो संयुक्त बिहार के मुख्यमंत्री रहे, उस समय क्षेत्रफल में भी बिहार ज्यादा था और पॉपुलेशन में भी बिहार ज्यादा था । आज तो झारखंड नहीं है फिर भी बुरा हाल है । अब आइये 2005 वर्सेज 2025 में

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कहां देखते हैं उधर, इधर देखिए । बोलिए ।

(व्यवधान)

शांत रहिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, लालू जी की एक और उपलब्धि बोल देता हूं । लालू जी को गाली दे–देकर लोग पद पा रहे हैं यही लालू जी की उपलब्धि है । टी0वी0 में चेहरा आ जायेगा, लालू जी को गाली दो यही उपलब्धि है, इसीलिए न बोल रहे हैं । भीतर सब जान रहे हैं ।

अध्यक्ष : अब केवल 15 मिनट है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, आपको और देना होगा । 10 मिनट बर्बाद किया गया है ।

अध्यक्ष : इधर देखकर बोलिए न क्या दिक्कत है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, हर बात पर लालू जी का नीतीश जी नाम लेते हैं, सम्राट जी बोलते हैं कि लालू जी को अटैक करो, हर बात पर नाम लेते हैं, उन्हें दोष देते हैं । नई पीढ़ी जिसने उनका राज देखा नहीं, आपके राज में जो लोग पैदा हुए, बड़े हुए, बेरोजगार हैं अभी तक जो लालू जी के राज को नहीं देखा, आज एक पीढ़ी चली गई जो आज बेरोजगार है, आपलोग क्या झूठी कहानी सुनाते रहते हैं 1990 का, आज की बात कीजिए आप एक पीढ़ी को बर्बाद कर दिए ।

(व्यवधान)

टर्न–16 / अंजली / 04.03.2025

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : इस तरह से करेंगे तो मुख्यमंत्री जी को भी बोलने नहीं देंगे, समझ जाइए । मुख्यमंत्री को बोलने नहीं देंगे ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए । बैठिए–बैठिए, शांत रहिए ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : मुख्यमंत्री जी को बोलने नहीं दिया जायेगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप लोग बैठिये न, आप लोग क्यों हल्ला कर रहे हैं ? रणविजय जी, बैठिये। रणविजय जी, आप बैठिये । सब लोग खड़ा हो जाते हैं, अपने लोगों को भी कहिए आप । आप ही के लोग हैं ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : वे लोग पहले खड़ा हो रहे हैं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : ऐसे पूरा समय बर्बाद होगा, क्या मतलब है?

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठिये आप ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : सुनिये । बहुत महत्वपूर्ण है । मुख्यमंत्री जी यहां नहीं हैं ।

(व्यवधान)

बैठिये न चुपचाप । बाहर जाकर चिल्लाइएगा न जनता के बीच ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप बोलिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, सब लोग ध्यान से सुनिये । मत बोलिए, जिन लोगों को बोलना है बोलने दीजिए, हमारी तरफ से मत बोलिए। हम अकेले काफी हैं, आपलोगों को अभी तक नहीं पता है, छोड़िये। जब जरूरत होगा तो हम इशारा कर देंगे ।

अध्यक्ष महोदय, भैया लोग सुनिये, चाचा लोग सुनिये, काका लोग सुनिये, माता–बहन लोग सुनिये । 2005 के पहले वालों, चलिये हम आपको 2005 के बाद 2025 में लेकर चलते हैं । एक बरसात में सैकड़ों पुल गिर जाना, एक ही मेगा पुल तीन–तीर बार गिर जाना, बालिका गृह कांड हो जाना, सृजन घोटाला हो जाना, पलायन में नंबर–1 बिहार, महंगाई की महामारी, स्मार्ट बिजली मीटर उर्फ चीटर मीटर का उलटफेर, बिजली का बिल, सबसे महंगा बिहार का बिल बिजली का, चूहा 800 करोड़ का बांध खा जाता है, चूहा 9 लाख लीटर दारू पी जाता है, बिहार में चूहों की बहार है क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। 100 से अधिक घोटाले जिसमें 40 घोटाले तो प्रधानमंत्री जी पढ़े हैं मुख्यमंत्री जी के लिए । 2005 को बीते तो बहुत वर्ष हो गये, चलिये मैं कल की बात बताता हूं, क्राइम का डेटा बता सकते हैं, जो कल

की तारीख में हुआ, कल की छोड़िये आज की बात हम बताते हैं, आज की बात छोड़िये, 3 बजकर 3 मिनट हो रहा है हम अभी की बात बताते हैं कि बिहार की स्थिति क्या है ? घड़ी देख लीजिए सब लोग आज की बात, अभी की बात हम बताते हैं आपके बीस साल के काम का नतीजा हम बताते हैं । आज 2025 मार्च, 4 तारीख के दिन प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे कम बिहार का, आज 2025 मार्च, 4 तारीख के दिन प्रति व्यक्ति निवेश सबसे कम बिहार में, आज 2025 मार्च, 4 तारीख के दिन किसानों की देश में सबसे कम आय बिहार में, आज 2025 मार्च, 4 तारीख के दिन सबसे अधिक स्कूल ड्रॉप आउट रेट बिहार में, आज 2025 मार्च, 4 तारीख के दिन देश में सबसे कम साक्षरता दर बिहार में, आज 2025 मार्च, 4 तारीख के दिन अफसरशाही सबसे ज्यादा बिहार में, घूसखोरी सबसे ज्यादा बिहार में, बिजली का दर सबसे ज्यादा बिहार में, आज अभी तक बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला, न विशेष पैकेज मिला, आज की बात हम बताते हैं । नीति–आयोग की रिपोर्ट के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य हासिल करने में बिहार सबसे निचले पायदान पर है । नीति–आयोग द्वारा गुणवत्ता शिक्षा में 12 मानकों में से 10 मानकों में से देश में बिहार सबसे पिछड़ा राज्य है महोदय । 2022 में हमारी सरकार और मेरी बहन पर शिक्षा विभाग में अगर ढाई लाख से अधिक नियुक्तियां नहीं होती तो सबसे कम अध्यापक की कमी वाला प्रदेश भी बिहार ही होता । देश में सबसे अधिक 65 परसेंट महिला एनीमिक हैं, खून की कमी है बिहार में, यह आपकी ही रिपोर्ट है भारत सरकार की, नहीं क्यों बोल रही हैं, आपको तो चिंता करनी चाहिए रेणु जी और यह नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट है पढ़ लीजिए । देश में सबसे अधिक 45 फीसदी बच्चे बौनापन के शिकार होते हैं वह सबसे ज्यादा बिहार में होता है । देश में सबसे ज्यादा अंडरवेट, कमजोर बच्चा, कम वजन का बच्चा बिहार में है, लगभग 23 फीसदी बच्चे । नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे में देश में सबसे अधिक चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी बिहार में ही है । दूसरे प्रदेशों में इलाज कराने सबसे अधिक मरीज लोग बिहार के ही जाते हैं, जाते हैं कि नहीं सबसे ज्यादा इलाज कराने ? सबसे अधिक छात्र पढ़ने बिहार के लोग दूसरे प्रदेश में जाते हैं, देश के सबसे अधिक बेरोजगारी बिहार में है, देश में सबसे अधिक गरीबी बिहार में है, देश में सबसे अधिक पलायन बिहार में है, सतत् आकलन सूचकांक एस0डी0जी0 को अगर देखा जाय तो देश में बिहार सबसे निचले पायदान पर है । भारत सरकार के मंत्री ने संसद में लिखित जवाब में कहा, सुनियेगा, जो इन्हीं के पार्टी के अभी मंत्री बने हैं, मंत्री ने संसद में लिखित जवाब में कहा कि नीति–आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक विकास के 115 क्षेत्रों और मानकों में बिहार को 100 में से 52 अंक मिले हैं जोकि सबसे कम बिहार में है । आप ही के पार्टी के कुछ लोगों ने पूछा था केंद्रीय मंत्री जी

से, जो जवाब मिला था, केंद्रीय मंत्री जी का जवाब है । बिहार के लगभग 83 परसेंट ग्रामीण, ग्रामीण के नौजवान युवा सबसे ज्यादा बेरोजगारी अगर है तो ग्रामीण के नौजवानों में 83 फीसदी जो कि सबसे ज्यादा बिहार में है और महोदय, यही नहीं ये सबसे इंपोर्टेंट डाटा है, पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे यानी शहरी क्षेत्रों में सबसे अधिक बिहार के ही लोग बेरोजगार हैं यानी शहर में भी और ग्रामीण में भी । बिहार के नौजवान युवा लोग बेरोजगार सबसे अधिक बिहार में हैं । अब बताइए, बी0पी0एस0सी0 पेपर लीक हुआ, रद्द किया गया, बेचारे छात्रों को लाठी से पीटा गया, उनके साथ न्याय सरकार नहीं कर रही है । हम नेता विरोधी दल हैं, दो–दो बार मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखे हैं, पता नहीं पत्र का जवाब देना तक नहीं समझा, न अपने मंत्रियों द्वारा जवाब भिजवाया, न अपने अधिकारियों द्वारा जवाब भिजवाया । महोदय, बताइए, यह क्या मतलब है इस लोकतांत्रिक व्यवस्था में, अगर नेता विरोधी दल अगर मुख्मयंत्री जी को चिट्ठी लिखे, हमने इशूज ऐड्रेस किया था, प्रमाण दिया गया था, उसके आधार पर रद्द हुआ, केवल पेपर लीक होता है इनकी सरकार में । आज भी हम मांग करते हैं कि बी0पी0एस0सी0 के स्टूडेंटों की मांगों को माना जाय । गुहार करते हैं, सब लोग हैं । बी0पी0एस0सी0 के स्टूडेंट धरना पर बैठ रहे हैं, जाकर संवाद कीजिए, जाकर मिलते क्यों नहीं हैं ? एक बार मिल लीजिए कम से कम । महोदय, यह 2025 की स्थिति, बीस साल की स्थिति यह है । 2005 की माला जपना छोड़कर अगर ये लोग काम किये होते तो बिहार की यह दुर्गति नहीं हुई होती । महोदय, नीतीश कुमार जी तो यहां नहीं हैं लेकिन उनके लिए एक नारा बहुत फिट बैठता है–

''सब कुछ जाय भाड़ में,
अपन कुर्सी के जुगाड़ में ।''

बस यही उनके लिए बीस साल के कार्यकाल का कमाल है महोदय । आपके मुख्यमंत्री, उनके कुर्सी के मोह ने बिहार को क्या से क्या बना दिया, पूरे बिहार के लोग अब झेल रहे हैं, बिहार ने इस दिखावटी, बनावटी, फंसावटी, घुमावटी, झुठलावटी, रुलावटी, तड़पावटी, मिलावटी, नकली सरकार की एक्सपायरी डेट 2025 मुकर्रर कर दी है । अब सारे झूठ, बहानेबाजी, परपंच का कोई मतलब नहीं है । बिहार और बिहारवासी अब हिसाब लेने के मूड में हैं, आर–पार के मूड में है । अब कहिएगा कि डराकर के, जंगलराज बताकर के, झूठी कहानी बताकर लोग आपके झांसे में आ जाएंगे, बिहारी अगर झांसे में आयेगा तो गलतफहमी में आप लोग जी रहे हैं। अभी भी चश्मा उतारिए । (क्रमशः)

टर्न–17 / पुलकित / 04.03.2025

(क्रमशः)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : लोग 20 साल का हिसाब मांग रहे हैं, 20 साल में आपने एक पीढ़ी को बर्बाद कर दिया, बिहार को बर्बाद कर दिया। बिहार को सबसे अंतिम पायदान पर लाने का काम किया । मुख्यमंत्री जी तो अभी यहां नहीं है लेकिन वर्ष 2005 से पहले दाखिल–खारिज में कितनी घूस चलती थी ? कोई सी0एम0, पी0एम0 के पैर पर गिरता था, गिड़गिड़ाता था वर्ष 2005 से पहले ? अगर कोई सी0एम0 गिड़गिड़ाता था कि पटना यूनिवर्सिटी को सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा दे दें तो पहले मिल जाता होगा लेकिन आज के प्रधानमंत्री तो देते ही नहीं हैं पटना यूनिवर्सिटी को सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा।

अध्यक्ष : चार मिनट का समय और है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, हम तो बहुत सारी चीजों पर जाना नहीं चाहते हैं लेकिन बहुत सारी चीजें हैं, बहुत बोलना है अगर आप मेरा पांच मिनट का समय और बढ़ा दें ।

अध्यक्षः आपको बोलने के लिए बहुत मौके मिलेंगे ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, अभी तो टाईम बाकी है ।

अध्यक्ष : मैं आपको बता रहा हूँ कि चार मिनट का समय और बाकी है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, दस मिनट का समय दे दीजिए ।

अध्यक्ष : चार मिनट में अपनी बातों को रख लीजिए । आपको बोलने के लिए बहुत मौके मिलेंगे । आपको अवसर की क्या दिक्कत है । जब चाहते हैं तब बोलते हैं आप ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : वर्ष 2005 से पहले जैसा रिवर्स गेयर में कोई गाड़ी चलाने वाला नहीं था जैसे ये मुख्यमंत्री जी चलाते हैं । वर्ष 2005 से पहले विश्व प्रसिद्ध पलटी मार नेता कोई नहीं हुआ करता था । कोई उलटी किताब नहीं पढ़ता था, उस समय अपनी नाकामियों को छुपाने वाले मुख्यमंत्री कोई नहीं थे । वर्ष 2005 से पहले का सब हिसाब–किताब जनता–मालिक जानती है । महोदय, आप अपने 20 साल का हिसाब दीजिए । अगर 2005 से पहले आईफोन, स्कैचर, क्रॉक्स, ए0आई0, आई0पैड, ओ0टी0टी0, कोविड नहीं था तो इसका दोष लालू जी को मत दीजिए । इलेक्ट्रिक कार नहीं थी तो इसका दोष लालू जी को मत दीजिए । हर चीज का दोष लालू जी को देना चाहते हैं, वर्ष 2005 से पहले अफसरशाही बिहार में नहीं थी । पब्लिक के जनप्रतिनिधियों का सम्मान हुआ करता था, काम हुआ करता था । आप हर बात पर दोष देते रहिये लेकिन बजट में महिलाओं के लिए 2500/– रुपये महीना नहीं दिया गया ।

पुल जो लगातार गिर रहे हैं, मजबूत पुल बनाने में लालू जी का और 2005 से पहले का दोष लोग लगातार देते रहते हैं । गिरता पुल है, सृजन घोटाला होता

है, हर चीज होती है, बालिका गृह होता है । लालू जी को दोष दिया जाता है । हमलोगों की मांग थी विधवा पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1500/– रुपये कर दें, बिजली की 200 यूनिट फ्री में कर दें । कुछ नहीं मिला । खोखला बजट, बेकार का बजट । हम ज्यादा नहीं बोलेंगे लेकिन हम एक बात केन्द्र सरकार की बतायेंगे कि दस वर्षों में बिहार में कोई केन्द्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय नहीं खुला । बीते दिनों केन्द्र सरकार ने देशभर में 85 केन्द्रीय विद्यालय दिये और 28 जवाहर नवोदय विद्यालय खोले लेकिन डबल इंजन की सरकार ने बिहार में एक भी खोलना लायक नहीं समझा । इनका क्राइटेरिया है प्रति पॉपुलेशन साक्षरता दर कम होना और फिर भी नहीं दे पाये । एक भी टेक्सटाईल पार्क नहीं दिया, कोई कारखाना नहीं, कोई इंडस्ट्री नहीं, इंदिरा आवास में कटौती । 2 लाख इन्वेस्टमेंट एनाउंस किये थे । चन्द्रबाबू नायडू के 16 एम0पी0 हैं वे वहां ले जाकर के 2 लाख करोड़ का एनाउंसमेंट करा लिये और हमारे मुख्यमंत्री कुछ नहीं कर पाये, पैरों पर गिर रहे हैं । अभी जो मार्च में बजट आया 59 हजार करोड़ का उसके बारे में बताओ कहां है, क्या हिसाब है, मिला है या नहीं मिला ? इसके बारे में क्यों नहीं बता रहे ? हमारा रिजर्वेसन आपलोग खा गये, 65 प्रतिशत जो हमलोग बढ़ाये थे । सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है, आप नया प्रस्ताव लेकर आइये, नया बिल बनाकर के आइये, आरक्षण को 75 प्रतिशत कर दीजिए । हमलोग तुरंत उसको पास करते हैं और केन्द्र सरकार तुरंत शिड्यूल लाईन में डाल दे । नहीं तो हम समझेंगे कि भाजपा आरक्षण खोर है, आरक्षण चोर है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अब समाप्त करिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, बिहार रिऑर्गेनाइजेशन ऐक्ट, 2000 । जब बिहार, झारखंड अलग हुआ था तो बिहार के साथ यह तय हुआ था । वर्ष 2000 में हमारी पार्टी ने बिहार के लिए 01 लाख 79 हजार करोड़ रुपये की विशेष पैकेज की मांग की थी । केन्द्र की एन0डी0ए0 सरकार ने 2000 में बिहार बंटवारा किया और बिहार राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के अंतर्गत बिहार को 01 लाख 79 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज की वित्तीय सहायता देनी थी लेकिन एन0डी0ए0 सरकार ने कभी भी बिहार को मदद नहीं की, अभी तक नहीं मिला है । वहां चन्द्रबाबू नायडू दो लाख करोड़ रुपया ले जाकर एनाउंस करा दिये । भाजपा की सहयोगी नीतीश कुमार जी की समता पार्टी उस समय उनके प्रभुनाथ सिंह जी जो एम0पी0 थे उन्होंने बोला था । एक बार पढ़ देते हैं – मैंने दिल से बंटवारे का विरोध किया है लेकिन जिस दल में हूँ जब उस समता पार्टी की संसदीय बैठक हुई, नीतीश जी यहां मौजूद हैं उन्होंने उस बैठक में कहा बिहार बंटवारे पर

हमारे दल को आपत्ति नहीं करनी चाहिए । हम बिहार बंटवारे के बाद शेष बिहार के लिए विशेष पैकेज लेंगे लेकिन वाजपेयी सरकार में ये एक दर्जन मंत्री बिहार से थे लेकिन कभी उन्होंने उसके लिए मांग नहीं उठायी । हम तो बहुत सारी चीज पर बोलना चाहते थे।

अध्यक्ष : अब आपका समय समाप्त हो गया है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, पांच मिनट का समय दिया जाए, हम अपनी बात फिनिश करेंगे । आपसे अनुरोध है, हम बार–बार नहीं बोल सकते ।

अध्यक्ष : अब संक्षेप कीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, कितने लोगों ने डिस्टर्ब किया । दस मिनट से ज्यादा नहीं बोलेंगे ।

अध्यक्ष : आप खुद एक मिनट ले लिये हैं ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, नीतीश कुमार को बिहार की जनता कभी नहीं चुनती है । वह हमेशा नंबर–2 पर या नंबर–3 पर ही रह जाते हैं । वर्ष 2015 में नंबर–2 पर थे और वर्ष 2020 में नंबर–3 पर थे । वर्ष 2015 में राजद नंबर–1 थी, वर्ष 2020 में भी नंबर–1 थी और आने वाले समय में महागठबंधन की सरकार जनता बनाने जा रही है । भाजपा ने वर्ष 2020 से 2025 तक पांच उप मुख्यमंत्री दे दिये । भाजपा में अभी तक ये लोग कंफ्यूज हैं कि चेहरा कौन होगा ? महोदय, हम अब ज्यादा कुछ नहीं बोलना चाहते, लेकिन ये लोग परिवारवाद की बात करते हैं । अब बताओ कितने मंत्री हैं परिवारवादी, कितने विधायक यहां परिवारवादी हैं ? इस पर तो हमें बोलना नहीं चाहिए लेकिन नाम गिना देंगे, बिहार की जनता तो सब देख ही रही है । अध्यक्ष महोदय, नाम सिर्फ मंत्री लोग का ही गिना देते हैं । विजय चौधरी जी, सम्राट चौधरी जी, अशोक चौधरी जी, नीतीश मिश्रा जी सुपुत्र जगन्नाथ मिश्रा जी। चारा घोटाला–चारा घोटाला । क्यों मंत्री बनाकर बैठे हैं ? खा गये–खा गये । कभी बोले जगन्नाथ मिश्रा जी चारा खा गये ?

(व्यवधान)

काहे, क्योंकि लालू जी पिछड़ा है ?

अध्यक्ष : बैठिये । मैंने कहा है, आग्रह किया है व्यक्तिगत आक्षेप न करें । बेहतर होगा ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, नितिन नवीन जी, सुनील कुमार जी, जयंत राज जी, संतोष सुमन जी, नीरज सिंह जी, लेशी सिंह जी, महेश्वर हजारी जी केवल मंत्री हैं जो परिवारवादी हैं ।

अध्यक्ष : आप क्या कह रहे हैं ?

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, पूरा कैबिनेट ही परिवारवादी है । अध्यक्ष महोदय, अब हम अंत करते हैं ।

(व्यवधान)

श्री नीतीश मिश्रा, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष को यह जानकारी दे देना चाहता हूँ कि डॉ0 जगन्नाथ मिश्रा जिनका उन्होंने नाम लिया और अब वह हैं भी नहीं । महोदय, न्यायालय ने उनको बरी भी किया है इस बात का उल्लेख भी ये करें । दोनों बात करें, एक बात नहीं रखें । दोनों बात का उल्लेख करें आप ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, छह मामले थे । छह मामलों में से कितने मामलों में बरी किया गया, कितने में दोषी करार किया गया ?

(व्यवधान)

बाकी मामलों में दोषी हुए ना ?

(व्यवधान)

अध्यक्ष : नेता प्रतिपक्ष, अब समाप्त करिये । बैठ जाइये ।

श्री नीतीश मिश्रा, मंत्री : आप लालू जी और जगन्नाथ मिश्रा जी पर बहस कर लीजिए । मैं ओपन चुनौती देता हूँ, सदन के बाहर बहस कर लीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : हमलोग अलग से बहस कर लेंगे ।

अध्यक्ष : नेता प्रतिपक्ष, समाप्त करिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, हम समाप्त करते हैं ।

''रोक सकी है आंधियां, अब उसकी परवाज,
उड़ता है बेखौफ वो आसमां में बाज ।''

अध्यक्ष महोदय, हम ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते बस अब अंत ही करना चाहते हैं कि हमलोगों ने इतनी नौकरी दी, हमें तो लोगों का उद्‌गार है कि बिहार की जनता बड़ी उम्मीद और आशा से हमको देखती है, लोगों को बहुत विश्वास है कि हम कुछ करेंगे बिहार के लिए और हम बहुत कुछ करना भी चाहते हैं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांत रहिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : सुनिये ।

''वही हकदार है किनारों के, जो बदल दे बहाव धारों के ।''

अध्यक्ष : धन्यवाद । अब बंद करिये, बहुत हो गया पांच मिनट आगे बढ़ गये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, एक मिनट दीजिए ।

मैं सरकार नहीं, मैं बिहार बनाना चाहता हूँ,
नया बिहार तकनीक से तरक्की करेगा,
चिराग सबके बुझेंगे मुर्शद,
हवा किसी की सगी नहीं होती ।

हम परमपिता, परमात्मा, ईश्वर, भगवान, अल्लाह और आप सबलोगों का आशीर्वाद चाहते हैं कि हमें नया बिहार, विकसित बिहार बनाने में आप सबलोगों का सहयोग मिले । इन्हीं चन्द शब्दों के साथ हम अपनी बात को विराम देते हैं।

अध्यक्ष : अब हो गया ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : लेकिन अध्यक्ष महोदय, हम एक बात और कहना चाहते हैं । हमें दुख है कि न ही मुख्यमंत्री जी ने हमारे पत्रों का जवाब दिया और न ही हमारे वक्तव्य के समय में आज उपस्थित रहे ।

टर्न–18 / अभिनीत / 04.03.2025

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी ।

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

माननीय सदस्य श्री राजेश कुमार ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष बिहारी शब्द को गाली बनाने का, आपके पिताजी को लेकर के आप माफी मांगेंगे जिन लोगों ने बिहारी शब्द को गाली बनाया ?

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अनिल कुमार ।

श्री अनिल कुमार : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन करने का मौका मिला । महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में बिहार के विकास की एक स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत की है, जिससे नौकरी, रोजगार और विकास की गति तेज होगी । राज्य सरकार ने 12 लाख युवाओं को नौकरी देने और 34 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करने का संकल्प लिया है जिससे राज्य में पलायन पर रोक लगेगी । महोदय, लगभग 9 लाख नौकरियां अलग–अलग विभागों में दी जा चुकी है एवं रोजगार सृजन के तहत 24 लाख लोगों को रोजगार से जोड़ा जा चुका है जो अभूतपूर्व सफलता है ।

बिहार में नए हवाई अड्डों के निर्माण, पश्चिम कोसी नहर परियोजना के लिए आर्थिक सहायता, पटना आई0आई0टी0 के विस्तार और राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना की घोषणा से राज्य के विकास को और गति मिलेगी । इससे बिहार की आधारभूत संरचना मजबूत होगी जिससे यहां के लोगों को और अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे ।

सरकार के गठन के साथ ही सड़कों का जाल बिछाया गया है जो मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शी सोच को दर्शाता है । इसी के कारण बिहार में निवेश के प्रति बड़ी–बड़ी कंपनियां भी रूचि दिखा रही है, क्योंकि राज्य में अब बुनियादी ढांचा तैयार हो गया है । सड़कों के साथ गांव–गांव में बिजली पहुंचाई जा चुकी है और निर्बाध रूप से कम से कम 20 से 22 घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है जिससे उद्योग जगत के लोगों की रूचि बिहार के प्रति बढ़ी है और उसका परिणाम है कि देश के बड़े–बड़े उद्योगपति अब बिहार का रूख कर रहे हैं ।

बिहार में पहले से ही विद्युत परियोजनाओं के साथ–साथ एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज, खेल–कूद के विकास और पर्यटन स्थलों के निर्माण का कार्य जारी है । इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से बिहार भी विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा हो गया है । हाल ही में माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज, बड़े–बड़े पुल, बिहार के पर्यटन के क्षेत्र में छपरा सोनपुर के हरिहर नाथ मंदिर से लेकर मधेपुरा के सिद्धेश्वर नाथ मंदिर सहित दर्जनों मेंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए सैकड़ों करोड़ की राशि आवंटित कर पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा देने का काम अति सराहनीय है ।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है ताकि हर नागरिक को न्याय मिल सके । इसके लिए सरकार ने हर थाने के कार्यों को दो भागों में बांट दिया है जिससे मामलों की जांच और विधि–व्यवस्था बनाए रखने में काफी मदद मिलेगी ।

बिहार में 1.10 लाख पुलिसकर्मी कार्यरत हैं जिनमें 30 हजार महिलाएं शामिल हैं । यह सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक बड़ा अनूठा कदम है । 21391 रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है । इसके अतिरिक्त सरकार 2.27 लाख से अधिक नए पुलिस पदों का सृजन कर रही है जिससे जल्द ही और बहाली की जाएगी । राज्य में थानों की संख्या बढ़ाकर 1380 कर दी गई है । डायल 112 आपातकालीन सेवा प्रारंभ की गई है जिससे नागरिकों को त्वरित सहायता मिल सकेगी ।

सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों को इस आपदा से बचाने के लिए कोसी–मेची नदी जोड़ परियोजना पर कार्य शुरू किया है । इसके साथ ही, किसानों की स्थिति सुधारने के लिए सिंचाई परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अब संक्षिप्त कीजिए ।

श्री अनिल कुमार : महोदय, धान, गेहूं और मक्का का उत्पादन दोगुना हो गया है । बिहार मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया है । महोदय, हमारी सरकार के पहले हालात

ये थे कि मछली और अंडे के लिए हमारा प्रदेश दक्षिण के राज्यों पर निर्भर रहा करता था ।

माननीय मुख्यमंत्रीजी के दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है कि आज स्वास्थ्य, परिवहन और महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है । सड़कों और पुलों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है । अब राजधानी तक सुदूर इलाकों से पहुंचने का लक्ष्य 5 घंटे का रखा गया है । महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है ।

स्वयं सहायता समूहों की संख्या में बिहार अनूठा देश का राज्य है जहां 10 लाख 63 हजार तक स्वयं सहायता समूह बने हैं जिसमें 01 लाख 41 हजार जीविका दीदियां कार्यरत हैं ।..

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अब समाप्त कीजिए ।

श्री अनिल कुमार : धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री राजेश कुमार । पांच मिनट आपका समय है ।

श्री राजेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, आपने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में मुझे बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । साथ–ही–साथ हमारे न्याय योद्धा नेता राहुल गांधी जी और हमारे अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष आदरणीय मल्लिकार्जुन खड़गे साहब के प्रति आभार प्रकट करता हूं और साथ ही साथ में अपने विधान सभा कुटुम्बा के तमाम जनता के प्रति आभार प्रकट करता हूं कि उनकी बदौलत आज सदन में बोलने का मुझे अवसर मिल रहा है । अध्यक्ष महोदय, यह जो राज्यपाल जी का अभिभाषण है मैं उसको कोट करते हुए आगे वाणी को विराम देना चाहता हूं ।

24 नवम्बर, 2005 को नई सरकार बनने के पश्चात कानून के राज की लगातार स्थापना हो रही है ऐसी अभिभाषण में बात आई है । दूसरा, इंवेस्टिगेशन ऑफ केस, मेंटिनेंस ऑफ लॉ एण्ड ऑर्डर, तो मैं इस कड़ी में एक संत शिरोमणि रविदास जी का जो शेर है उसको आगे करते हुए मैं आगे की कुछ बातें रखना चाहता हूं । अध्यक्ष महोदय, संत शिरोमणि रविदास जी महाराज ने 648 साल पहले एक उक्ति में कहा था कि

''ऐसा चाहूं राज मैं, मिले सबन को अन्न,
छोट बड़ो सब सम बसे, रैदास रहे प्रसन्न ।''

और आज जो है उसी के साथ मिर्जा गालिब की एक उक्ति है जिसमें कहें है साफ करके कि

''हमें मालूम है जन्नत की हकीकत,
लेकिन दिल को खुश रखने को गालिब यह ख्याल अच्छा है ।''

इस संदर्भ में मैं लॉ एण्ड ऑर्डर पर बात करते हुए आगे बताना चाहता हूं कि हम अपने विधान सभा में, औरंगाबाद से हम आते हैं । यदि लॉ एण्ड ऑर्डर की बात करें तो दिनांक– 10.12.2024 के माली थाना क्षेत्र अंतर्गत कोल मंझौली में एक दलित बच्ची के साथ रेप किया गया और उसकी हत्या करके उसे फेंका गया । उसी संदर्भ में नवम्बर, 2024 में पैक्स अध्यक्ष जो वहां के थे संजय सिंह उनकी हत्या कर दी गयी और उनकी लाश लापता कर दी गयी । नवीनगर में ही श्रेया हत्याकांड चर्चित हत्याकांड है उसमें लॉ एण्ड ऑर्डर यह है कि आजतक उसकी जांच नहीं हुई और पता नहीं चला कि अपराधी कौन था । इसी संदर्भ में एरका में महादलित के बच्चे को जो छात्र था उसकी हत्या करके नाले में फेंक दिया गया । इस संदर्भ में जो लॉ इन मेंटिनेंस की बात कही जा रही है, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि आखिर किसे लॉ एण्ड ऑर्डर कहते हैं ? आपके अभिभाषण में कैसे हम उम्मीद रखें कि लॉ एण्ड ऑर्डर का हमारा राज चल रहा है ।

..क्रमशः.

टर्न–19 / हेमन्त / 04.03.2025

श्री राजेश कुमार गुप्ता : (क्रमशः) : यह बात सच है कि कोई भी सरकार जब बैठती है, तो वह चाहती है कि हमारा लॉ–एंड–ऑर्डर काबू में रहे, लेकिन विगत कुछ दिनों में जो अभिभाषण देख रहे हैं, हम यहां सभी जीते हुए जनप्रतिनिधि हैं, लेकिन इस अभिभाषण में हमें नहीं लगता है कि किसी जीते हुए जनप्रतिनिधि की और मंत्रिमंडल के साथियों की राय ली गयी है । साफ तौर पर पदाधिकारियों द्वारा बनाया हुआ यह अभिभाषण है और उस अभिभाषण को राज्यपाल महोदय ने पढ़ने का काम किया । आगे की कड़ी में मैं जरूर बताना चाहता हूं कि हम जब बिहार विधान सभा में आते हैं ।

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : माननीय सदस्य, अब आप समाप्त करें ।

श्री राजेश कुमार गुप्ता : तो राज्य में कानून व्यवस्था को यदि आगे करें, तो यहां बीपीएससी छात्रों के प्रति जिस तरह से उनके साथ बर्बरतापूर्वक अन्याय हो रहा है । माननीय मुख्यमंत्री जी, उप मुख्यमंत्री जी....

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : आपका समय समाप्त हो गया माननीय सदस्य ।

श्री राजेश कुमार गुप्ता : महोदय, अभी दस मिनट समय है हमारा ।

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : हो गया आपका समय समाप्त ।

श्री राजेश कुमार गुप्ता : माननीय मुख्यमंत्री जी, उप मुख्यमंत्री जी से आपके माध्यम से आग्रह करना चाहते हैं कि आप न्यायपरस्त माने जाते थे, लेकिन आज क्या हो गया है कि वह स्टूडेंट आपसे न्याय मांग रहा है और उनको न्याय नहीं मिल रहा है ।

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : माननीय सदस्य अब आप समाप्त करें, अब बैठ जायें ।

श्री राजेश कुमार गुप्ता : मैं ये बातें कहना चाहता हूं । सभापति महोदय, मैं अपनी वाणी को विराम देना चाहूंगा, क्योंकि हम खुद फॉर्मेट में रहने वाले लोग हैं, लेकिन कुछ ऐसी बातें भी हैं कि हम सब जितने लोग भी यहां बैठे हैं उनको सकारात्मक सोच लेकर बैठना चाहिए, चूंकि जितने भी लोग यहां बैठे हुए हैं, उनका जनता के प्रति दायित्व है, जनता के प्रति उत्तरदायित्व है । इसलिए ऐसा न हो कि लॉ–एंड–ऑर्डर के नाम पर जो निर्मम हत्यायें हो रही हैं, उसकी जांच नहीं हो रही है । इन्हीं शब्दों के साथ सभापति महोदय आपका आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया ।

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : श्री लखेन्द्र कुमार रौशन ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के द्वारा दिये गये अभिभाषण के पक्ष में मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । नेता सदन, अपने दोनों उप मुख्यमंत्री और अपने सचेतक जनक सिंह जी को मैं धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे बोलने का समय दिया । साथ ही, पातेपुर की महान जनता को भी धन्यवाद देता हूं । सभापति महोदय, चूंकि नेता प्रतिपक्ष चले गये, हमको लग रहा था कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर कुछ बोलेंगे, लेकिन वह 1990 से लेकर 2005 तक की गाथा को गाकर चले गये । लेकिन हमें लग रहा है कि प्रतिपक्ष के चेंबर में बैठकर मेरी बातों को जरूर सुन रहे होंगे ।

सभापति महोदय, आश्चर्य इस बात का है कि 1990 की जो चर्चा नेता प्रतिपक्ष जी ने की, कांग्रेस के हमारे साथी यहां बैठे हुए हैं, हमें लग रहा है कि वह देख इधर रहे थे, लेकिन जवाब इनकी ओर ज्यादा था और नेता प्रतिपक्ष ने जो बताया, हमें लग रहा है कि 1990 से लेकर 2005 तक की स्थिति बिहार की बतायी । उन्होंने बिहार को एक बदनाम बिहार बनाकर छोड़ दिया था, उसकी चर्चा उन्होंने की। कई विषय को नेता प्रतिपक्ष ने रखा, लेकिन यदि पूछा जाय बिहार का कि 1990 से लेकर 2005 तक बिहार की प्रथम अशिक्षित महिला मुख्यमंत्री कहां बनीं, तो वह बनी बिहार में । यदि सबसे कम उम्र का नेता प्रतिपक्ष, सबसे कम पढ़े–लिखे नेता प्रतिपक्ष यदि बना, तो वह इतिहास बिहार ने कायम किया है । यदि चारा घोटाला हुआ, तो वह हुआ बिहार में । डॉक्टरों का अपहरण, व्यवसायियों का अपहरण होता था वह होता था बिहार में । इसकी चर्चा नेता प्रतिपक्ष ने नहीं की । उन्होंने चर्चा क्या की ? एक बिहारी को गाली शब्द उनके माताजी और पिताजी ने बना दिया था ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : शांति–शांति । बैठिये, डिस्टर्ब मत करिये ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : नेता प्रतिपक्ष ने जंगल राज की उस बात को नहीं बोला । सभापति महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने के लिए खड़ा हूं ।

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : मुकेश जी आप बैठ जाइये । सुनिये ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : मैं महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हूं।

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : ललित बाबू, आप सुनिये तो । बैठ जाइये ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने भाषण में जो पूरा विकसित बिहार, सशक्त बिहार, मजबूत बिहार और यह बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का, जो बिहार का दृश्य दिखलाया है, उससे विपक्ष के साथ घबरा गये हैं । जो बिहार की अर्थव्यवस्था है जिसको हमारे वित्तमंत्री के रूप में बजट सत्र में ही हमारे उप मुख्यमंत्री जी ने चर्चा की उस पर चर्चा नेता प्रतिपक्ष जी ने नहीं की । हमको लग रहा है कि उनकी डिक्शनरी में वैसा कुछ नहीं रहा होगा । जो महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में विकसित बिहार के परिदृश्य को जो दिखलाया और बिहार की अर्थव्यवस्था जो मजबूत हुई नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में, उन्होंने बताया कि यह वही बिहार है जिस बिहार में 8.54 लाख करोड़ की अपनी अर्थव्यवस्था है । 8.54 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था इस बिहार की, इन्हें सुनायी नहीं दे रहा था । सभापति महोदय, इतना ही नहीं, आश्चर्य इस बात का है कि जिस बिहार ने, हमें अपने बिहार पर गर्व है, हमें अपने बिहार पर सम्मान है, हमारा बिहार हमारी धरोहर है । इस बिहार ने पूरे देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभायी है । लेकिन 1990 से लेकर 2005 तक बिहार को जो बदनाम किया उनको यह दिखायी नहीं दे रहा है । आज बिहार में जो जीडीपी की एक रिपोर्ट है उस रिपोर्ट पर चर्चा इन्होंने नहीं की, जो नीति आयोग की रिपोर्ट है, वह कहां से फर्जी नीति आयोग की रिपोर्ट उनके हाथ में थी, वह दिखला रहे थे । उसमें स्पष्ट है कि जिस प्रकार बिहार में नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में जो विकास हुआ है, वह विकास पूरे देश में तेलंगाना के बाद सबसे ज्यादा विकसित राज्य कोई बना है, तो महोदय वह बिहार बना है । तेलंगाना से कितना, तेलंगाना से 0.3 प्रतिशत ही मात्र हमारे बिहार की ग्रोथ कम रही है । 0.3 प्रतिशत ग्रोथ रेट यदि हमारी और बढ़ेगी, तो हम देश में प्रथम ग्रोथेस्ट राज्य बन जायेंगे । इसकी चर्चा उन्होंने नहीं की महोदय । उन्होंने क्या चर्चा की, 1990 से लेकर 2005 तक बिहार में क्या था । अरे भई! 1990 से लेकर 2005 तक बिहार में क्या था उसकी चर्चा हम नहीं करेंगे । हम उस पर चर्चा करके अपना समय बर्बाद नहीं करेंगे । वह चर्चा तो सुभाष यादव जी ने बता दिया है कि 1990 से 2005 तक

बिहार में क्या–क्या हुआ था । हम क्या बतायेंगे, हमसे ज्यादा तो उन्होंने बता दिया है, लेकिन...

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : माननीय सदस्य लखेन्द्र जी, समय हो चला है ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : लेकिन नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जो बिहार में विकास हुआ है हम उस पर चर्चा कर रहे हैं कि किस प्रकार बिहार ने बीस वर्षों के अंदर अपनी अर्थव्यवस्था से 8.54 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति खड़ी की है, महोदय, यह मैं बताना चाहता हूं । विकास का इनको आइना यदि देखना हो, तो केवल बिहार में सबसे बड़ा जो बजट का परसंटेज है, वह शिक्षा का बजट है । 19 परसेंट से भी ज्यादा, आपको समझ में आना चाहिए कि पूरे बिहार में पहले क्या था, 1990 से लेकर 2005 तक...

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : अब आप समाप्त करिये ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : बिहार में चरवाहा विद्यालय था, लेकिन आज हर विद्यालय में भवन बन गये हैं, शिक्षकों की बहाली हो गयी, विद्यार्थी की उपस्थिति बढ़िया हो गयी । यह दिखायी नहीं दे रहा है ।

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : अब आप समाप्त कीजिए और भी माननीय सदस्य हैं ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : स्वास्थ्य के क्षेत्र में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा..

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : अब आप समाप्त कीजिए ।

टर्न–20 / धिरेन्द्र / 04.03.2025

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : महोदय, बिहार के विकास में जिस प्रकार जो विकास हो रहा है इनको दिखाई नहीं दे रहा है । सड़कें बन रही हैं, हॉस्पिटल की व्यवस्था अच्छा हो गयी है, सुशासन का सरकार बिहार में कायम हो गया है लेकिन केवल एक मिनट महोदय, इनको यह बता दें कि वर्ष 1990 में लालू जी बिहार के मुख्यमंत्री बनें....

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : एक मिनट नहीं, आधा मिनट बोलिये ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : महोदय, वर्ष 1990 में भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से श्रद्धेय लालू प्रसाद यादव जी को भी मुख्यमंत्री बनने का हल्दी लगा था । ये भूल गए इस बात को, वही सपना दिखा रहे हैं, भाजपा तो सभी को दिया लेकिन वर्ष 2005–06 से इस बिहार में श्री नीतीश कुमार जी ने पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, महादलित, ई०बी०सी० को पंचायत चुनाव में आरक्षण देने का काम किये, यही एन०डी०ए० की सरकार ने, श्री नीतीश कुमार जी ने किया और आप में दम है तो किसी मुसलमान के बेटा को, किसी दलित के बेटा को....

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : इधर देखकर बोलिये ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : महोदय, एक मिनट । मुख्यमंत्री का घोषणा कर दिखा दीजिये ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : आप बैठिये । आप इधर देख कर बोलिये ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : महोदय, लेकिन देश के माननीय प्रधानमंत्री ने दलित के बेटा को बिहार में राज्यपाल बनाया, दलित के बेटा को देश में राष्ट्रपति बनाया और बाबा साहब को सबसे बड़ा सम्मान किसी ने देने का काम किया तो भारतीय जनता पार्टी ने और देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया ।

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : अब आप बैठ जाइये । माननीय सदस्य श्री विनय कुमार चौधरी ।

श्री लखेन्द्र कुमार रौशन : लेकिन आप तो दलित का शोषण करने का काम किये हैं और आप तो बिहार को लूटने.....

सभापति (श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह) : लखेन्द्र जी, अब आप बैठ जाइये, हो गया ।

श्री विनय कुमार चौधरी : महोदय, सबसे पहले मैं अपने नेता माननीय आदरणीय नीतीश कुमार जी के प्रति आभार प्रकट करता हूँ कि उनकी कृपा से इस सदन का मैं सदस्य बन सका और आज मुझे बोलने का मौका मिला, इसके लिए मैं सबसे पहले अपने नेता आदरणीय नीतीश कुमार जी के प्रति आभार प्रकट करता हूँ ।

मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण के प्रति अपनी पूर्ण सहमति और समर्थन व्यक्त करता हूँ । अभी नेता प्रतिपक्ष ने लंबी–लंबी बातें, असत्य का पिटारा खोल कर वे गये । महोदय, अभी हाल ही में दरभंगा में एक सेमिनार हुआ था वहाँ पर हैदराबाद की एक टीम आयी थी और हमारा जब उनसे परिचय हुआ तो उन्होंने कहा कि आप सौभाग्यशाली हैं, जिस राज्य का नेता नीतीश कुमार जी जैसे व्यक्ति हैं, यह राष्ट्रीय स्तर पर हमारे नेता की ख्याति है और दूसरे विपक्ष के हैं उनके नेता की क्या स्थिति है यह हम बोलने की जरूरत नहीं महसूस करते हैं, वे स्वयं समझते हैं । अभी लंबी–लंबी बातें वे कह कर गये हैं, शिक्षा मित्र की बात उन्होंने की है कि चरवाहा विद्यालय इन्होंने प्रारंभ किया था, महोदय, उस समय चरवाहा विद्यालय में पढ़ने के लिए बच्चों को साढ़े चार रुपया देना पड़ता था और आज राज्य में पोलटेक्निक शिक्षा के लिए मात्र पाँच रुपया फीस देना पड़ता है, ये है श्री नीतीश कुमार जी का विजन, आप यह जानकारी लीजिये और तब आप बात बनाइये, तब आप आ कर बोला कीजिये । ये आये कहें कि वर्ष 2005 से पहले, इनके भाषण से लगा कि ये लंबा–लंबा लिखकर लेकर आये हैं, वे अपने ही कहे हैं कि वे रिसर्च किये हैं और रिसर्च करने के लिए कम–से–कम पी॰जी॰ की पढ़ाई होनी चाहिए और ये पी॰जी॰ की पढ़ाई, हमको तो लगता है कि कॉलेज आज तक ये देखे ही नहीं हैं, नौवीं फेल कर आये थे और रिसर्च की बात कर रहे थे । रिसर्च करने का अधिकार सिर्फ

पी॰जी॰ पास स्टूडेंट को ही होता है तो ये वहां भी एक असत्य ही बोल दिये हैं कि मैं रिसर्च किया था अगर आप रिसर्च करते तो आप बतलाते कि बिहार में अब बैट्री मिलता है क्या ? लालटेन का शीशा मिलता है क्या ? नहीं मिलता है, ये है नीतीश कुमार जी का राज, जहाँ पर एक समय में शाम होते हुए हर व्यक्ति के हाथ में टॉर्च हो जाता था, अब तो टॉर्च का बैट्री नहीं मिलता है, कभी–कभी टॉर्च के लिए गार्ड लोगों को जरूरत होती है तो खोजना पड़ता है, तो कितना–कितना दिन, दो–दो, तीन–तीन महीना हर एक दुकान में खोजते हैं तब जाकर बैट्री कहीं मिल पाता है ये रिसर्च उन्होंने अगर किया था तो यह रिसर्च कर आते कि....

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अब बिहार में बैट्री नहीं मिलता है, बिहार में लालटेन का शीशा नहीं मिलता है । अब नीतीश कुमार जी के राज में बिजली 24 घंटा रहता है । पटना की बात तो छोड़िये, आप चलिये ग्रामीण क्षेत्र में जब, अभी हाल में जब हम घूम रहे थे तो लगता ही नहीं था कि अंधेरा हुआ है । ग्रामीण क्षेत्र में भी इतनी बिजली रहती है स्ट्रीट लाईट....

अध्यक्ष : अब समाप्त कीजिये । अब सरकार को भी बोलना है ।

श्री विनय कुमार चौधरी : जी, महोदय । मुझे तो अभी ही समय दिये हैं, एक मिनट भी नहीं हुआ है । महोदय, ये रिसर्च कर के आये हैं । अभी हाल में 31 जनवरी, 2025 को प्रतिपक्ष के नेता दिघवारा नगर पंचायत में जय सिंह कुशवाहा जी के खेत में पहुँचे थे 15 गोभी खरीदी थी और चार हजार रुपया उन्होंने दिया था । यह है श्री नीतीश कुमार जी का शासन और एक जमाना था कि बिहार के पटना में शोरूम से गाड़ी उठा ली जाती थी, बिना पैसा दिये हुए गाड़ी उठ जाती थी और आज....

(व्यवधान)

ये तो आपके प्रतिपक्ष के नेता के मामा ने ही बताया है कि कौन उठाता था, ये हम नहीं बताये हैं । आप अपने मामा से तो पूछ लीजिये कि कौन उठाते थे और उन्हीं को, कुछ दिनों के बाद वे गये, उसके बाद उनको लैपटॉप दिये हैं और.....

अध्यक्ष : अब समाप्त कीजिये ।

श्री विनय कुमार चौधरी : महोदय, दो मिनट ।

अध्यक्ष : नहीं, अब समाप्त कीजिये ।

श्री विनय कुमार चौधरी : महोदय, तेजस्वी जी जमीन के सवाल की बात करते हैं । इनके पास तरूण प्रसाद यादव के नाम से फुलवारी में 21 कट्ठा 02 धूर जमीन है, मौजा, गाँव–बनिया, थाना–फुलवारीशरीफ, खाता नं॰–581, 661, प्लॉट नं॰–352, पी॰–52/324, जय सिंह कुशवाहा जी के प्रति अगर उनको कोई भावना थी तो उनको जमीन तो दे देते । आप इतना जमीन रखे हुए हैं, 524 करोड़ रुपये की संपत्ति का आपके पास पटना में जमीन है ।

अध्यक्ष : विनय जी, अब बैठिये ।

श्री विनय कुमार चौधरी : आप कुछ कीजिये तो । आप सिर्फ अभी आपने बताया था हमारे मंत्री जी के बारे में बताया कि वे मलाई खाते हैं, मलाई आप खाते हैं, आप मलाई के लिए परेशान रहते हैं, आज भी परेशान हैं कि हमको माननीय मुख्यमंत्री जी गोद ले लें लेकिन माननीय मुख्यमंत्री जी गोद लेने वाले नहीं हैं । वे समझ गए हैं कि यह भतीजा हमारा बहुत बड़ा अबंड हैं, यह सुधरने वाला नहीं है, वे समझ चुके हैं इसलिए आपलोग निश्चित ही....

अध्यक्ष : हो गया विनय जी, अब बैठिये ।

श्री विनय कुमार चौधरी : महोदय, बहुत—बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : श्री जनक सिंह जी, आप एक मिनट में अपनी बात खत्म कीजिये ।

श्री जनक सिंह : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय कि आपने महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर मुझे धन्यवाद ज्ञापन करने के लिए मौका दिया ।

अध्यक्ष महोदय, इस सदन में आज हमने कुछ देखा है कि भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्र है और भारत का सनातन यह कहता है कि भारत की भूमि को चाहे किसी भी मजहब का हो बड़ा राम की भूमिका में रहता है छोटा लक्ष्मण की भूमिका में लेकिन हम देखे हैं कि इस सदन में लक्ष्मण राम की भूमिका में है और राम जो हैं वे लक्ष्मण के रूप में है और लक्ष्मण राम के रूप में, चूंकि यहां रहते तो जानते बात को इसलिए हमारे आराध्य अटल बिहारी वाजपेयी जी ने 1990 में राजद सुप्रीमो को भी इस राज्य का मुख्यमंत्री बनाया और 15 वर्ष का जो उनका अंतिम बजट रहा है, आपको 23885 करोड़ और इन्होंने राज्य को लूटा और जी भर कर लूटा, लेकिन अटल जी ने हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश जी को, उन्होंने 2005 में जो मुख्यमंत्री बनाया तो आज इन्होंने 3.17 लाख करोड़ रुपये का बजट लाया यानी आपने 15 वर्ष काल में वही किया है जैसे गाँव के अंदर एक मदारी जाता है और कहता है कि डूग—डूग—डूग डूगिया बजी, जमा हुई लड़कों की टोली, भालू नाच दिखायेगा पैसा लेकर जायेगा, आपने 15 वर्ष में वही किया है । एक मदारी के रूप में आपने अपनी भूमिका अदा की और राज्य को जी भर लूटा है और हमने क्या किया, हर क्षेत्रों में हमने जो विकास किया है चाहे ग्रामीण कार्य विभाग का हो, चाहे ग्रामीण विकास विभाग का हो, चाहे शिक्षा विभाग, चाहे उद्योग जगत का हो, चाहे सहकारिता विभाग का हो, हर क्षेत्रों में आज बिहार खुशहाल है, बिहार का गरीब.....

अध्यक्ष : समाप्त कीजिये ।

श्री जनक सिंह : बिहार का किसान, बिहार का मजदूर, बिहार का मातृशक्ति के चेहरे पर आज मुस्कान है लेकिन आपने तो लूटा और जी भर कर लूटा....

अध्यक्ष : जनक सिंह जी, समाप्त कीजिये ।

टर्न–21 / संगीता / 04.03.2025

(क्रमशः)

श्री जनक सिंह : इसीलिए नेता प्रतिपक्ष आए हैं । अध्यक्ष महोदय जी इसीलिए कहे कि अभी जब सूझे तब बूझे, इसलिए आप लक्ष्मण के रूप में हैं, आप अपने राम को अपने स्थान पर बैठाइए ताकि हमारे भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रवाद जो है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए ।

श्री जनक सिंह : भारत का जो सनातन कहता है, उस सनातन को, उस भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए ।

श्री जनक सिंह : आप उसपर चूना न लगाइए इसलिए हम कहते हैं और भारत का मूलमंत्र अगर कोई पूछे क्या है तो हम कहते हैं भारत माता की जय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए, हो गया अब, समाप्त करिए ।

श्री जनक सिंह : इसलिए भारत पर...

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण...

श्री जनक सिंह : भारत पर यह आरोप लगाया है, भारत को कलंकित करने का जो काम किया है ...

अध्यक्ष : बैठ जाइए ।

श्री जनक सिंह : ऐसा न करें । बहुत–बहुत धन्यवाद ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण...

(व्यवधान)

बैठिए, बैठिए ।

माननीय राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुए वाद–विवाद पर अब सरकार का उत्तर होगा । सरकार के उत्तर एवं आज के लिए निर्धारित कार्यों के निष्पादन होने तक सदन की सहमति से बैठक की अवधि विस्तारित रहेगी । माननीय मुख्यमंत्री जी ।

<u>सरकार का उत्तर</u>

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं बिहार विधान सभा के बजट सत्र में सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूं । बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में माननीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण हुआ । मैं बिहार विधान सभा के उन तमाम माननीय सदस्यों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने माननीय राज्यपाल के अभिभाषण में और अभिभाषण के उपरान्त धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग लिया । माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में विस्तार से सरकार की उपलब्धियों एवं प्राथमिकताओं की चर्चा की है । राज्य सरकार की प्राथमिकताओं एवं अन्य मुद्दों पर सदन के समक्ष मैं कुछ बातें रखना चाहता हूं । महोदय, हमलोग 24 नवंबर, 2005 को यहां पर आए और उस समय क्या और उसके बाद से जो सरकार में आने का मौका मिला है अब उसके बारे में हम जरा कहना चाहते हैं कि जब हमलोग आए थे उस समय तो उस समय की स्थिति क्या थी ? याद है न पहले क्या स्थिति थी, शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : मत करिए, नहीं । शांति बनाए रखिए, शांति बनाए रखिए ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : आप सब बच्चे हो, क्या पता है आपलोगों को, कुछ पता है, जरा प्रेस वालों से पूछ लो...

(व्यवधान)

शाम के बाद में...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, ...

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : और ये बच्चा है, इसका कब जन्म हुआ था...

(व्यवधान)

इसलिए चुपचाप रहो...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठिए, बैठिए आपलोग । बैठिए ।

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अगर बोलते रहोगे, हम ध्यान नहीं देंगे । आप सुनते हो, शाम के समय जब तक था...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : तब तक शाम के बाद कोई घर से नहीं निकलता था और आजकल क्या हालचाल है, और उस समय की क्या स्थिति थी, कहीं आने–जाने का रास्ता नहीं था । हम भी केंद्र में मंत्री थे, हम भी एम0पी0 थे...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सदन नेता बोल रहे हैं, शांतिपूर्वक सुनिए ।

(व्यवधान)

बैठ जाइए ।

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : और जब अपने इलाके में जाते थे तो हमलोग...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइए, बैठिए ।

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : पैदल ही जाकर सब जगह जाना पड़ता था । कहीं कोई जगह नहीं था कुछ पता है, यही तो बता रहे हैं । उसके बाद क्या हाल था...

(व्यवधान)

उसके बाद समाज में कितना विवाद होता था ? समाज में कितना विवाद होता था उस समय, बुरा हाल था और हिन्दू–मुस्लिम का झगड़ा कितना होता था, वोट लोग लेते थे लेकिन हिन्दू–मुस्लिम का झगड़ा कितना होता था और मुसलमानों को कुछ होता था तो उसको बचाने का कोई उपाय करते थे, यह जब हम आए उसी समय की स्थिति है, आपको हम बता देते हैं और उसके बाद हमलोगों ने सब काम किया हम आगे बता देंगे । पढ़ाई का क्या हाल था ? पढ़ाई में कम लोग ही पढ़ते थे, यह हालत था जब हमलोग आए उस समय के पहले की जो स्थिति थी अपने इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था । कोई इलाज भी करवाते थे तो उसका कोई इंतजाम था उस समय तक का ? कोई इंतजाम नहीं था और सड़कें, सड़कें भी बहुत कम थीं, उनका बुरा हाल था...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, यह डायरेक्ट टेलीकास्ट हो रहा है । आपके नेता ने एक लकीर खींचने की कोशिश की है, आप उस लकीर को क्यों छोटा करना चाहते हैं, क्यों दिखाना चाहते हैं कि आप हुड़दंग करने वाले लोग हैं, क्यों करना चाहते हैं...

(व्यवधान)

शांति से बैठिए, बैठिए ।

(व्यवधान)

बैठिए । इससे आपकी पहचान बनने वाली है । अपनी पहचान क्यों खराब करना चाहते हैं आप बैठिए, सुनिए...

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : बिजली की भी क्या स्थिति थी उस समय, बिजली की भी स्थिति बहुत खराब थी, अब उसके बाद जब हमलोग आए...

(व्यवधान)

तो अब किसी प्रकार का डर एवं भय का वातावरण नहीं है । राज्य में प्रेम, भाईचारा और शांति का माहौल है । हम सबसे पहले जो हिन्दू–मुस्लिम झगड़ा था, उसके बारे में हम कह देते हैं । जो कब्रिस्तानों की घेराबंदी थी अब वह कब्रिस्तान की घेराबंदी हिन्दू और मुस्लिम के इलाके में बना हुआ था, उनलोगों को बड़ा मुश्किल होता था और कोई नहीं बचाता था । वोट लेते रहता था लेकिन मुसलमानों का नहीं लेकिन हमलोग आए और आते ही...

(व्यवधान)

सुनिए ना, कुछ नहीं जाता है, अरे कुछ है । आपके जो सबसे बड़े नेता थे उनका हमसे क्या रिश्ता था, कुछ पता है, ऐसे ही बोल रहे हो कि साथ हो गए हो...

(व्यवधान)

बेकार का काम कर लिए हो, अब उसको छोड़ दो...

(व्यवधान)

हम अब यही कहना चाहते हैं कि पहले जो हिन्दू–मुस्लिम का झगड़ा था, हमने सबको और हिन्दू–मुस्लिम का और जो हम बता रहे थे कि उसका जो जगह था और उसमें दिक्कत होती थी, हमलोगों ने 2006 में ही उससे बात किया कि आपकी यह जगह कितनी है, उनलोगों ने लगभग हमलोगों को बताया था 8000 से थोड़ा ज्यादा कब्रिस्तान की घेराबंदी और उसका हमलोगों ने पूरा का पूरा घेरा करवा दिया और अब उसी समय से हिन्दू–मुस्लिम का कोई झगड़ा नहीं हुआ और ये लोग झगड़ा करते थे...

(व्यवधान)

और ये लोग कोई बात करते थे । भाई, हम तो एम0एल0ए0 थे और एम0पी0 होकर हम चले गए थे और उस समय भी यहां जो था तो यहां मुसलमानों के साथ क्या हो गया था ? अब वहां पर जब हम भागलपुर जा रहे थे 2005 में घूम रहे थे, वहां के सब मुस्लिम लोगों ने हमको कहा कि साहब इतना पहले झगड़ा हुआ और ये लोग भी 15 साल रहे हैं ये लोग भी कुछ नहीं किए और उसके बाद जैसे ही हम आए वैसे ही हमलोगों ने वहां के बारे में एक–एक चीज को देख लिया और जो गड़बड़ किया था उसको पकड़ के उसके खिलाफ एक्शन हुआ और जितने मुस्लिम परिवार के लोग वहां पर थे उनको दिक्कत थी, उनको हमलोगों ने पूरा मदद किया और उसके पहले आपको बता रहे हैं जो हमलोगों ने 8000 से ज्यादा कब्रिस्तान की घेराबंदी की और उसके बाद कोई झगड़ा नहीं हुआ और उसके बाद भी उनलोगों से हमने पूछा कि

आपका जो इस प्रकार का था आपने बताया हमने कर दिया, आप कुछ और बताइए तो उनलोगों ने 1 हजार 227 के बारे में बाद में बताया तो अब उसमें भी हमलोगों ने 746 को कर दिया है और बाकी हो रहा है और अब इसी साल तक बाकी का पूरा हो जाएगा तो इसीलिए एक–एक तरह से कुछ नहीं हुआ । अब कहीं किसी प्रकार से आप समझ लीजिए कि कोई झगड़ा–झंझट नहीं होता है और हमने तो एक बार और किया था हिन्दूओं का भी जो हमने मुसलमानों का ठीक किया और उसके बाद हमने पता किया कि जो हिन्दूओं का भी हिन्दू मंदिर है...

(क्रमशः)

टर्न–22 / सुरज / 04.03.2025

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : (क्रमशः) उसके बाद हमने पता किया जो हिंदुओं का भी हिंदु मंदिर है और उसका भी रात में घेराबंदी करके कुछ गड़बड़ करता था । तो इसलिये हमने उसके बारे में पिच करके 60 साल से जो पुराना था, 60 वर्ष से पुराने हिंदु मंदिरों का भी घेराबंदी किया । अब हिंदु मंदिर में भी कोई झंझट नहीं और मुस्लिम का भी जो कर रहे थे झंझट वह भी खत्म और किसी प्रकार से कोई काम नहीं । तो एक–एक तरह से हमलोगों ने काम किया और पुलिस बल की संख्या लगातार बढ़ायी गयी है हर तरह से । पुलिस बल की संख्या कैसी थी इतना कम पुलिस बल की संख्या थी । जब हमलोग आये थे तो पुलिस में 42 हजार 851 मात्र था और हमलोगों ने इसके लिये तुरंत करके कहा कि इतना कम पुलिस में बहाली क्यों हो रही है । हमलोगों ने उसकी बहाली की और इसको 1 लाख 10 हजार कर दिया । इसके बाद हमलोगों ने...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सदन नेता बोल रहे हैं शांति बनाये रखिये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : और हम ही उनके बीच जा रहे थे लास्ट ईयर ही । हमने कहा भाई अब इतना है, इसके चक्कर में मत रहो । हम और ज्यादा करना चाहते हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सदन नेता बोल रहे हैं न, बोलने दीजिये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : 2 लाख 27 हजार 873 करने का हमलोगों ने काम किया...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये, बैठ जाइये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अब लगभग 21 हजार 391 लगभग पूरा हो गया है जो होने वाला है और बाकी सबका जैसा हमलोगों ने जितना बढ़ा दिया है पुलिस बल का उसकी

भी संख्या काफी हमलोग कर रहे हैं । अब उसके अलावे शुरू से ही जो हमने काम किया, एक बात तो हमने आपको बता दिया लेकिन जब हमलोगों ने काम शुरू कर दिया तो उसके बाद हमलोगों ने आने–जाने के लिये घेराबंदी, अब जरा सा पटना का देखिये तो यहां पर भी शाम के बाद कोई घर से बाहर नहीं निकलता था । आज जरा देख लीजिये कैसा घर एक–एक जगह हमलोग बनाये और कितना बढ़िया है और अब आप जानते हैं अब आज के समय में रात में लड़का हो, लड़की हो, महिला हो, स्त्री हो कोई जात हो 10 बजे, 11 बजे तक रात में सब घुमती है, यही हाल है । तो इन सब चीजों को देखना चाहिये कि क्या स्थिति हुई है और हमलोगों ने जो शुरू किया वह शुरू किया सबसे पहले काम तो किया ही लेकिन उसके अलावे जो हमलोगों ने किया शिक्षा के क्षेत्र में और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमलोगों ने पूरा का पूरा काम किया । हमलोगों ने लड़के–लड़कियों के लिये पोशाक योजना शुरू की...

(व्यवधान)

अब आप जानते हैं तो जो भी हो....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सदन नेता बोल रहे हैं यह अच्छी परंपरा कायम नहीं कर रहे हैं आपलोग ।

(व्यवधान)

बोलने दीजिये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : सभी उनके लिये काम हमलोगों ने किया...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपको अवसर मिलेगा, विरोध में बोलियेगा जब अवसर मिलेगा तो ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : जो भी काम किया हमलोगों ने, जो कुछ भी लड़के–लड़कियों के लिये पोशाक योजना हमलोगों ने शुरू करा दिया और 2008 में सबसे पहले तो हमलोगों ने लड़के–लड़कियों को पढ़ाना शुरू किया तो हमने लड़के–लड़कियों के लिये पोशाक योजना शुरू किया और उसके बाद जो सबसे पहले हमलोगों ने 2008 में किया था लड़कियों के लिये 9वें क्लास में तो उसके बाद से हमको लड़कों ने कहा कि हमको भी होना चाहिये तो तुरंत अगली बार 2010 में ही सारे लड़कों के लिये भी और लड़कियों के लिये भी साईकिल योजना चलायी । अब आप जरा बोलिये साईकिल योजना सरकार देती है । अब जिस तरह से लड़कियां अपने घर से स्कूल जाती थी और जब अपना घर आती थी तो अपने माता को, पिता को लेकर बाजार जाती थी । शाम में तो आपके समय में कोई बाहर निकलता ही नहीं था और जब हमलोग ये सब शुरू कर दिये थे शाम के बाद भी और अब तो और भी ज्यादा । ये सब जो हमलोग काम किये । सब जगह से हमलोगों ने काम शुरू करा दिया लड़के–लड़कियों के लिये जो कुछ भी शुरू हुआ यह अच्छा हुआ । अब उसके बाद

हम आपको बता देते हैं जो कुछ भी हमने लड़के–लड़कियों के लिये पोशाक योजना शुरू किया....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : गलत परंपरा कायम मत करिये, बैठिये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : भाई आप इसको बहाल करिये तो हमलोग उसी समय कह दिये थे कि नहीं नियोजित शिक्षक आप ही बनाइये । पहली बार तो हमलोग 4 हजार, 5 हजार और उसके बाद अब तो इतनी बड़ी संख्या में बाद में शुरू किया जो सरकार को किसी को मिलता है, उतना ज्यादा सबको मिला । लेकिन बाद में हमने यह भी शुरू किया कि नहीं अब जो पहले हमको बोला था तो हम नहीं किये, इधर हम आकर के देखे कि सरकारी योजना भी शुरू होनी चाहिये तो 2023 में दो चरणों में 2 लाख 17 हजार 272 नये सरकारी शिक्षकों की हमने बहाली की और इसके बाद इसमें वे जो नियोजित शिक्षक थे, बहुत लोगों का उसमें हुआ । 28 लोग पास किया था लेकिन बाद में हमने कहा कि आपलोगों को कोई जरूरत नहीं है बड़ी परीक्षा में जाने का इसीलिये हमने तय किया कि अब जो सरकारी शिक्षक में आयेंगे तो उनको अलग से एक छोटी सी परीक्षा में करेंगे और आप जानते हैं हमने 5 राउंड तय किया । तब 2 राउंड में आप समझ लीजिये कि...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : यह तो हमलोगों की सरकार ने किया है ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : कुल मिलाकर के 2 लाख 53 हजार 961 नियोजित शिक्षक...

(व्यवधान)

अभी मेरे साथ थे तो कहां कोई बात थी । आपलोगों का कोई काम था जो काम था मेरा काम था ।

(व्यवधान)

जब गड़बड़ किये । एक बार किये तो हरा दिया, दूसरी बार भी गड़बड़ किये तो दूसरी बार भी हरा दिये और अब कहीं से नहीं है इधर–उधर का । हमलोग एक साथ मिलकर काम किये । हमलोग सब दिन के लिये साथ रहेंगे, अब कुछ नहीं है । कौन काम किये थे ये लोग । बैठिये, ये फालतु बात है ।

(व्यवधान)

इसलिये हमलोगों ने इनको भी आप समझ लीजिये कि 2 लाख 53 हजार 961 नियोजित शिक्षकों की भी बहाली हो गयी है । अब थोड़ा सा बचा हुआ है । अब दो परीक्षा है, तीन परीक्षा है । हमलोगों ने कहा है कि भाई देखो बहुत मामूली सी परीक्षा है । आप जानते हैं इतना बड़ा सरकारी शिक्षक ये सब के सब बहाल हो गये हैं।

(व्यवधान)

अभी तो शिक्षा की बात की, अब इसके बाद स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काफी काम हुआ है । स्वास्थ्य के बारे में काफी काम हुआ । पहले स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत खराब थी । स्वास्थ्य की स्थिति कितनी खराब थी । प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ईलाज के लिये आप जरा सोचिये ने क्या हालत थी पहले आप जानते हैं । जो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र था मेरे पास इसके बारे में पूरा डिटेल हमने जो कलेक्ट किया है उसके हिसाब से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ईलाज के लिये प्रति माह 29 मरीज होते थे । यानी एक दिन में एक या एक दिन में दो, इतने ही लोग आते थे । हमलोगों ने जो इतना काम किया और 2006 से अस्पतालों में मुफ्त दवा और ईलाज की पूरी व्यवस्था कर दी और अब स्थिति यही है कि अब सब लोग हर महीने औसतन 11 हजार लोग वहां जाते हैं । आप जरा देख लीजिये इतनी स्थिति अच्छी हुई और राज्य में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के लिये काफी काम किया गया है । कितना काम किया गया है, पूरा काम किया गया है । पहले क्या था 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल था । अब उसी में हमलोगों ने...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : उसी में तो गलत हो रहा है ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : आपके पिताजी को हम ही बनाये थे वह जब आये थे तो उस समय ये सब नहीं था । आपके जात वाले भी जो जात थे हमको कहते थे क्यों आप कर रहे हैं तो हमने तो उसी आदमी को बना दिया था । ये सब कुछ नहीं जानते हैं । (क्रमशः)

टर्न–23 / राहुल / 04.03.2025

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : (क्रमशः) बाद में जो गड़बड़ कर रहे थे, जो पिछड़ा और अतिपिछड़ा । आज नहीं, जो हम लोगों के नेता थे कर्पूरी जी वे किये थे । वे करना चाहते थे कि अब पिछड़ा और अतिपिछड़ा का बंद करके खाली पिछड़ा करेंगे । हमने कहा फालतू बात है...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आप क्या बोल रहे हैं कुछ सुनाई नहीं दे रहा।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अतिपिछड़ा है कितना महत्वपूर्ण है तो हमने उसी समय विरोध किया और चार...

(व्यवधान)

आप जानते हैं न। चार साल के बाद...

(व्यवधान)

हो गया न । 1994 में हम...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : 1994 में हम अलग हो गये और बाद में सब लोगों के साथ जितना हमने काम किया तो इसीलिए हम आपको बता रहे हैं कि जो भी...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : खेल मंत्री कौन हैं आप खाली नाम बता दीजिये, अपने ही मंत्रिमंडल के मंत्रियों का नाम नहीं जानते हैं...

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जो हम आपको बता दिये कि पहले...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये । शांति रखिये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : पहले कुल 6000 था तो उसके बाद हम लोगों ने तय किया, अभी तो कुल मिलाकर के 12 हो गया है और 14 बहुत जल्दी होने वाला है लेकिन हमने जो तय किया है कि नहीं और जिलों का भी उसको कर दें और उसके लिए अनेक जगहों पर हम लोगों ने इसके बारे में कर दिया है और आप जान लीजिये कि उसके बाद जो भी है, जितना 6 था, पटना मेडिकल कॉलेज जो सबसे पुरानी थी आप जानते हैं देश में जब कुछ था...

(व्यवधान)

अरे अभी हुआ, तीन दिन पहले हुए उसके 100 साल और उस कार्यक्रम में भी गये थे हम लोग । उसके बाद आप जानते हैं केन्द्र में बहुत कम था वहीं पटना में पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल का था तो आप समझते हैं और उसके बाद हम लोगों ने तय कर दिया पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल का हमने तय कर दिया है 5400 बेड, यह देश में कहीं नहीं है, उतना हमने वहां का कर दिया। और उसके अलावा बाकी जो 5 थे उसको हमने कर दिया है सबका 2500 बेड के लिए किया है और एक जो इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, वह तो एकदम बेकार ही था । हम जब सरकार में आये, हम लोग उसका विस्तार कितना करवाये हैं और उस पर काम शुरू हुआ है...

(व्यवधान)

अब उसके बाद हमने उसका भी इतना काम करके कर दिया है कि अब उसका भी 3000 बेड हो जायेगा तो इसके लिए और राज्य में सड़कों, पुल–पुलियों का निर्माण कराया गया है और जो भी है 6 घंटे में पटना पहुंचने के लक्ष्य में आप जरा जान लीजिये इतना बनाये हम लोग सबसे दूर जो था पटना से तो उसका हो

गया 2016 में, 6 घंटे में आने लगा लेकिन उसके बाद फिर हम लोगों ने सोचा कि इसको और कम करें तो लगभग अब 5 घंटे के करीब हो रहा है और उसके बाद यह भी तय किया, कल ये बोले हैं, अब उस दिन जो बोले हैं अब उसके बाद उसमें यहीं इसलिए कि उसको तो हम लोगों ने 6 का किया था उसको 5 करने जा रहे हैं होने जा रहा है अब । उसके बाद भी उसके आगे हम लोगों ने तय किया है कि दूर से भी पटना आने में चार घंटे हो जाये इसपर भी हम लोगों ने काम करने की कोशिश की है और उसके बाद जरा जान लीजिये हमने यही किया है...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, ये क्या बोल रहे हैं कुछ समझ नहीं आ रहा है ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : 7 निश्चय के तहत अनेकों काम...

(व्यवधान)

यह तो हम पहले से करा रहे हैं और बात जो हम लोगों ने 7 निश्चय किया उसके अंतर्गत हम लोगों ने...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : 7 निश्चय 2015 में चालू हुआ और वह भी महागठबंधन की सरकार में...

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : जो 2005 था उस समय बिजली बहुत कम जगहों पर थी जो हम बता दिये । 2005 में बिजली बहुत कम जगहों पर थी और पटना तक में 8 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं रहती थी और जगहों का हाल और भी खराब था और घरों में पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं थी और घरों में शौचालय न के बराबर था । लोगों को शौच के लिए काफी दूर जाना पड़ता था तो उसके बाद हम लोगों ने तय किया 7 निश्चय के तहत हर घर बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, हर टोलों में पक्की सड़कों का हम लोगों ने निर्माण किया। 2020 में यह काम पूरा हो गया । अब इसके बाद कहीं–कहीं देखा गया कि सबके घर का हम लोग कर दिये तो कोई नया घर बनाया है उसके लिए भी कर रहे हैं और मान लीजिये किसी का घर टूट गया तो उसके लिए भी उसको ठीक करने के बाद उसको भी करवा रहे हैं । एक–एक तरह का काम...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : 65 प्रतिशत आरक्षण का क्या हुआ ?

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : ताकि हर घर बिजली, अब आप सोच लीजिये...

(व्यवधान)

हर घर बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय । आप जरा साचिये न कि लोग कहां जाते थे, घर में कहीं उसको करने का नहीं, बाहर जाता था दूसरी जगह बाहर जाता था और पखाना करता था...

(व्यवधान)

उससे कई तरह की प्रॉब्लम होती थी इसीलिए हमने यह सब काम कराया और आज कितनी सुविधा सबको हो रही है तो इसलिए हर घर में हम लोगों ने बनाया तो एक–एक तरह से सब काम किया...

(व्यवधान)

घर बन गये हैं और उसके बाद हम लोगों ने 2020 में सात निश्चय–2 लागू किया । सात निश्चय में वह काम किया अब 2020 में जो सात निश्चय–2 का काम किया है तो उससे भी अनेक लाभ हुए हैं और जो भी काम हो रहा है आप देख लीजिये आई0टी0आई0 में एवं पॉलिटेक्निक संस्थान में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किये जा रहे हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सदन नेता बोल रहे हैं । यह अच्छी परंपरा नहीं कायम कर रहे हैं । अपने स्थान पर बैठ जाइये...

(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अतिपिछड़ा सभी वर्गों की महिलाओं, सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग में युवाओं तथा अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों पर काम किया गया है और...

(व्यवधान)

उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इंटर पास करने पर आप जानते हैं कि इंटर पास करता है, प्लस टू पास करता है उस महिला को हम लोग 25000 रुपये देते हैं और कोई मैट्रिक पास करता है...

(व्यवधान)

प्लस टू पास करता है तो उसको हम देते हैं 50000 रुपया । यह सब काम हम लोग किये हैं और इसके अलावा हर खेत तक सिंचाई...

(व्यवधान)

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण सदन से बर्हिगमन कर गये)

ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाईट, शहरों को स्वच्छ एवं विकसित बनाने हेतु नागरिक सुविधाओं का कार्य, ग्रामीण पथों का निर्माण, शहरों के नजदीक बाईपास का निर्माण एवं टेली मेडिसीन तथा बाल हृदय योजनाओं पर तेजी से काम कराया गया है । अब इसके बाद आप जान लीजिये अभी भाग ही रहे हैं, सब भाग गये हैं

इसीलिए इन लोगों को यह समझ में आ रहा है पहले कितना बुरा हाल था अब जब कर रहे हैं बता रहे हैं तो ऐसे ही कर रहे हैं तब इसके बाद अगला चुनाव होगा इन सबको कुछ नहीं मिलेगा । हम लोग सब काम इतना बढ़िया से कर रहे हैं कि जनता खुद सोचेगी कि आखिर कौन काम करने वाला है इसलिए जरा सोच लीजिये और हम लोग जो साथ हैं एक ही साथ रहेंगे।

अब एक बात और हम कहना चाहते हैं कृषि रोड मैप के माध्यम से कृषि का विकास जो कृषि रोड मैप हम लोगों ने 2008 में किया तो उसके चलते हम लोगों ने प्रथम कृषि रोड मैप किया 2008 से 2012 तक और दूसरा किया 2012 से 2017 तक और तीसरा जो किया 2017 से 2022 तक एक महीना और एक्स्ट्रा किया । फिर हम लोगों ने 2023 से चौथा किया और उसमें बहुत सारी चीजों का निर्माण किया है । सब तरह से सारा काम हुआ है । 2006 में अब आप जानते ही हैं कि जो हम लोगों ने क्या किया तो जो पंचायती राज था उसमें भी और 2007 में नगर निकायों में हम लोगों ने 50 परसेंट महिलाओं को किया। आप सोच लीजिये कितना बड़ा हुआ और अब तो इतनी महिलाएं और बढ़ गयी हैं कि अब तो एक हम किये थे 2006 में उसका जो हुआ पंचायती राज का और 2007 में नगर निकाय का तब तो उसके बाद चौथा चुनाव भी हो गया । चार चुनाव भी हो चुका है अब कितनी बड़ी संख्या में महिलाएं सब तरह से काम कर रही हैं और उसके बाद आप जान लीजिये हमने 2013 में जो पुलिस में महिलाएं थीं उसको हमने 35 परसेंट का आरक्षण दिया और आप जानते हैं 2013 में भी हमने यह काम किया उसके चलते इतना ज्यादा महिलाओं की वृद्धि हुई, उसमें महिलाओं को दिया हमने तो अब आपको बता रहे हैं कि उसमें हम लोगों ने जो दिया तो उसमें पुलिस में जितनी महिलाएं हो गयी हैं वे देश में दूसरे राज्य में कहीं नहीं हैं जितनी यहां महिलाओं की संख्या हो गयी है ।

(क्रमशः)

टर्न–24 / मुकुल / 04.03.2025

क्रमशः

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : और वर्ष 2016 में हमलोगों ने यह तय किया, महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 परसेंट आरक्षण दिया यह सब कुछ किया है और उसी तरह से एक बात और आपको कहना चाहते हैं कि यह तो हम पहले वाली बात आपको बता दिये जो हमलोगों ने 2006 में किया, 2007 में किया । अब उसके बाद हम आपको एक बात और कह रहे हैं कि जो कुछ भी हमलोगों ने काम किया 2006 में क्या था, स्वयं सहायता समूह, हमलोग तो केन्द्र में मंत्री थे, केन्द्र में थे इधर–उधर बाहर भी घूमे थे, स्वयं सहायता समूह में महिलाएं जगह–जगह थीं, जब हम यहां पर

2005 में आये तो यही सोचें कि यहां पर होगा तो जब हम देखने के लिए गये तो पता चला कि एक जगह कुछ है वहां देखें कि बहुत कम और कहीं नहीं था तो हमलोगों ने क्या किया, 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर के हमलोगों ने स्वयं सहायता समूह का गठन किया और जब स्वयं सहायता समूह का वृद्धि होने लगा तो हमने उसका जीविका किया और उसको हम जीविका दीदी भी कहते हैं । आप समझ लीजिए कि कितनी बड़ी संख्या में हो गईं और जब हम वह काम कर रहे थे तो केन्द्र से भी एक मंत्री आये, हमसे से तो केन्द्र की सरकार खिलाफ ही थी लेकिन आ गये देखने के लिए और उन्होंने देखा कि बहुत काम हो रहा है तो फिर हमसे पूछ रहे थे कि क्या हुआ तो हमने कह दिया कि हमने तो इनलोगों को कह दिया है जीविका और जीविका दीदी हम कहे हुए हैं तो उनको ठीक लगा तो वे तो पूरे देश में होता है स्वयं सहायता समूह का, हर जिले का उसमें उसका नाम दे दिया आजीविका और हमने किया था जीविका तो इतनी बड़ी संख्या में क्या हुआ, आप जानते हैं कि कुल मिलाकर के स्वयं सहायता समूह में तो 10 लाख 63 हजार हो गया और उसमें जीविका दीदियों की संख्या 1 करोड़ 31 लाख और अभी जानते हैं शहरी क्षेत्र में भी नहीं था । अभी इस बार हमलोगों तय कर दिया है कि शहरी क्षेत्र में भी स्वयं सहायता समूह होंगी और जीविका ही होंगी तो उसका भी काम शुरू हो गया, अब शहरी क्षेत्र में भी 3 लाख 60 हजार जीविका दीदियां हैं और बड़ा तेजी से हमलोग काम करा रहे हैं, उनकी भी संख्या शहरी क्षेत्र में हो रही है और युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है और इसमें आप समझ लीजिए 2020 तक तो 8 लाख था, उसके बाद हमलोगों ने सोचा, इसी के बारे में सोच लिया था 2020 में कि 10 लाख नौकरी देंगे और 10 लाख रोजगार देंगे तो यही शुरू किया लेकिन अभी क्या स्थिति है, 10 लाख नौकरी में अभी 9 लाख 35 हजार हो चुका है और उससे ज्यादा हो रहा है तो इसलिए इस बार के चुनाव के पहले अब 10 लाख की जगह पर 12 लाख यह होगा सरकारी नौकरी वाले में और हम रोजगार का जो 10 लाख किये थे उसका तो अभी ही 24 लाख हो गया है, उसमें यह और भी बढ़ेगा और कुल मिलाकर वह 38 लाख हो जायेगा । अब आप सोच लीजिए 10 लाख हमलोगों ने तय किया था सरकारी नौकरी, 10 लाख रोजगार कुल मिलाकर 20 लाख था । अब हो गया सरकारी नौकरी 12 लाख और रोजगार में हो रहा है 38 लाख यानी दोनों को मिलाकर के आप समझ लीजिए 50 लाख युवाओं के लिए इन सब चीजों के लिए काम होता जा रहा है । इसी तरह से हमने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है, चाहे हिन्दू हो, मुस्लिम हो, अपर कास्ट हो, पिछड़ा हो, अति पिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो सबके लिए भी काम किया है और मुस्लिम समुदाय के लिए तो हम पहले ही बतायें उसके लिए भी हमलोगों ने काम किया और

मदरसों को सरकारी मान्यता दी गयी और उसको भी जो शिक्षक होता है उसको भी सरकार पूरे तौर पर नौकरी दे रही है, इस तरह से बहुत सारा काम हो रहा है और मुस्लिम महिलाओं के लिए हमने और भी काम किया है कि जब कोई मुस्लिम महिला रहती थी, उसकी शादी होती थी लेकिन छोड़ देता था, उसको भगा देता था तो हमलोगों ने यह भी शुरू किया कि उसको दिक्कत होती है इसलिए ऐसे मुस्लिम समाज की उस महिला को जिसकी शादी के बाद छोड़ देता है उसको हमलोगों ने 25 हजार रुपये की मदद देने के लिए भी किया हुआ है । 2023 में हमलोगों ने जो बात की है, हमलोग तो सारी पार्टियों की मीटिंग की और उसी में तैयार किया तो हमलोगों ने जाति आधारित गणना के लिए और उसी में हमने यह कहा कि इसके लिए यह भी हमलोगों को देखना है कि कौन गरीब परिवार है, इसके बारे में देखना चाहिए और उसका भी अध्ययन किया तो कुल मिलाकर आप जान लीजिए कि 94 लाख गरीब परिवार और उसमें सब है अपर कास्ट के, पिछड़ा के, अतिपिछड़ा के, दलित के, महादलित के, मुस्लिम के इन सभी कॉमनिटी में सब जगह के लोगों का पाया गया कि गरीब परिवार हैं और 94 लाख माना गया और उसके बारे में तो हमलोगों ने यह भी सोच लिया कि उनलोगों को तत्काल देने की शुरुआत करेंगे ताकि 2 लाख रुपया उनको देकर के यह भी काम करेंगे। आपलोग तो जानते ही हैं कि हमलोग प्रगति यात्रा में गये, 23 दिसंबर, 2024 से शुरू किये और उसके बाद हमने 21 फरवरी तक किया तो राज्य के जितने भी 38 जिले हैं सबकी प्रगति यात्रा की है । सबसे पहले तो हमलोग दिसंबर, 2024 में 4 जिलों का किये और उसके बाद जनवरी माह में 17 जिलों का और फरवरी माह में 17 जिलों का, ये सब हमलोगों ने करके जहां पर भी हमलोग गये वहीं पर बहुत सारी बातों को सुना तो जहां पर भी जो काम हो रहा है, क्या हो रहा है वह सब तो करवाये ही हैं लेकिन उसके अलावे हमने जब कार्यक्रम शुरू किया था तो उसके पहले ही हमलोगों ने सब जगह पर कहा कि हर जिले के अंदर देखिए कि हर जगह कहां पर कोई कमी है उस कमी को पूरा करने के लिए तो हमलोगों ने वह काम किया, अब सब जगह का हमलोगों ने, हर जगह का और आप जानते ही हैं और आपको बता देना चाहते हैं कि हमलोगों ने शुरू में ही जो हमलोग जनवरी में करके आये और उसी के लिए भी कैबिनेट से हमलोगों ने पूरा का पूरा कर लिया और उसके बाद दूसरे बार भी किये तो अब हमलोगों ने पहले 4 फरवरी को कर लिया था कैबिनेट से तो जो भी कमी थी उसके बारे में तय किया और इसके बाद जो तय किया 25 फरवरी को उसमें भी किया गया और उसी तरह से 38 जिलों में जो भी घोषणाओं से संबंधित हुआ तो 430 योजनाओं की स्वीकृति, अब आप सोच लीजिए हर जिले 430 ऐसी थी, हम उनको सुधारने के लिए जिसकी कुल अनुमानित लागत 50 हजार करोड़ रुपये हैं और उसी के चलते

अब काम शुरू हो रहा है एक–एक चीज । ये लोग क्या बोलते हैं, इनलोगों को कोई मतलब है, आज तक कोई काम किया है, सब काम तो हमलोग शुरू से कर रहे हैं । अब यहीं पर देख रहे हैं और जब भी हम कहीं जाते थे तो वहीं पर कोई भी आदमी, किसी भी पार्टी का था, कोई कहता था उसकी भी बात को सुना जाता था तो यह जितना देखा गया । अब जो भी उसके बारे में देखा जा रहा है उसमें भी और कुछ जगह के बारे में तुरन्त पता चला था उसको भी हमलोगों ने एडॉप किया और बाकी एक–एक तरह से सारा काम किया जा रहा है, हमलोग हर तरह से, सब तरह से काम कर रहे हैं और उसी के अलावे हर तरह से राज्य सरकार बिहार के विकास एवं समाज के हर तबके के उत्थान के लिए कृतसंकल्पित है यह पूरा का पूरा हम सब लोग काम कर रहे हैं और बहुत खुशी की बात है कि वर्ष 2024 में नई केन्द्र सरकार के गठन के बारे में । आप सोच लीजिए केन्द्र सरकार के बारे में हमलोगों को क्या, हमलोग तो कर ही रहे हैं लेकिन केन्द्र सरकार का भी जो सहयोग हुआ है तो आप समझ लीजिए जब 2024 में चुनाव हुआ और उसके बाद फिर जो सरकार थी तो पहली बार गठन के बाद केन्द्र सरकार ने बिहार के लिए विशेष आर्थिक सहायता के रूप में आपको बता दें सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन और बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि देने की घोषणा उन्होंने की है और फिर इस वर्ष 2025 में जब दूसरा चुनाव हुआ है तो केन्द्र सरकार के द्वारा प्रस्तुत बजट में बिहार के लिए मखाना बोर्ड की स्थापना, बिहार के नये हवाई अड्डों का विकास, पश्चिमी कोसी नहर परियोजना के लिए वित्तीय सहायता, पटना आई0आई0टी0 के विस्तार की घोषणा की गयी है, इसके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्रद्धेय नरेंद्र मोदी जी का हम अभिनंदन करते हैं, उनको हम धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने दोनों बार 2024 में और 2025 में भी उन्होंने बिहार के हित में बहुत सारी योजनाओं के बारे में उन्होंने तय किया है ।

क्रमशः

टर्न–25 / यानपति / 04.03.2025

(क्रमशः)

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : उन्होंने दोनों बार 2024 में और 2025 में भी बिहार के हित में बहुत सारी योजनाओं के बारे में उन्होंने तय किया है । सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव और भाईचारे का वातावरण कायम रहे और हमारा राज्य प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे ।

इसके अलावे आप जानते ही हैं महामहिम राज्यपाल महोदय ने राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में सभी बातें कही हैं । मैं आदरणीय राज्यपाल

महोदय को उनके अभिभाषण के लिए नमन करता हूं और इन्हीं शब्दों के साथ मैं पुनः आप सबको धन्यवाद देता हूं ।

ये भाग गए हैं तब भी मैं धन्यवाद देता हूं । भाग गए हैं, कोई बात नहीं, हमको इससे मतलब नहीं है, उसी समय अंड–बंड बोल रहे थे, गवर्नर साहब बोल रहे थे तो उसी समय अंड–बंड बोल रहे थे तो कोई बात नहीं अभी भी नहीं सुनना था । हम तो गवर्नर साहब की ही बात कर रहे थे । उन्होंने जितनी बातें कीं तो इसी तरह से राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में सभी बातें कही हैं । मैं आदरणीय राज्यपाल महोदय को उनके अभिभाषण के लिए नमन करता हूं । इन्हीं शब्दों के साथ पुनः आप सबों को मैं धन्यवाद देता हूं और मैं अनुरोध करता हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के लिए उनके प्रति कृतज्ञता का प्रस्ताव सदन सर्वसम्मति से पारित करें, हम तो यही कहेंगे । एक साथ दोनों पार्टियों का किए और उसी के बारे में उन्होंने इतनी अच्छी बात की, सरकार की तरफ से दिया जाता है, सारी बात लिखकर के उनको दे दिया और उसके बाद उन्होंने एक–एक बात कही, कितनी अच्छी बात की कि बिहार में कितना काम हुआ है ।

महोदय, हम आपसे यह अनुरोध करेंगे कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के लिए कृतज्ञता का प्रस्ताव सदन सर्वसम्मति से पारित करे । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं, बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : अब सरकार का उत्तर समाप्त हुआ ।

माननीय सदस्यगण, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर श्री अरूण शंकर प्रसाद, स0वि0स0 द्वारा प्रस्तुत किए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर माननीय नेता विरोधी दल श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, श्री अजीत शर्मा, स0वि0स0 एवं श्री महबूब आलम स0वि0स0 के संशोधनों पर विमर्श हुआ । अब मैं एक–एक करके संशोधनों और मूल प्रस्ताव को लूंगा ।

क्या माननीय नेता विरोधी दल श्री तेजस्वी प्रसाद यादव अपना संशोधन वापस लेना चाहते हैं ?

(अनुपस्थित)

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''धन्यवाद प्रस्ताव के अंत में माननीय नेता विरोधी दल श्री तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा प्रस्तुत संशोधनों को जोड़ा जाय ।''

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

क्या माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा अपना संशोधन वापस लेना चाहते हैं ?

(अनुपस्थित)

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''धन्यवाद प्रस्ताव के अंत में माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा द्वारा प्रस्तुत संशोधनों को जोड़ा जाय ।''

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

क्या माननीय सदस्य श्री महबूब आलम अपना संशोधन वापस लेना चाहते हैं ?

(अनुपस्थित)

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''धन्यवाद प्रस्ताव के अंत में माननीय सदस्य श्री महबूब आलम द्वारा प्रस्तुत संशोधनों को जोड़ा जाय ।''

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

अब मैं मूल प्रस्ताव को लेता हूं ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''सदस्यगण इस अभिभाषण के लिए राज्यपाल के कृतज्ञ हैं ।''

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

माननीय सदस्यगण, आज दिनांक–04 मार्च, 2025 के लिए स्वीकृत निवेदनों की संख्या–35 है । अगर सदन की सहमति हो तो इन्हें संबंधित विभागों को भेज दिया जाय ।

(सदन की सहमति हुई)

अब सभा की कार्यवाही बुधवार दिनांक–05 मार्च, 2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।